राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

स्वतंत्र प्रभात

जो लिखेगा, वही टिकेगा

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें........
9511151254

@swatantraprabhatmedia | @swatantramedia | RNI.No. UPHIN/2019/79073 (epaper.swatantraprabhat.com) | @SwatantraPrabhatonline | news@swatantraprabhat.com

लखनऊ से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून

लखनऊ, बुधवार, 24 जून 2026
वर्ष 07, अंक 257, पृष्ट 12, मूल्य: 03 रुपया
www.swatantraprabhat.com

गाज़ियाबाद , दिल्ली , हरियाणा , चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

तेज आंधी और बारिश से बस्ती में मचा हड़कंप, कई जगह गिरे पेड़ और यूनीपोल...02

सड़क दुर्घटनाओं पर सख्त हुए डीएम....10

लखनऊ अग्निकांड से सबक, सीएम योगी ने हर जिले में फायर सेफ्टी ऑडिट के दिए निर्देश

● लखनऊ अग्निकांड के बाद सीएम योगी ने महत्वपूर्ण बैठक की, जिसमें उन्होंने फायर सेफ्टी मानकों से कोई समझौता न करने और व्यापक ऑडिट अभियान चलाने के निर्देश दिए

उन्होंने कहा कि अवैध निर्माण और बेसमेंट में कोचिंग या नर्सिंग होम स्वीकार्य नहीं होंगे

इस हादसे में 15 लोगों की मौत हुई, और जांच में पता चला कि आग लगी बिल्डिंग अवैध थी. मालिक समेत चार गिरफ्तार और एलडीए के अधिकारी निलंबित हुए हैं

लखनऊ में अग्निकांड के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को अहम बैठक की. वरिष्ठ अधिकारियों के साथ विशेष बैठक कर मुख्यमंत्री ने लखनऊ अग्नि दुर्घटना की बिंदुवार समीक्षा की. इस बैठक में सीएम योगी ने कहा कि लखनऊ की दुर्भाग्यपूर्ण घटना प्रदेश के लिए बड़ा सबक है. उन्होंने निर्देश दिया कि फायर सेफ्टी मानकों से कोई समझौता नहीं किया जाए और हर जनपद में विशेष टीम गठित कर व्यापक फायर सेफ्टी ऑडिट अभियान चलाया जाए।

सीएम योगी ने कहा कि पहले जागरूकता पैदा की जाए और फिर कार्रवाई हो. अभियान के नाम पर किसी नागरिक का उत्पीड़न न हो. उन्होंने कहा कि जो भवन जिस गतिविधि के लिए अनुमन्य हैं. वहां वही गतिविधि होगी. बेसमेंट में कोचिंग या नर्सिंग होम स्वीकार नहीं हैं. उन्होंने कहा कि आपातकालीन सेवाओं को रिस्पॉन्स टाइम और कम करने के लिए ठोस कदम उठाने होंगे। बता दें कि लखनऊ में दो मंजिला बिल्डिंग में लगी आग में कुल 15 लोगों की मौत हो गई है. मंगलवार सुबह स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (एसआईटी) और एक फोरेंसिक टीम हादसे की जांच करने के लिए मौके पर पहुंची।

एसआईटी की टीम ने घटना स्थल की जांच की

टीम ने बिल्डिंग का इंस्पेक्शन किया, और एसआईटी, जिसमें आईपीएस ऑफिसर प्रवीण कुमार और आईएएस ऑफिसर अमृत अभिजात शामिल हैं, ने सबूत इकट्ठा किए और मौके से सामान से भरे बैग लेकर चली गई।

शवों को उनके परिवारों को सौंपने से पहले सात घंटे तक पोस्टमॉर्टम जांच चली. जांच से पता चला है कि जिस बिल्डिंग में आग लगी थी, वह गैर-कानूनी थी. 2016 में इसे गिराने का ऑर्डर जारी किया गया था, लेकिन बाद में उसे कैंसल कर दिया गया था।

लखनऊ डेवलपमेंट अथॉरिटी (एलडीए) के वाइस-चेयरमैन प्रथमेश कुमार ने कहा कि बिल्डिंग के मालिक को नोटिस भेजा गया है और 15 दिनों के अंदर जवाब देने को कहा गया है. उन्होंने कहा कि बिल्डिंग को गिरा दिया जाएगा. यह बिल्डिंग रामेश्वरम इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड

मैनेजमेंट कॉलेज के मालिक वीरेंद्र शुक्ला की है. पुलिस ने गैर-इरादतन हत्या का केस दर्ज किया है और वीरेंद्र समेत चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है. एलडी ए के छह अधिकारियों को सस्पेंड कर दिया गया है।

जिस बिल्डिंग में लगी थी आग, उस पर चलेगा बुलडोजर

जांच में पता चला है कि जिस बिल्डिंग में आग लगी थी, वह गैर-कानूनी थी. 2016 में इसे गिराने का ऑर्डर जारी किया गया था, लेकिन बाद में इसे कैंसल कर दिया गया था. लखनऊ डेवलपमेंट अथॉरिटी (एलडी ए) के वाइस-चेयरमैन प्रथमेश कुमार ने कहा कि बिल्डिंग के मालिक को नोटिस देकर 15 दिनों के अंदर जवाब देने को कहा गया है. उन्होंने कहा कि बिल्डिंग को गिरा दिया जाएगा।

यह बिल्डिंग रामेश्वरम इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट कॉलेज के मालिक वीरेंद्र शुक्ला की है. पुलिस ने गैर-इरादतन हत्या का केस दर्ज किया है और वीरेंद्र समेत चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

बैठक में महानिदेशक अग्निशमन सेवा ने मुख्यमंत्री को अवगत कराया कि प्रदेश की 350 तहसीलों में से 296 तहसीलों में 326 स्थायी अग्निशमन केंद्र संचालित हैं। 26 नए अग्निशमन केंद्र लोकार्पण के लिए तैयार हैं, जबकि 25 केंद्रों का निर्माण कार्य प्रगति पर है। इसके अतिरिक्त 47 नए केंद्रों के लिए विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन तैयार किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने शेष तहसीलों में भी अग्निशमन सेवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कार्यवाही में तेजी लाने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जनसुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। अग्नि सुरक्षा मानकों का पालन केवल कानूनी दायित्व नहीं, बल्कि मानव जीवन की सुरक्षा से जुड़ा विषय है। सभी विभाग समन्वित प्रयासों के साथ कार्य करते हुए प्रदेश में सुरक्षित एवं उत्तरदायी व्यवस्था सुनिश्चित करें।

गुजरात कोर्ट का बड़ा फैसला, वन अधिकारियों पर हमले में आप विधायक चैतर वसवा को 7 साल की जेल

» यह घटना नवंबर 2023 की है जब अवैध कजा हटाये जाने के बाद अधिकारियों पर हमला कर उनसे 60,000 रुपये वसूले गए थे. कोर्ट ने सभी दोषियों पर 25,000 रुपये का जुर्माना भी लगाया है

गुजरात के राजपीपला सेशन कोर्ट ने मंगलवार को आम आदमी पार्टी (आप) के विधायक चैतर वसावा, उनकी पत्नी और सात अन्य को सात साल की जेल की सजा सुनाई. यह सजा नवंबर 2023 के एक मामले में वन अधिकारियों पर हमला करने और जबरन वसूली के आरोप में सुनाई गई है. पीटीआई न्यूज के अनुसार सरकारी वकील वंदना भट्ट ने बताया कि एडिशनल सेशन जज ए वी हिरपारा ने उन सभी पर 25,000 रुपये का जुर्माना भी लगाया. आरोपियों में विधायक की पत्नी शकुंतला वसावा समेत चार महिलाएं शामिल हैं यह घटना 30 अक्टूबर, 2023 को हुई थी. वन विभाग के अधिकारियों ने गैर-कानूनी तरीके से कब्जे वाली सरकारी जमीन पर उगाई गई कपास की फसल हटा दी, जिससे विवाद हो गया. इसके बाद अधिकारियों को इस मुद्दे पर बात करने के लिए नर्मदा जिले के डेडियापाड़ा में वसावा के घर बुलाया गया।

चैतर वसावा पर कोर्ट का कड़ा एक्शन

अपने घर पर, डेडियापाड़ा (ST) विधानसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले आदिवासी नेता वसावा ने अधिकारियों को धमकाया. उनमें से एक को थप्पड़ मारा और पिस्तौल से हवा में गोली चलाई. पुलिस ने बताया कि वसावा की पत्नी समेत आरोपियों ने फसल हटाने के लिए वन अधिकारियों से कुल 60,000 रुपये वसूले और बाद में वसावा ने पिस्टल छिपाकर या फेंककर सबूत मिटा दिए. वसावा के पर्सनल असिस्टेंट जितेंद्र वसावा पर विधायक से फोन पर संपर्क करने और उन्हें रंगदारी के पैसे लेने के लिए बुलाने का आरोप था।

विधायक, उनकी पत्नी और सात अन्य के खिलाफ इंडियन पुलिस कोड (आईपीसी) की दंगा, रंगदारी और सरकारी अधिकारियों पर हमले से जुड़ी धाराओं के साथ-साथ आर्म्स एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया था. 7 अगस्त, 2025 को चार्ज फ्रेम किए गए थे. स्पेशल पब्लिक प्रॉसिक्यूटर अमित नायर ने कहा, 'ट्रायल के दौरान कुल 17 सरकारी गवाहों से पूछताछ की गई, साथ ही कई डॉक्यूमेंट्री सबूत भी पेश किए गए, और सभी गवाहों ने हमारे केस को सपोर्ट किया. हमने ज्यादा से ज्यादा 10 साल की सजा मांगी।

सरकारी अधिकारियों पर हमला पड़ा भारी

यह तर्क देते हुए कि एक चुने हुए जन प्रतिन्धि से उम्मीद की जाती है कि वह हिंसा का सहारा लेने के बजाय कानूनी उपाय अपनाएगा, और कोई भी व्यक्ति कानून से ऊपर नहीं है.' सुनवाई के दौरान, नायर ने तर्क दिया कि गवाहों के बयान, डॉक्यूमेंट्री सबूत, कॉल रिकॉर्ड और बैंक स्टेटमेंट से आरोपी की संलिप्तता साबित हुई। उन्होंने हाल की दूसरी एफआईआर रिपोर्ट का भी हवाला दिया, जिनमें वसावा का नाम हमला और सार्वजनिक रूप से अव्यवस्था फैलाने जैसे अपराधों के लिए था और कहा कि वे भी इसी तरह के व्यवहार का पैटर्न दिखाते हैं. बहस के आखिरी में वसावा के वकीलों ने सरकारी वकील के कुछ गवाहों को वापस बुलाने की मांग की, लेकिन सेशन कोर्ट ने इस अर्जी को

खारिज कर दिया. इस फैसले के खिलाफ अपील को गुजरात हाई कोर्ट ने 7 मई, 2026 को और सुप्रीम कोर्ट ने 19 मई को खारिज कर दिया।

वन अधिकारियों से मारपीट और वसूली केस में सजा

इसके बाद आरोपी ने बचाव पक्ष के गवाहों से पूछताछ करने की इजाजत मांगने के लिए एक अर्जी दी, जबकि उसने पहले ऐसा नहीं करने का फैसला किया था। इस अर्जी को भी सेशन कोर्ट और बाद में हाई कोर्ट ने खारिज कर दिया।

आप विधायक को 5 जुलाई, 2025 को भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) के सेक्शन 109 के तहत हत्या की कोशिश के आरोप में गिरफ्तार किया गया था, जब उन्होंने कथित तौर पर एक मीटिंग के दौरान तालुका पंचायत अध्यक्ष पर हमला किया था. पिछले सितंबर में उन्हें जमानत देते हुए, हाई कोर्ट ने एक शर्त रखी थी कि वह एक साल तक डेडियापाड़ा तालुका में नहीं आएंगे अप्रैल 2026 में, भरूच जिले के झगड़िया जीआईडीसी पुलिस स्टेशन में वसावा और कुछ दूसरे लोकल नेताओं के खिलाफ तीन FIR दर्ज की गई, जब उन्होंने एक फैक्ट्री में आग लगने के पीड़ितों के लिए मुआवजा मांगने गए एक व्यक्ति को थप्पड़ मारा और बदले में एक व्यक्ति ने उन्हें भी थप्पड़ मारा।

संक्षिप्त ख़बरें

दुष्कर्म के अभियोग में वांछित 01 अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया

प्रतापगढ़। थाना लीलापुर प्रभारी निरीक्षक अमला सिंह के नेतृत्व में थाना लीलापुर के उ0नि0 सुमित कुमार वर्मा मय हमराह द्वारा मुखबिर की सूचना पर धारा 69/352 बी एनएस एक्ट थाना लीलापुर जनपद प्रतापगढ से संबंधित अभियुक्त खुशबान पुत्र मोहदीन खान निवासी ग्राम कटवड़ थाना लीलापुर जनपद प्रतापगढ़ उम्र करीब 23 वर्ष को थाना क्षेत्रान्तर्गत पदनाथपुर मोड़ तिराहा के पास से गिरफ्तार किया गया है।

पोखरे में नहाते समय किशोर की डूबकर मौत

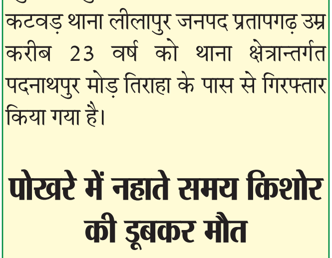

सिद्धार्थनगर। जिले के इटवा थाना क्षेत्र के ग्राम दुफेडिया में मंगलवार दोपहर तालाब में डूबने से 17 वर्षीय किशोर की मौत हो गई। घटना के बाद गांव में मातम पसर गया और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। जानकारी के अनुसार, गांव निवासी ताबिश (17) पुत्र जमाल भीषण गर्मी से राहत पाने के लिए गांव के पूरब स्थित तालाब में नहाने गया था। नहाते समय वह अचानक गहरे पानी में चला गया और डूबने लगा। मौके पर मौजूद बच्चों ने चीख पुकार मचाई और ग्रामीणों को सूचना दी। सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंचे और किशोर की तलाश शुरू कर दी। करीब दो घंटे की मशक्कत के बाद ग्रामीणों ने जाल की मदद से ताबिश का शव तालाब से बाहर निकाला। स्थानीय लोगों के मुताबिक, ताबिश को तैरना नहीं आता था, जिससे वह गहरे पानी से बाहर नहीं निकल सका। घटना की सूचना पर इटवा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी। थानाध्यक्ष संजय मिश्रा ने बताया कि तालाब में डूबने से एक किशोर की मौत हुई है। पुलिस मौके पर

जिस घर से उठनी थी रामजी की बारात वहां पसरा मातम, बांदा में दो बाइकों की भीषण भिड़ंत, दूल्हे सहित 3 युवकों की मौत

● अपनी शादी के कार्ड बांटकर लौट रहे युवक समेत तीन की सड़क हादसे में मौत

● एक जुलाई को होनी थी शादी, कार्ड बांटकर लौट रहे रामजी की मौत

● मामा की 24 जून की शादी में शामिल होने आया राहुल भी हादसे का शिकार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

अतर्रा (बांदा)। जिस घर में शादी की खुशियां थीं। मंगल गीत गाए जा रहे थे वहां अब चीखों का शोर था। 1 जुलाई को सिर पर सेहरा सजाकर बरात ले जाने का सपना संजोए रामजी अपनी शादी का कार्ड बांटने निकला तो उसे मौत ले गई। बांदा में दर्दनाक हादसे में तीन युवकों की मौत हो गई जिसमें एक रामजी भी थे। अपनी शादी के निमंत्रण कार्ड बांटकर बाइक से घर लौट रहे युवक समेत तीन लोगों की सड़क हादसे में मौत हो गई। अतर्रा-ओरन मार्ग पर ग्राम चौसड़ के अंश हउली-बारा के पास सोमवार रात दो बाइकों की आमने-सामने टक्कर में तीनों गंभीर रूप से घायल हो गए। प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें रानी दुर्गावती मेडिकल कालेज रेफर किया गया, जहां चिकित्सकों ने तीनों को मृत घोषित कर दिया। हादसे के समय दोनों बाइक चालक हेलमेट नहीं पहने थे।

यहां हुआ हादसा

बिसंडा थाना क्षेत्र के ग्राम चौसड़ निवासी 22 वर्षीय रामजी की आगामी एक जुलाई को बबेरू क्षेत्र के टोला-सिमौनी में शादी होनी थी। सोमवार रात वह शादी के निमंत्रण कार्ड बांटकर बाइक से घर लौट रहा था। दूसरी ओर चौसड़ निवासी 38 वर्षीय राजू अपने ननिहाल आए ग्राम पारा-बिहारी निवासी 16 वर्षीय राहुल के साथ बाइक से किराने की दुकान जा रहा था। रात करीब साढ़े नौ बजे हउली-बारा के पास दोनों बाइकों की आमने-सामने टक्कर हो गई। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। राहगीरों की सूचना पर पहुंचे स्वजन तीनों घायलों को अस्पताल ले गए।

कल राहुल के मामा की शादी

हालत गंभीर होने पर उन्हें मेडिकल कालेज रेफर किया गया, जहां उपचार शुरू होने से पहले ही तीनों ने दम तोड़ दिया। एक साथ तीन मौतों से चौसड़ गांव और आसपास के क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। राहुल अपने मामा सुनील की 24 जून को

होने वाली शादी में शामिल होने करीब 15 दिन पहले ननिहाल आया था। उसकी मां गिरजा की एक वर्ष पूर्व बीमारी से मौत हो चुकी थी। दो भाइयों में वह बड़ा था और अधिकतर समय ननिहाल में ही रहता था।

राजू अपने माता पिता का इकलौता था

वहीं राजू खेती-किसानी कर परिवार का भरण-पोषण करता था। वह अपने माता-पिता का इकलौता पुत्र था। उसकी मौत से मां तुलसा और पत्नी शोभा का रो-रोकर बुरा हाल है। उधर रामजी चार भाइयों में सबसे बड़ा था। वह पिता के साथ खेती-किसानी के साथ मजदूरी भी करता था। घर में शादी की तैयारियां चल रही थीं, लेकिन हादसे की खबर पहुंचते ही खुशियों का माहौल मातम में बदल गया। बिसंडा थाना प्रभारी सीपी तिवारी ने बताया कि दो बाइकों की आमने-सामने टक्कर में तीन लोगों की मौत हुई है।

बस्ती जिले में हीट वेव से खेत में काम कर रहे एक किसान की मौत

बस्ती। बस्ती जिले के वॉटर गंज थाना क्षेत्र ग्राम बघौडी निवासी बलराम पुत्र राजा रामकी खेत में काम कर रहे अचानक मौत हो गई लोगों का बताना है की हीट ट वेब के कारण अचानक चक्कर आने से मौत हो गई परिजनों को जब पता चला तो उन्हें अस्पताल ले जाने का प्रयास किया लेकिन तब तक देर हो चुकी थी भीषण गर्मी के कारण हीटबेंव से अपने आप कोबचाना होगा। भीषण गर्मी में लोगों को सरकार द्वारा हिदायत दी जा रही है की धूप में ना निकले जिसके कारण हो रही मोते रोक लगाने का प्रयास किया जा रहा है प्रशासन के हिदायत के अनुसार खेतों में सुबह-शाम कम करें अन्यथा हैज के कारण आपको आपदा से झेलना पड़ेगा ताजा मामला वाल्टरगंज थाना क्षेत्र के बघौड़ी गांव निवासी बलराम पुत्र राजाराम की हीट वेव के कारण कारण अचानक चक्कर आने से गिर पढ़ने के कारण परिजन परिजन अस्पताल ले जाने के लिए तैयार हो रही थी तब तक उनकी मौत हो गई उनकी मौत हो गई। भीषण गर्मी में हीट वेव से बचाना मुश्किल हो गया है किसानों के लिए सबसे ज्यादा खतरा बना हुआ है प्रशासन को मामले पर ध्यान देना चाहिए।

बिजली आपूर्ति की मांग को लेकर ग्रामीणों का विशाल धरना-प्रदर्शन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। जिले में विद्युत आपूर्ति को लेकर ग्रामीण क्षेत्र में लगातार हो रही बिजली कटौती, लो वोल्टेज की समस्या और खराब विद्युत व्यवस्था से परेशान ग्रामीणों ने मखौड़ा पावर हाउस पर ग्राम प्रधान आशीष गुप्ता एवं प्रधान प्रतिनिधि आशीष गुप्ता की अगुवाई में विशाल धरना-प्रदर्शन कर अपनी नाराजगी जताई। धरने को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि भीषण गर्मी और उमस के बीच क्षेत्र की जनता बिजली की बदहाल व्यवस्था से जूझ रही है। कई गांवों में निर्धारित समय के अनुसार बिजली आपूर्ति नहीं हो रही है, वहीं लो वोल्टेज के कारण घरेलू उपकरण भी प्रभावित हो रहे हैं। बार-बार होने वाली बिजली कटौती से आमजन, किसान, छात्र और व्यापारी सभी परेशान हैं। धरना-प्रदर्शन के दौरान ग्रामीणों ने बिजली विभाग के खिलाफ नाराजगी जताते हुए मांग की कि क्षेत्र में 18 घंटे निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित की जाए, लो वोल्टेज और अनावश्यक कटौती पर तत्काल रोक लगाई जाए, खराब ट्रांसफार्मरों को तत्काल बदला जाए तथा जर्जर और झूलते विद्युत तारों को बदलकर बिजली व्यवस्था को दुरुस्त किया जाए। प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही उनकी मांगों पर कार्रवाई नहीं की गई, तो आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा। धरना-प्रदर्शन में बेरता के प्रधान प्रतिनिधि सुनील चौरसिया सहित क्षेत्र के कई जनप्रतिनिधि, ग्रामीण एवं बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मौजूद रहे।

आदित्य श्रीवास्तव की अलीगंज लखनऊ कोचिंग सेंटर में आज की चपेट में आने से दर्दनाक मौत

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बिसवां सीतापुर नगर के मोहल्ला कैथी टोला निवासी अधिवक्ता आलोक कुमार श्रीवास्तव के युवा सुपुत्र आदित्य श्रीवास्तव की कल अलीगंज लखनऊ में कोचिंग सेंटर में आग की चपेट में आने से दर्दनाक मौत हो गई थी। देर रात उनका शव उनके निवास स्थान पर आने से कोहराम मच गया परिवारी जनों का रो रो कर बुरा हाल था।सुबह उनके आवास पर लोगो का हुजूम उमड़ पड़ा।उनके आवास पर क्षेत्रीय विधायक निर्मल वर्मा, सेवता विधायक ज्ञान तिवारी, पूर्व विधायक महेंद्र सिंह यादव, शरद चौधरी, कुँवर दिनकर प्रताप सिंह,प्रदीप सिंह चौहान, शब्बीर खान, उपजिलाधिकारी आकांक्षा गौतम, ने पहुचकर उनके पार्थिव शरीर पर श्रद्धासुमन अर्पित किया।

भारी उमड़े जन समूह के बीच नम आंखों के बीच वैदिक मंत्रोच्चार के बीच शीतला देवी मंदिर शमशान घाट पर अंत्येष्टि की गई।उनकी अंतिम विदाई देते समय बिसवां लायर्स एसोसिएशन अध्यक्ष आनंद मेहरोत्रा, सचिव नागेन्द्र प्रताप, बिसवां बार एसोसिएशन सचिव नीरज श्रीवास्तव, सहित काफी संख्या में अधिवक्ता, गड़मान्य नागरिक मौजूद रहे।

तेज तर्रार वीडियो विनोद सिंह आखो में धूल झोंक कर 24 जून को ग्राम पंचायत जगदीशपुर का पूर्ण होगा आनलाइन फर्जी मस्टर रोल

● पूर्ण फर्जी मस्टर रोल का भुगतान रोकना खण्ड विकास अधिकारी विनोद कुमार सिंह के बना चुनौती मुंहमांगा कमीशन लेकर टीए करते हैं पूर्ण फर्जी मस्टर रोल कार्यों की फर्जी एमबी

● फर्जी भुगतान के लिए ग्राम प्रधान सुमन ने झोंकी है पूरी ताकत

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। बस्ती जिले के विकास खण्ड परसरामपुर के अन्तर्गत ग्राम पंचायत जगदीश पुर में मनरेगा कार्यों के नाम पर जारी आनलाइन फर्जी मस्टर रोल 24 जून को पूर्ण होगा । पूर्ण फर्जी आनलाइन मस्टर रोल को रोकना खण्ड विकास अधिकारी परसरामपुर विनोद कुमार सिंह के लिए चुनौती बना हुआ है । सूत्रों की माने तो टीए भी मुंहमांगा कमीशन लेकर फर्जी एमबी करने की फिराक में जुटे हैं और सचिव व एपीओ मनरेगा को मुंहमांगा कमीशन फर्जी मनरेगा कार्यों के फाइल पर हस्ताक्षर कर सकते हैं । जब फाइल पर सारी प्रक्रिया पूर्ण देख कम्प्यूटर ऑपरेटर भी अपना हिस्सा कमीशन लेकर भुगतान के लिए फाइल आनलाइन फीड कर देंगे । इस प्रकार स्पष्ट है कि फर्जी भुगतान कराने के लिए ग्राम प्रधान सुमन ने पूरी ताकत झोंक दी है ।

आपको बता दें कि ग्राम पंचायत जगदीशपुर में मनरेगा कार्यों हेतु दो आनलाइन मस्टर रोल जारी कराया गया था जिसमें पहला मस्टर रोल अर्जुन के घर के सामने तालाब खुदाई कार्य व दूसरा दूसरा मस्टर रोल राम पाल के खेत के बगल तालाब खुदाई कार्य है । मीडिया टीम के पड़ताल में पता चला कि तालाब खुदाई के नाम पर मात्र सरकारी खजाने को लूटने का खेल जारी है । तालाब खुदाई कार्य में न तो

मनरेगा मजदूर कार्य कर रहे हैं और न ही कोई मनरेगा कार्य ग्राम पंचायत जगदीश पुर में चल रहा है । ग्राम प्रधान सुमन समेत अन्य ब्लाक अधिकारियों की मिलीभगत से सरकारी धन का बंदरबांट करने का प्रयास किया जा रहा है।

केन्द्र सरकार के निर्देश पर राज्य सरकार ने प्रत्येक विकास खण्डों में मनरेगा कार्य मानक के अनुरूप हो जिसकी जांच के लिए एपीओ मनरेगा को नियुक्ति किया लेकिन एपीओ मनरेगा ब्लाक मुख्यालय पर बैठकर आराम फरमाते हैं और अपना हिस्सा कमीशन लेकर मनरेगा कार्यों के फाइलों पर हस्ताक्षर कर फर्जी भुगतान में पूरा सहयोग करते हैं। अब देखना यह है कि उक्त प्रकरण में जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा क्या कार्यवाही की जाती है । इस सम्बंध में खण्ड विकास अधिकारी विनोद कुमार सिंह ने कहा कि मामला संज्ञान में नहीं है जांच करके पूर्ण आनलाइन फर्जी मस्टर रोल जीरो होगा।

संक्षिप्त खबरें

शादी का झांसा देकर शारीरिक संबंध बनाने व शादी करने से इनकार करने वाले अभियुक्त को किया गया गिरफ्तार

बस्ती। बस्ती जिले के थानाध्यक्ष वाल्टरगंज श्री सूर्यप्रकाश सिंह के कुशल नेतृत्व में वाल्टरगंज पुलिस टीम द्वारा थाना वाल्टरगंज जनपद बस्ती पर पंजीकृत मु0अ0स0 144/2026 धारा 69 BNS से सम्बंधित शादी का झांसा देकर शारीरिक संबंध बनाने व शादी करने से इनकार करने वाले अभियुक्त नसीर पुत्र शफीक निवासी गन्धरिया फैज थाना वाल्टरगंज जनपद बस्ती उम्र करीब 25 वर्ष को आज दिनांक 23.06.2026 को मनौरी चौराहा बस्ती बांसी मार्ग से समय 12:57 रूपर गिरफ्तार कर सम्बंधित मा0 न्यायालय बस्ती रवाना किया गया।गिरफ्तार अभियुक्त का विवरणनसीर पुत्र शफीक निवासी गन्धरिया फैज थाना वाल्टरगंज जनपद बस्ती उम्र करीब 25 वर्ष ।गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीमउ0नि0 प्रदीप कुमार पाण्डेय प्रभारी चौकी जमदाशाही थाना वाल्टरगंज जनपद बस्ती।का0 अनिरुद्ध कुमार, रि0का0 रितिक अग्निहोत्री, रि0म0 का0 निकिता यादव, रि0म0का0 प्रांजलि सिंह थाना वाल्टरगंज जनपद बस्ती।

बांदा में दो बाइकों की टक्कर में तीन युवकों की मौत, शादी का कार्ड बांटकर आ रहे थे

बांदा। बिसंडा थाना क्षेत्र के ग्राम चौसड़ निवासी 22 वर्षीय रामजी सोमवार की रात करीब साढ़े नौ बजे अपनी शादी के निमंत्रण कार्ड बांटकर बाइक से घर लौट रहा था। वहीं चौसड़ निवासी 38 वर्षीय राजू अपने ननिहाल आए ग्राम पारा-बिहारी निवासी 16 वर्षीय राहुल के साथ बाइक से किराने की दुकान जा रहा था। तभी चौसड़-ओरन मार्ग में दौली-बारा गांव के पास दोनों बाइकों की आमने-सामने टक्कर हो गई। हादसे में तीनों गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंचे स्वजन घायलों को अस्पताल ले गए, जहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उनकी हालत नाजुक देखते हुए रानी दुर्गावती मेडिकल कालेज अस्पताल रेफर कर दिया। मेडिकल कालेज में चिकित्सकों ने तीनों को मृत घोषित कर दिया। राहुल अपने मामा सुनील की 24 जून को होने वाली शादी में शामिल होने करीब 15 दिन पहले घर से आया था। वहीं रामजी की शादी आगामी एक जुलाई को बबेरू क्षेत्र के टोला-सिमौनी में होनी थी। वह शादी के कार्ड वितरित कर घर लौट रहा था। बताया गया कि हादसे के समय दोनों बाइक चालक हेलमेट नहीं पहने थे।

लखनऊ के अलीगंज स्थित कोचिंग सेंटर में अग्निकांड की घटना अत्यंत दुःखद- पवन कुमार सिंह एडवोकेट

सोनभद्र/उत्तर प्रदेश– डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन सोनभद्र के पूर्व उपाध्यक्ष एवं वरिष्ठ अधिवक्ता पवन कुमार सिंह एडवोकेट ने लखनऊ के अलीगंज स्थित कोचिंग सेंटर में सोमवार को हुई भीषण अग्निकांड की घटना पर गहरा दुःख व्यक्त किया है। जारी बयान में उन्होंने कहा कि शैक्षणिक संस्थानों में अध्ययनरत विद्यार्थियों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। कोचिंग सेंटर में लगी।

आग की घटना अत्यंत चिंताजनक है, जिसने एक बार फिर सुरक्षा मानकों की अनदेखी की ओर ध्यान आकर्षित किया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के सभी शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थानों में अग्निशमन उपकरणों, आपातकालीन निकास मार्गों तथा सुरक्षा मानकों की नियमित जांच सुनिश्चित की जानी चाहिए।

पवन कुमार सिंह एडवोकेट ने प्रदेश सरकार एवं प्रशासन से घटना की उच्चस्तरीय जांच कराने तथा दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई किए जाने की मांग की। उन्होंने कहा कि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए प्रभावी एवं ठोस कदम उठाना आवश्यक है। उन्होंने दुर्घटना से प्रभावित विद्यार्थियों एवं उनके परिजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए ईश्वर से सभी के सुरक्षित एवं स्वस्थ रहने की कामना की।

तेज आंधी और बारिश से बस्ती में मचा हड़कंप, कई जगह गिरे पेड़ और यूनीपोल, सीआरओ ने संभाली राहत कार्यों की कमान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। बस्ती जिलेमेंसोमवार को बस्ती शहर में आई तेज आंधी और बारिश ने जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित कर दिया। अचानक मौसम के बदले मिजाज के बीच शहर के विभिन्न इलाकों में पेड़ और बिजली के पोल गिरने की घटनाएं सामने आई। कई स्थानों पर सड़कें अवरुद्ध हो गई, जबकि महिला पीजी कॉलेज के पास एक विशालकाय पेड़ गिरने से कई वाहन क्षतिग्रस्त हो गए। हादसे में एक युवक घायल हो गया, जिसे तत्काल उपचार के लिए जिला अस्पताल पहुंचाया गया।

घटना की सूचना मिलते ही मुख्य राजस्व अधिकारी (सीआरओ) कीर्ति प्रकाश भारती मौके पर पहुंच गए और स्वयं राहत एवं बचाव कार्यों की कमान संभाल ली। उनके साथ संबंधित उपजिलाधिकारी, एडीएम, नगर पालिका प्रशासन तथा बिजली विभाग की टीमें भी मौके पर पहुंचीं। अधिकारियों ने प्रभावित क्षेत्रों का निरीक्षण कर तत्काल राहत कार्य शुरू कराया।

महिला पीजी कॉलेज के निकट पेड़ गिरने से एक युवक घायल हो गया। मानवता का परिचय देते हुए सीआरओ कीर्ति प्रकाश भारती ने घायल युवक को अपनी सरकारी गाड़ी से जिला अस्पताल पहुंचाया। समय पर अस्पताल पहुंचने के कारण घायल का तत्काल उपचार शुरू हो सका। चिकित्सकों की निगरानी में उसका इलाज जारी है।तेज हवा और बारिश का असर शहर के प्रतिष्ठित कंपनी बाग क्षेत्र में भी देखने को मिला, जहां लोक निर्माण विभाग द्वारा स्थापित एक बड़ा यूनीपोल धराशायी हो गया। यूनीपोल गिरने की घटना के बाद इसकी गुणवत्ता और निर्माण मानकों को लेकर सवाल उठने लगे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि यूनीपोल मजबूत और मानकों के अनुरूप स्थापित किया गया होता तो सामान्य बारिश और हवा में इसके गिरने की नौबत नहीं आती।

शहर के कई अन्य क्षेत्रों में भी पेड़ बिजली के पोल और तारों के साथ सड़क पर गिर गए, जिससे विद्युत आपूर्ति और आवागमन बाधित हो गया। किसी बड़े हादसे से बचने के लिए सीआरओ ने सुरक्षा की दृष्टि से प्रभावित क्षेत्रों की बिजली आपूर्ति तत्काल बंद कराने के निर्देश दिए। इसके बाद बिजली विभाग और नगर पालिका की टीमों ने संयुक्त रूप से पेड़ों को हटाने तथा विद्युत व्यवस्था को सुरक्षित करने का कार्य शुरू किया।

राहत एवं बचाव अभियान के दौरान सीआरओ कीर्ति प्रकाश भारती लगातार मौके पर मौजूद रहे और संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते रहे। उन्होंने कहा कि प्रशासन की प्राथमिकता लोगों की सुरक्षा और सामान्य जनजीवन को जल्द से जल्द बहाल करना है। अधिकारियों की निगरानी में सड़कों से गिरे पेड़ों को हटाकर आवागमन बहाल कराने का कार्य तेजी से कराया गया। तेज बारिश और आंधी के बीच प्रशासन की त्वरित सक्रियता से संभावित बड़े हादसों को टालने में सफलता मिली। हालांकि मौसम के इस अचानक बदले रुख ने एक बार फिर शहरी क्षेत्रों में आपदा प्रबंधन की तैयारियों और सार्वजनिक ढांचों की गुणवत्ता को लेकर कई सवाल खड़े कर दिए हैं।

दिनांकः 22 जून 2026 जिले के कलवारी क्षेत्र से भी तेज हवा के साथ बारिश और ओले गिरने की सूचना प्राप्त हुई है 7समाजसेवी डॉक्टर प्रेम प्रकाश त्रिपाठी ने बताया कि सोमवार दोपहर कलवारी क्षेत्र में अचानक तेज हवा के साथ जमकर बारिश हुई और ओले भी गिरे।

वन विभाग द्वारा राजकीय पक्षी सारस की दो दिवसीय गणना सम्पन्न

● सारस पक्षी के संरक्षण और संवर्धन के लिए विभाग ने उठाए कदम

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

रतनपुर/महराजगंज। पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग द्वारा हर साल की तरह इस साल भी राजकीय पक्षी सारस के संरक्षण एवं संवर्धन हेतु दो दिवसीय गणना अभियान चलाया गया। इसके तहत उत्तरी चौक रेंज के घोडहिया बीट अंतर्गत आने वाले क्षेत्रों में 22 जून से 23 जून तक स्थानीय वन कर्मियों द्वारा विशेष निगरानी की गई। इस पूरे अभियान का नेतृत्व फोरेस्टर जितेन्द्र गौड़ ने किया, जिन्होंने अपनी टीम के साथ मिलकर बीट के विभिन्न जलाशयों और प्राकृतिक आवासों में सारस पक्षियों की मौजूदगी दर्ज की।

इस गणना का मुख्य उद्देश्य क्षेत्र में सारस की वर्तमान आबादी का सटीक आंकड़ा जुटाना और उनके पर्यावास को सुरक्षित कर उनके संवर्धन के लिए आगामी कार्ययोजना तैयार करना है।

फोरेस्टर जितेन्द्र गौड़ ने बताया कि सारस उत्तर प्रदेश का राजकीय पक्षी है और इसका संरक्षण पर्यावरण के संतुलन के लिए बेहद जरूरी है। विभाग द्वारा हर साल इस तरह के विशेष अभियान चलाकर न सिर्फ इनकी संख्या पर नजर रखी जाती है, बल्कि उनके संवर्धन के लिए दीर्घकालिक योजनाएं भी तैयार की जाती हैं। दो दिनों तक चले इस गहन अभियान की रिपोर्ट अब उच्चाधिकारियों को सौंपी जाएगी, जिसके आधार पर आगे की संरक्षण नीतियां तय होंगी।

मेडिकल स्टोर जा रहे युवक से मारपीट, बचाने आए भाई को भी पीटा

जुगपुरा में दो नामजद व अन्य साथियों पर मुकदमा दर्ज, जान से मारने की धमकी देने का आरोप

ललितपुर। शहर कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला जुगपुरा में एक युवक के साथ मारपीट तथा बीच-बचाव करने आए उसके भाई को घायल करने का मामला सामने आया है। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने दो नामजद आरोपियों एवं उनके अन्य साथियों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मोहल्ला जुगपुरा निवासी सत्येंद्र यादव पुत्र बलवीर यादव ने पुलिस को दी गई तहरीर में बताया कि 22 जून 2026 की दोपहर करीब 12 बजे वह मेडिकल स्टोर जाने के लिए अपने घर के बाहर खड़ा था। इसी दौरान ककरूआ निवासी अखिलेश अहिरवार तथा खिरिया मिश्र थाना जाखलौन निवासी विक्रम यादव अपने कुछ साथियों के साथ मोटरसाइकिलों से वहां पहुंचे। आरोप है कि आते ही आरोपियों ने उसके साथ गाली-गलौज शुरू कर दी। विरोध करने पर उन्होंने मारपीट कर दी, जिससे उसे चोटें आईं। शोर सुनकर उसका भाई वीरेंद्र सिंह मौके पर पहुंचा और बीच-बचाव का प्रयास किया, लेकिन आरोपियों ने उसके साथ भी मारपीट कर दी।

मड़ावरा प्लेसमेंट कैम्प में 4 युवाओं का चयन

सुरक्षा सैनिक भर्ती अभियान के तहत विभिन्न विकासखंडों में आयोजित होंगे रोजगार शिविर

ललितपुर। बेरोजगार युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से एसआईएस प्राइवेट लिमिटेड आरटीए, नीमच (मध्य प्रदेश) द्वारा आयोजित सुरक्षा सैनिक भर्ती अभियान के तहत मंगलवार को विकास खंड मड़ावरा में प्लेसमेंट कैंप का आयोजन किया गया। कैंप में प्रतिभाग करने वाले अभ्यर्थियों में से 4 युवाओं का चयन सुरक्षा सैनिक पद के लिए किया गया। आयोजकों ने बताया कि ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों के शिक्षित बेरोजगार युवाओं को रोजगार के अवसर प्रदान करने के लिए विकासखंड स्तर पर भर्ती एवं प्लेसमेंट कैंप आयोजित किए जा रहे हैं। यह कैंप संबंधित विकासखंडों के सभाकक्षों में प्रातः 10:30 बजे से अपराह्न 3 बजे तक संचालित किए जा रहे हैं। भर्ती अभियान के तहत 24 जून को महरौनी, 25 जून को बार, 27 जून को जखोरा, 29 जून को तालबेहट, 30 जून को विरधा तथा 1 जुलाई को जिला रोजगार कार्यालय ललितपुर में प्लेसमेंट कैंप आयोजित किए जाएंगे। कंपनी के अनुसार सुरक्षा सैनिक पद के लिए आवेदन करने वाले अभ्यर्थी का 10वीं उत्तीर्ण, आयु 19 से 40 वर्ष तथा न्यूनतम ऊंचाई 168 सेंटीमीटर होना अनिवार्य है।

जमीनी विवाद ने ली एक और जान, मेहनौना गांव खून से हुआ लाल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। बस्ती जिले के लालगंज थाना क्षेत्र के मेहनौना गांव में जमीनी विवाद ने एक बार फिर खूनी रूप ले लिया। गांव निवासी 50 वर्षीय लक्ष्मण निषाद की कथित तौर पर पीट-पीटकर हत्या कर दी गई, जिससे पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। घटना के बाद ग्रामीणों में भारी आक्रोश है और गांव में तनावपूर्ण माहौल बना हुआ है।बताया जा रहा है कि लक्ष्मण निषाद का कुछ लोगों से जमीन को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा था। आरोप है कि विवाद के दौरान उन पर जानलेवा हमला किया गया, जिसमें उनकी मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर जुट गए और आरोपित पक्ष के घर पर तोड़फोड़ की घटना भी सामने आई।

स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस और प्रशासन को अतिरिक्त बल बुलाना पड़ा। गांव में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए पीएसी तैनात कर दी गई है और पूरे क्षेत्र को पुलिस छावनी में तब्दील कर दिया गया है। हर गतिविधि पर पुलिस की नजर बनी हुई है। परिजनों और ग्रामीणों का आरोप है कि जमीन विवाद की शिकायत कई बार पुलिस से की गई थी, लेकिन समय रहते प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई। उनका कहना है कि यदि शिकायतों को गंभीरता से लिया गया होता तो आज एक व्यक्ति की जान नहीं जाती।

घटना के बाद लालगंज पुलिस की कार्यशैली को लेकर भी सवाल उठने लगे हैं। क्षेत्र में लोगों के बीच पुलिस की भूमिका को लेकर चर्चा और नाराजगी देखने को मिल रही है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है और आरोपितों की तलाश की जा रही है। गांव में तनाव को देखते हुए सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है।अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या समय रहते कार्रवाई होती तो लक्ष्मण निषाद की जान बच सकती।

उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री ने हिण्डालको के कर्मचारी रवि सिंह को किया सम्मानित

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ/ रेणुकूट (सोनभद्र)– उत्तर प्रदेश सोनभद्र जिले के लिए गौरव का क्षण है। हिण्डालको इंडस्ट्रीज लिमिटेड, रेणुकूट के बॉयलर को-जनरेशन विभाग में कार्यरत अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी रवि सिंह को उनकी शानदार उपलब्धि के लिए उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एवं समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने लखनऊ में सम्मानित किया।इस अवसर पर आदरणीय डॉ. रवि गोंड बड़कू (प्रदेश अध्यक्ष, अनुसूचित जनजाति प्रकोष्ठ, समाजवादी पार्टी एवं पूर्व विधानसभा प्रत्याशी, ओबरा-402, सोनभद्र) भी उपस्थित रहे और उन्होंने रवि सिंह की इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

रवि सिंह ने यूरोप के देश रोमानिया की राजधानी बुखारेस्ट में आयोजित 8वीं वर्ल्ड क्वान की डो चैंपियनशिप 2026 में रजत पदक जीतकर पूरे भारत, उत्तर प्रदेश और सोनभद्र जिले का नाम रोशन किया है। इस विश्व स्तरीय प्रतियोगिता में 37 देशों के खिलाड़ियों ने प्रतिभाग किया था। रवि सिंह उत्तर प्रदेश के पहले क्वान की डो खिलाड़ी बने हैं, जिन्होंने वर्ल्ड चैंपियनशिप में भारत का प्रतिनिधित्व कर यह गौरवपूर्ण उपलब्धि हासिल की है।

रवि सिंह ने इससे पूर्व में भी ताइक्वांडो में थाईलैंड देश में ब्रांच मेडल जीता था और नेपाल देश में गोल्ड मेडल जीतकर देश का नाम रोशन लगातार कर चुके हैं उनकी इस सफलता पर पूरे क्षेत्र में खुशी और गर्व का माहौल है। सम्मान समारोह के दौरान उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एवं समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने रवि सिंह को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि वह इसी तरह मेहनत, लगन और समर्पण के साथ आगे बढ़ते रहें तथा भविष्य में भी देश और प्रदेश का नाम अंतरराष्ट्रीय मंच पर रोशन करते रहें। रवि सिंह ने जीतने का श्रेय अपने माता-पिता और हिण्डाल्को के मुखिया समीर नायक, क्लस्टर एच आर हेड जसबीर सिंह, एचआर हेड अजय सिन्हा को दिया रवि सिंह की यह उपलब्धि युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत है और सोनभद्र जिले के खेल जगत के लिए एक बड़ी उपलब्धि मानी जा रही है।

बिना लाइसेंस कीटनाशकों के विक्रय पर होगी सख्त कार्रवाई जिलाधिकारी

● ऑनलाइन एवं ऑफलाइन कीटनाशक व्यापार के लिए वैध लाइसेंस अनिवार्य

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सोनभद्र/उत्तर प्रदेश – जिलाधिकारी चर्चित गौड़ ने जनपद के समस्त कीटनाशक विक्रेताओं, थोक एवं फुटकर व्यापारियों, ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म संचालकों तथा कृषक बंधुओं को निर्देशित करते हुए कहा है कि कीटनाशी अधिनियम, 1968 एवं कीटनाशी नियमावली, 1971 के प्रावधानों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि बिना वैध लाइसेंस के किसी भी व्यक्ति अथवा संस्था द्वारा कीटनाशकों का भंडारण, विक्रय, वितरण अथवा ऑनलाइन व्यापार पूर्णतः प्रतिबंधित है।

जिलाधिकारी ने कहा कि कीटनाशकों के विक्रय एवं भंडारण हेतु सक्षम प्राधिकारी द्वारा निर्गत लाइसेंस प्राप्त करना अनिवार्य है। सभी लाइसेंसधारी विक्रेता केवल अनुमोदित एवं पंजीकृत कीटनाशकों का ही विक्रय करें तथा प्रत्येक बिक्री पर बिल अथवा कैश मेमो जारी करते हुए अभिलेखों एवं स्टॉक रजिस्टर का अद्यतन संधारण सुनिश्चित करें। उन्होंने बताया कि ऑनलाइन माध्यमों एवं ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म के जरिए कीटनाशकों के विक्रय से पूर्व संबंधित विक्रेता के वैध लाइसेंस का सत्यापन आवश्यक है।

जनपद में समय-समय पर विशेष निरीक्षण अभियान संचालित किए जाएंगे। निरीक्षण के दौरान बिना लाइसेंस कीटनाशकों का भंडारण, विक्रय अथवा ऑनलाइन व्यापार पाए जाने पर संबंधित के विरुद्ध कीटनाशी अधिनियम, 1968 के अंतर्गत कठोर विधिक कार्रवाई की जाएगी। जिलाधिकारी ने कृषक बंधुओं से अपील की है कि वे केवल अधिकृत एवं लाइसेंसधारी विक्रेताओं से ही कीटनाशक क्रय करें तथा खरीद के समय बिल अवश्य प्राप्त करें।

जनसुनवाई में पुलिस अधीक्षक सोनभद्र ने सुनी आमजन की समस्याएं, दिये त्वरित, निष्पक्ष एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सोनभद्र/उत्तर प्रदेश– मंगलवार दिनांक 23.06.2026 को पुलिस अधीक्षक सोनभद्र अभिषेक वर्मा द्वारा पुलिस कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई/जनता दर्शन कार्यक्रम में जनपद के विभिन्न थाना क्षेत्रों से आए फरियादियों एवं नागरिकों की शिकायतों को गंभीरता, संवेदनशीलता एवं पूर्ण तत्परता के साथ सुना गया। जनसुनवाई के दौरान भूमि विवाद, पारिवारिक विवाद, मारपीट, साइबर अपराध, गुमशुदगी, राजस्व संबंधी प्रकरणों सहित विभिन्न पुलिस संबंधी शिकायतें प्राप्त हुई। पुलिस अधीक्षक सोनभद्र द्वारा प्रत्येक प्रकरण का स्वयं संज्ञान लेते हुए संबंधित क्षेत्राधिकारीगण एवं थाना प्रभारियों को शिकायतों का निष्पक्ष, पारदर्शी, गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।उन्होंने निर्देशित किया कि प्रत्येक शिकायत की तथ्यपरक जांच करते हुए पीड़ितों को त्वरित न्याय दिलाना प्राथमिकता रहे। साथ ही शिकायतकर्ताओं को की गई कार्यवाही से समय-समय पर अवगत कराने तथा जनसमस्याओं के समाधान में संवेदनशील एवं जिम्मेदार व्यवहार अपनाने के निर्देश भी दिए गए। पुलिस अधीक्षक सोनभद्र ने स्पष्ट कहा कि शिकायतों के निस्तारण में किसी भी प्रकार की लापरवाही, अनावश्यक विलंब अथवा उत्पीड़न पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों/कर्मचारियों के विरुद्ध कठोर कार्यवाही की जाएगी। जिन प्रकरणों में तत्काल हस्तक्षेप आवश्यक है, उनमें प्राथमिकता के आधार पर वैधानिक कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

एसडीएम के आदेश से गाड़े गए हदबंदी के पत्थर उखाड़े, सात पर मुकदमा

चकमार्ग बंद कर भूमि पर कब्जे के प्रयास का आरोप, विरोध करने पर किसान को दी जान से मारने की धमकी

ललितपुर। थाना बार क्षेत्र के ग्राम सेमरा बुजुर्ग में खेत की हदबंदी के लिए लगाए गए सरकारी पत्थरों को उखाड़ने तथा चकमार्ग अवरुद्ध करने का मामला सामने आया है। पीड़ित किसान की शिकायत पर पुलिस ने सात नामजद आरोपियों के विरुद्ध विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। ग्राम सेमरा बुजुर्ग निवासी सूरज सिंह पुत्र निर्भय सिंह ने पुलिस को दी गई तहरीर में बताया कि उनकी कृषि भूमि की सीमांकन संबंधी प्रक्रिया एसडीएम के आदेश पर राजस्व विभाग द्वारा कराई गई थी। 27 मई 2026 को राजस्व टीम ने मौके पर पहुंचकर भूमि की पैमाइश कर हदबंदी एवं चकमार्ग के चिन्ह स्वरूप सरकारी पत्थर स्थापित किए थे। आरोप है कि इसके बाद गांव के कुछ लोगों ने एकजुट होकर खेत की सीमा पर लगाए गए सरकारी पत्थरों को उखाड़ दिया और खेत तक पहुंचने वाले चकमार्ग को बंद कर दिया।

समर इंटर्नशिप में विधि छात्रों को साइबर अपराध एवं कानून का दिया गया प्रशिक्षण

● डीएलएसए कार्यक्रम में साइबर सुरक्षा, ऑनलाइन धोखाधड़ी और कानूनी प्रावधानों की दी जानकारी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

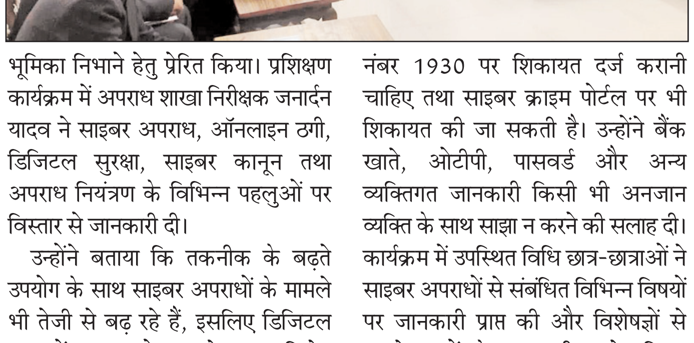

ललितपुर। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा संचालित समर इंटर्नशिप कार्यक्रम-2026 के अंतर्गत मंगलवार को जनपद न्यायालय स्थित सभागार कक्ष में विधि छात्र-छात्राओं के लिए विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया, जिसका उद्देश्य विद्यार्थियों को साइबर अपराधों की बढ़ती चुनौतियों, उनसे बचाव के उपायों तथा संबंधित कानूनी प्रावधानों की व्यावहारिक जानकारी प्रदान करना था। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव देवप्रिय सारस्वत ने अपराधों की बढ़ती प्रवृत्तियों, उनके सामाजिक प्रभाव, रोकथाम के उपायों तथा विभिन्न विधिक प्रावधानों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि कानून की जानकारी समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना और विधिक जागरूकता का प्रसार करना प्रत्येक विधि छात्र की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। उन्होंने विद्यार्थियों को समाज में कानूनी जागरूकता बढ़ाने के लिए सक्रिय भूमिका निभाने हेतु प्रेरित किया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में अपराध शाखा निरीक्षक जनार्दन यादव ने साइबर अपराध, ऑनलाइन ठगी, डिजिटल सुरक्षा, साइबर कानून तथा अपराध नियंत्रण के विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि तकनीक के बढ़ते उपयोग के साथ साइबर अपराधों के मामले भी तेजी से बढ़ रहे हैं, इसलिए डिजिटल माध्यमों का उपयोग करते समय विशेष सतर्कता बरतना आवश्यक है। वहीं चीफ एलएडीसी वैभव कुमार ने विद्यार्थियों को साइबर अपराध की स्थिति में त्वरित कार्रवाई के बारे में जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि किसी भी प्रकार की ऑनलाइन धोखाधड़ी या साइबर अपराध होने पर तत्काल राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर शिकायत दर्ज करानी चाहिए तथा साइबर क्राइम पोर्टल पर भी शिकायत की जा सकती है। उन्होंने बैंक खाते, ओटीपी, पासवर्ड और अन्य व्यक्तिगत जानकारी किसी भी अनजान व्यक्ति के साथ साझा न करने की सलाह दी। कार्यक्रम में उपस्थित विधि छात्र-छात्राओं ने साइबर अपराधों से संबंधित विभिन्न विषयों पर जानकारी प्राप्त की और विशेषज्ञों से अपने प्रश्नों के उत्तर भी जाने। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा आयोजित इस प्रशिक्षण कार्यक्रम को विद्यार्थियों के लिए अत्यंत उपयोगी बताया गया। अधिकारियों ने विश्वास जताया कि इससे विद्यार्थियों को कानून के व्यावहारिक पक्षों को समझने और समाज में विधिक जागरूकता बढ़ाने में महत्वपूर्ण सहायता मिलेगी।

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना में 60 जोड़े परिणय सूत्र में बंधे

● सामूहिक विवाह समारोह में गूंजे मंगलगीत, नवदंपत्तियों को मिला जनप्रतिनिधियों का आशीर्वाद

58 हिंदू एवं 2 मुस्लिम जोड़ों का रीति-रिवाजों के अनुसार संपन्न हुआ विवाह

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

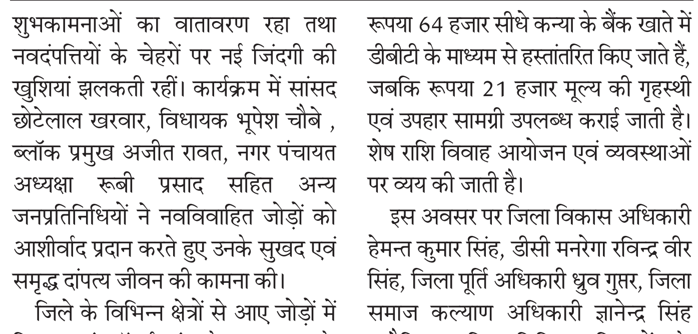

सोनभद्र / उत्तर प्रदेश –मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के अंतर्गत मंगलवार को विकास बैकेट, मुसही (चुर्क रोड), रॉबर्ट्सगंज में भव्य सामूहिक विवाह समारोह का आयोजन किया गया। सामाजिक समरसता, महिला सशक्तिकरण एवं आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को सम्मानजनक वैवाहिक सहायता प्रदान करने के उद्देश्य से आयोजित इस कार्यक्रम में कुल 60 जोड़े वैवाहिक बंधन में बंधे। समारोह में 58 हिंदू एवं 2 मुस्लिम जोड़ों का विवाह उनके धार्मिक रीति-रिवाजों और परंपराओं के अनुसार संपन्न कराया गया। पूरे आयोजन स्थल पर मंगलगीतों और शुभकामनाओं का वातावरण रहा तथा नवदंपत्तियों के चेहरों पर नई जिंदगी की खुशियां झलकती रहीं। कार्यक्रम में सांसद छोटेलाल खरवार, विधायक भूपेश चौबे , ब्लॉक प्रमुख अजीत रावत, नगर पंचायत अध्यक्षा रूबी प्रसाद सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद प्रदान करते हुए उनके सुखद एवं समृद्ध दांपत्य जीवन की कामना की।

जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए जोड़ों में विकास खंड रॉबर्ट्सगंज के 32, चतरा के 13, नगवां के 5, नगर पालिका परिषद रॉबर्ट्सगंज के 8 तथा नगर पंचायत चुर्क के 2 जोड़े शामिल रहे। कार्यक्रम के सफल संचालन में समाज कल्याण विभाग, विकास विभाग एवं पुलिस प्रशासन की महत्वपूर्ण भूमिका रही। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत प्रत्येक जोड़े को रूपया 01 लाख की सहायता प्रदान की जाती है। इसमें रूपया 64 हजार सीधे कन्या के बैंक खाते में डीबीटी के माध्यम से हस्तांतरित किए जाते हैं, जबकि रूपया 21 हजार मूल्य की गृहस्थी एवं उपहार सामग्री उपलब्ध कराई जाती है। शेष राशि विवाह आयोजन एवं व्यवस्थाओं पर व्यय की जाती है।

इस अवसर पर जिला विकास अधिकारी हेमन्त कुमार सिंह, डीसी मनरेगा रविन्द्र वीर सिंह, जिला पूर्ति अधिकारी ध्रुव गुप्तर, जिला समाज कल्याण अधिकारी ज्ञानेन्द्र सिंह भदौरिया सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। जिला समाज कल्याण अधिकारी ने बताया कि मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के अंतर्गत 24 जून को दुद्धी तथा 29 जून को शाहगंज में भी सामूहिक विवाह कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जिससे अधिकाधिक पात्र परिवारों को योजना का लाभ मिल सके।

संक्षिप्त खबरें

प्रेमिका से मिलने पहुंचे शादीशुदा युवक को पत्नी ने रंगे हाथ पकड़ा, गांव में मचा हंगामा

लालगंज (रायबरेली)। कोतवाली क्षेत्र के एक गांव में सोमवार देर रात उस समय हंगामा खड़ा हो गया, जब प्रेमिका से मिलने पहुंचे एक शादीशुदा युवक को उसकी पत्नी ने रंगे हाथ पकड़ लिया। सूचना पर पहुंची पुलिस युवक को हिरासत में लेकर थाने ले गई, जहां बाद में उसका चालान कर दिया गया। पुलिस के अनुसार, लखनऊ जनपद निवासी शुभम वर्मा की शादी करीब नौ वर्ष पहले हुई थी। उसके दो बच्चे भी हैं। बताया जा रहा है कि इसके बावजूद उसका निगोहा क्षेत्र की एक युवती से प्रेम संबंध चल रहा था। युवती इन दिनों कोतवाली क्षेत्र के बरी गांव स्थित अपनी बुआ के घर आई हुई थी। सोमवार रात शुभम उससे मिलने बरी गांव पहुंच गया। इसी दौरान किसी माध्यम से इसकी जानकारी उसकी पत्नी को हो गई। पत्नी अपने भाई और अन्य परिजनों के साथ मौके पर पहुंच गई। घर के अंदर युवक और युवती को साथ देखकर विवाद शुरू हो गया। देखते ही देखते कहासुनी मारपीट में बदल गई। युवक और उसके साले के बीच हाथापाई भी हुई। घटना की जानकारी मिलते ही गांव में लोगों की भीड़ जुट गई और देर रात तक अफरा-तफरी का माहौल बना रहा। युवक की पत्नी ने डायल 112 पर सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने स्थिति को संभाला और युवक को हिरासत में ले लिया। प्रभारी निरीक्षक प्रमोद कुमार सिंह ने बताया कि युवक को हिरासत में लेकर आवश्यक कार्रवाई करते हुए चालान किया गया है। घटना पूरे क्षेत्र में चर्चा का विषय बनी रही।

लखनऊ के इरम कॉलेज कार्यालय में लगी भीषण आग, फर्नीचर और दस्तावेज खाक

लखनऊ। कैंपवेल रोड पर इरम कालेज में मंगलवार दोपहर आग लग गई। कुछ ही देर में काले धुएं के साथ लपटें उठने लगी। आसपास के लोगों ने सूचना दमकल को दी और आग बुझाने के प्रयास शुरू किए। मौके पर चौक फायर स्टेशन से पहुंची दमकल की दो गाड़ियों ने आग पर काबू पा लिया। जांच में पता चला कि आग कालेज के कार्यालय में लगी थी। चपेट में आने से अंदर रखा फर्नीचर और अन्य दस्तावेज जल गए। गनीमत रही की घटना में कोई हताहत नहीं हुआ है। चौक फायर स्टेशन अफसर (एफएसओ) पुष्पेंद्र कुमार यादव ने बताया कि दोपहर 3:50 बजे कंट्रोल रूम पर आग लगने की सूचना मिली। दो दमकल गाड़ियों को टीम के साथ मौके पर भेजा गया। टीम पहुंची तो पता चला कि आग इरम कालेज के आफिस के अंदर लगी है। चपेट में आने से फर्नीचर और अन्य सामान जल रहा था। हौज पाइप की मदद से टीम ने आग बुझानी शुरू की। एक टीम स्कूल के अंदर दाखिल हुई और हौज पाइप की मदद से पानी का छिड़काव कर आग बुझाई। एफएसओ ने बताया कि आग शार्ट सर्किट से लगी थी। हालांकि, समय रहते काबू पा लिया गया। दमकल टीम ने स्कूल प्रबंधन को अग्नि सुरक्षा और उपकरणों के रखरखाव को लेकर विस्तृत जानकारी दी।कालेज से धुआं उठता देख आसपास के लोग मौके पर एकत्रित हो गए। उन्होंने खुद से पानी डालकर आग बुझाने के प्रयास शुरू किए। इस बीच सड़क पर यातायात बाधित हो गया। पुलिस ने यातायात सुचारू कराया। स्थानीय लोगों की वजह से आग अन्य कमरों तक नहीं पहुंच सकी।

वाहन चोर गिरोह का भंडाफोड़, चार शातिर गिरफ्तार

भदोही। जनपद में बढ़ रही वाहन चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत चौरी थाना पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने चार सदस्यीय वाहन चोर गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए चार शातिर चोरों को गिरफ्तार किया है। उनके कब्जे एवं निशानदेही पर चोरी की चार मोटरसाइकिलें बरामद की गई हैं। इस उत्कृष्ट कार्रवाई पर पुलिस अधीक्षक अभिनव त्यागी ने पुलिस टीम को 10 हजार रुपये के नकद पुरस्कार से सम्मानित करने की घोषणा की है। पुलिस के अनुसार मंगलवार को चौरी थाना पुलिस क्षेत्र में संदिग्ध व्यक्तियों एवं वाहनों की सघन चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि कुछ वाहन चोर चोरी की मोटरसाइकिलों के साथ क्षेत्र से गुजरने वाले हैं। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने ग्राम कंधिया मेन रोड पर कपसेठी-चौरी बॉर्डर पुलिया के पास घेराबंदी कर चार युवकों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपितों में नितेश पटेल उर्फ नन्हकू पटेल (20 वर्ष) पुत्र छोटेलाल पटेल निवासी अमवा कला (भवानीपुर), राज पटेल उर्फ छोटू पटेल (19 वर्ष) पुत्र राजेश पटेल निवासी अमवा कला (भवानीपुर), आर्यन गुप्ता उर्फ विशेष गुप्ता (19 वर्ष) पुत्र सच्चेलाल गुप्ता निवासी बरदहा तथा प्रियांसु सिंह उर्फ मोनू (30 वर्ष) पुत्र शैलेश सिंह निवासी बरदहा थाना चौरी शामिल हैं। पुलिस पूछताछ में आरोपितों ने बताया कि वे सुनसान स्थानों, बाजारों और समारोह स्थलों पर खड़ी मोटरसाइकिलों को मास्टर चाबी की मदद से चोरी करते थे।

प्रशासनिक उदासीनता का फायदा उठा रहे रेत-मिट्टी के तस्कर, रातों-रात खोखली की जा रही जमीन

● अधिकारियों की अनदेखी से फल-फूल रहा अवैध उत्खनन का धंधा, सरकारी खजाने को भारी चपत, बेधड़क चल रहा काला कारोबार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

तंबौर (सीतापुर)- क्षेत्र में इन दिनों जमीनों का अवैध सीना चीरने वाले गिरोहों के हौसले बुलंद हैं। कानून व्यवस्था का डर पूरी तरह समाप्त हो जाने के कारण इलाके में गैरकानूनी रूप से मिट्टी और बालू निकालने का काम बिना किसी रोक-टोक के चल रहा है। सरकारी राजस्व को भारी नुकसान पहुँचाकर ये तस्कर मोटी रकम कमा रहे हैं, जबकि संबंधित विभाग इस पूरे खेल से आँखें मूँदे बैठा है।स्थानीय प्रशासन के ठीक सामने हर रात दर्जनों वाहनों के माध्यम से मिट्टी की अवैध खुदाई की जा रही है। इस चोरी की मिट्टी को शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में ऊंचे दामों पर बेचकर अवैध मुनाफा कमाया जा रहा है। कल रात भी ऐसा ही एक वाकया कस्बे के डेवढेडीह रोड पर सामने आया, जहाँ तस्कर कई ट्रैक्टर-ट्रॉलियों के साथ एक खेत को खोदने में व्यस्त थे। जब एक जागरूक किसान की जानकारी पर कुछ पत्रकार वहाँ कवरेज के लिए पहुँचे, तो तस्करों में खलबली मच गई। पकड़े जाने के डर से वे शिकायत करने वाले से उलझ गए और आनन-फानन में अपनी गाड़ियां लेकर वहाँ से नौ दो ग्यारह हो गए। इस पूरे घटनाक्रम में सबसे बड़ा यक्ष प्रश्न यह है कि इतने बड़े स्तर पर, दर्जनों गाड़ियों के साथ चल रहे इस अवैध काम की जानकारी प्रशासनिक अमले को क्यों नहीं है? क्या जिम्मेदार अधिकारी वाकई इस बात से अनजान हैं या फिर प्रभावशाली लोगों और रात के सन्नाटे में गूंजती ट्रैक्टरों की आवाजें आखिरकार जिम्मेदार अफसरों को क्यों सुनाई नहीं देतीं, यह जांच का विषय है। अब देखना यह होगा कि इस खुलासे के बाद प्रशासनिक अमला कोई सख्त कदम उठाता है या फिर इन भू-माफियाओं को यूँ ही खुली छूट मिलती रहेगी।

जर्जर बिजली का तार टूट कर गिरा, बाल बाल बचा पशुपालक कूड़े में लगी आग

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लालगंज रायबरेली। क्षेत्र के कानपुर रोड पर पूरे जबर सिंह का पुरवा मजरे ऊगाभाद गांव में मंगलवार की शाम को जर्जर बिजली का तार टूट कर जमीन पर गिर गया। गनीमत रही कि इस दौरान गांव निवासी पशुपालक तार की चपेट में नहीं आया नहीं कोई बड़ा हादसा हो सकता था। स्पार्किंग के कारण कूड़े में आग लग गई। सूचना पर पहुंची फायर ब्रिगेड की टीम ने आग पर काबू पाया। ग्रामीणों ने बताया कि 2 दिन से बार बार एक ही जगह बिजली लाइन में फाल्ट आ रही थी। मंगलवार को भी सुबह लाइनमैन ने मरम्मत कर लाइन चालू कराई। शाम करीब 6 बजे तेज स्पार्किंग के साथ एलटी लाइन का तार टूट कर नीचे गिर गया। इस दौरान गांव निवासी सुंदर अपनी भैंस बांधने जा रहे थे गनीमत रही की तार उनके ऊपर नहीं गिरा नहीं तो चपेट में आकर नुकसान पहुंच सकता था। इस पार्किंग से निकली चिंगारी के कारण

नीचे कूड़े में आग लग गई इससे आसपास अपराध फिल्म मच गई ग्रामीणों ने घटना की सूचना बिजली विभाग और फायर ब्रिगेड को दी। मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड की टीम ने आग पर काबू पा लिया है। जानी मासी राधे श्याम अनिल शर्मा विवेक सुंदर राजकुमार यादव आदि ने कहा है कि बिजली के जर्जर दारू को बदलना चाहिए नहीं तो किसी दिन कोई बड़ा हादसा हो सकता है। अवर अभियंता बृजेश कुमार ने बताया कि बिजली की लाइन की मरम्मत का कार्य शुरू कर दिया गया है।

लखनऊ अग्निकांड से सरकार ने लिया सबक, पूरे यूपी में होगा कोचिंग सेंटरों का सर्वे

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के एक कोचिंग संस्थान में हुए भीषण अग्निकांड में 15 युवाओं की मौत के बाद प्रदेश सरकार ने कोचिंग संस्थानों की सुरक्षा और वैधता को लेकर सख्ती बढ़ा दी है। पूरे प्रदेश में विशेष अभियान चलाकर बिना पंजीकरण संचालित हो रहे कोचिंग संस्थानों की पहचान की जाएगी और उनके खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। साथ ही पंजीकृत कोचिंग सेंटरों की सुरक्षा व्यवस्था का भी गहन निरीक्षण कराया जाएगा। उच्च शिक्षा विभाग की विशेष सचिव निधि श्रीवास्तव ने सभी जिलाधिकारियों को अपने-अपने जिलों में कोचिंग संस्थानों का व्यापक सर्वे कराने के निर्देश दिए हैं। सर्वे में यह पता लगाया जाएगा कि कौन से संस्थान उत्तर प्रदेश कोचिंग विनियमन अधिनियम, 2002 के तहत पंजीकृत हैं और कौन बिना अनुमति के संचालित हो रहे हैं। अवैध पाए जाने वाले संस्थानों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी। विभाग ने स्पष्ट किया है कि केवल पंजीकरण होने भर से कोचिंग संस्थानों को राहत नहीं मिलेगी। पंजीकृत संस्थानों में भवन की मजबूती, अग्निशमन उपकरणों की उपलब्धता, विद्युत सुरक्षा, आपातकालीन निकास, वेंटिलेशन और साफ-सफाई जैसी जरूरी सुविधाओं की भी जांच होगी।

संदिग्ध परिस्थितियों में महिला का कुएं मे मिला शव

● ग्रामीण युवक ने जोखिम उठाकर कुएं में उतरकर महिला को निकाला बाहर

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लालगंज(रायबरेली)- सरेनी।थाना क्षेत्र के शिवपुरी गांव में मंगलवार को एक दर्दनाक घटना सामने आई,जहां संदिग्ध परिस्थितियों में एक महिला का कुएं से शव बरामद होने से सनसनी फैल गई।बताया जा रहा है कि महिला सुबह गंगा स्नान करने गई थी।घटना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीमों की तैयारियों पर भी सवाल खड़े हो गए।जानकारी के अनुसार शिवपुरी गांव निवासी रश्मि तिवारी (50 वर्ष) पत्नी विनय कुमार तिवारी ने संदिग्ध परिस्थितियों में गांव के एक कुएं में छलांग लगा दी।चर्चा है कि पारिवारिक कलह से परेशान होकर महिला ने कुएं में कूदकर आत्महत्या कर ली।हालांकि अभी तक इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची।ग्रामीणों के मुताबिक कुएं में जहरीली गैस होने की आशंका के चलते कोई भी पुलिसकर्मी या फायर कर्मी अंदर उतरने का साहस नहीं जुटा सका।प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार कई घंटों तक राहत एवं बचाव कार्य प्रभावित रहा।इसी दौरान पास के गांव के एक युवक ने अपनी जान जोखिम में डालते हुए रस्सी के सहारे कुएं में उतरकर महिला तक पहुंचने का प्रयास किया और उसे सहारा दिया।बाद में ग्रामीणों की मदद से महिला को बाहर निकाला गया,लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी।घटना के बाद ग्रामीणों में प्रशासन की आपदा प्रबंधन तैयारियों को लेकर नाराजगी देखने को मिली।लोगों का कहना था कि यदि बचाव कार्य के लिए पर्याप्त संसाधन और प्रशिक्षित

कर्मी मौजूद होते तो महिला की जान बचाई जा सकती थी।उधर,पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।फिलहाल पारिवारिक कलह के चलते आत्महत्या की बात सामने आ रही है।अब क्या सच क्या झूंठ यह पुलिस की जांच का विषय है।फिलहाल पुलिस मामले की सभी पहलुओं से जांच कर रही है।

खनन, स्टाम्प, राजस्व संग्रह, खाद्य सुरक्षा एवं गेहूँ खरीद की समीक्षा बैठक सम्पन्न

● नगरीय निकाय एवं डूडा योजनाओं की समीक्षा कर दिए गए निर्देश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

रायबरेली- जिलाधिकारी सरनीत कौर ब्रोका की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में खनन, स्टाम्प एवं पंजीयन, राजस्व संग्रह, खाद्य सुरक्षा, पूर्ति विभाग तथा गेहूँ खरीद से संबंधित महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विस्तृत समीक्षा बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में संबंधित विभागों के अधिकारियों द्वारा अपने-अपने विभाग की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की गई। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने खनन विभाग की समीक्षा करते हुए अवैध खनन एवं परिवहन पर प्रभावी अंकुश लगाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि टास्क फोर्स द्वारा औचक निरीक्षण कर अवैध खनन एवं ओवरलोडिंग के विरुद्ध प्रभावी प्रवर्तन की कार्यवाही की जाए। सभी तहसीलों में यह सुनिश्चित कराया जाए कि नदी के किनारे कही पर भी बालू का अवैध खनन न हो तथा प्रवर्तन की कार्यवाही को और अधिक सख्ती से लागू किया जाए। स्टाम्प एवं पंजीयन विभाग की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने राजस्व वसूली में तेजी लाने एवं निर्धारित लक्ष्यों को समय से पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि लंबित प्रकरणों का शीघ्र निस्तारण सुनिश्चित किया जाए तथा आय बढ़ाने के लिए प्रभावी रणनीति अपनाई जाए। राजस्व संग्रह की समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे बकाया वसूली में तेजी लाएं और लक्ष्य के सापेक्ष प्रगति सुनिश्चित करें। खाद्य सुरक्षा एवं पूर्ति विभाग की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) को पारदर्शी एवं सुचारु रूप से संचालित करने के निर्देश दिए। उन्होंने राशन वितरण में किसी भी प्रकार की अनियमितता पाए जाने पर सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए, इसके साथ ही रिक्त राशन की दुकानों का शीघ्र आवंटन कराया जाए। पेट्रोलियम पदार्थों (डीजल, पेट्रोल एवं घरेलू गैस) की समीक्षा करते हुवे निर्देश दिए कि खुदरा बिक्री केंद्र डीजल केवल वाहनों के टैंक अथवा क्क्षस्ह से अनुमोदित कंटेनर में ही बिक्री करेंगे और एक दिन में एक ग्राहक/वाहन को 200 ली0 से ज्यादा डीजल बिक्री नहीं करेंगे, यदि 200 ली0 से अधिक डीजल लेना है तो कारण/ किस प्रयोजन में प्रयुक्त किया जाना है का उल्लेख करते हुवे जिला पूर्ति अधिकारी के पास प्रत्यावेदन देना होगा। खाद्य सुरक्षा विभाग की समीक्षा में निर्देश दिए गए कि सावन माह के दृष्टिगत खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता सुनिश्चित कराने हेतु सड़क के किनारे की समस्त दुकानों की जांच करा ली जाए इसके साथ ही यह भी सुनिश्चित करा लिया जाए कि सभी दुकानों पर रेट लिस्ट डिस्प्ले की गई है। गेहूँ खरीद की समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने क्रय केंद्रों की कार्यप्रणाली पर विशेष ध्यान देते हुए किसानों को किसी प्रकार की असुविधा न होने देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी क्रय केंद्रों पर पर्याप्त व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं तथा भुगतान समयबद्ध तरीके से किसानों के खातों में किया जाए। नगरीय निकाय एवं डूडा योजनाओं की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने शहरी क्षेत्र में संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रगति का जायजा लिया। उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी), पीएम स्वानिधि तथा अन्य डूडा योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर बल देते हुए निर्देशित किया कि पात्र लाभार्थियों को समयबद्ध ढंग से

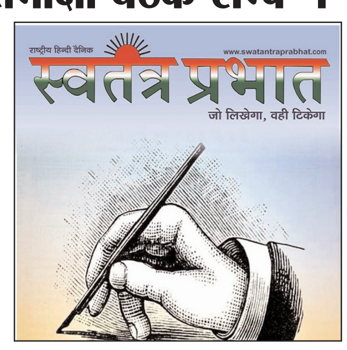

योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराया जाए। बैठक में अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) सहदेव मिश्र,अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) सिद्धार्थ, उप जिलाधिकारी सदर गौतम सिंह, उप जिलाधिकारी डलमऊ सत्येन्द्र सिंह, उप जिलाधिकारी लालगंज राजेश श्रीवास्तव, उप जिलाधिकारी सलोन मिथिलेश कुमार त्रिपाठी, उप जिलाधिकारी महराजगंज चन्द्र प्रकाश गौतम, जिला पूर्ति अधिकारी उबैदुर्ररहमान, जिला खाद्य विपणन अधिकारी सोनी गुप्ता, अधिशासी अधिकारी नगर पालिका स्वर्ण सिंह, परियोजना निदेशक (डूडा) शशि कुमार मेहरोत्रा, खाद्य सुरक्षा अधिकारी, खनन अधिकारी सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

मोहन यादव के सपोर्ट में दिखे अखिलेश यादव, कहा- 3 CM हटाने की हो रही साजिश

नई दिल्ली। जमीन खरीद विवाद को लेकर चर्चा में आए मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव के परिवार को समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव का समर्थन मिला है। इस पूरे विवाद को साजिश बताते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि मोहन यादव को बदनाम करने के लिए भारतीय जनता पार्टी ने साजिश रची है, उन्होंने सवाल करते हुए कहा कि क्या बीजेपी को पता नहीं था कि मोहन यादव रियल इस्टेट का काम करते थे। बकौल अखिलेश, ये आरोप इसलिए लग रहा है कि भाजपा रास्ता ढूंढ रही है कि 3 मुख्यमंत्री कैसे बदलें। वे मुख्यमंत्री बदलना चाहते हैं इसलिए आरोप लगवा रहे हैं, इन्हें मध्य-प्रदेश, राजस्थान के मुख्यमंत्री को हटाना है। इन दो को इसलिए हटा रहे हैं कि उन्हें उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री को हटाना है। उन्होंने कहा कि ये हटाने की साजिश चल रही है, उत्तर प्रदेश की जनता जानती है कि इस बार साइकिल इतनी तेज चलेगी कि अपने आप मुख्यमंत्री हट जाएंगे। बताते चलें कि अखिलेश यादव ने मंगलवार को लखनऊ में एक कार्यक्रम में ये बाते कही हैं। मध्य प्रदेश की राजनीति में भूमि खरीद को लेकर नया विवाद खड़ा हो गया है।

पेंशनर्स वेलफेयर एसोसिएशन ने पेंशनभोगियों के हितों की रक्षा के लिए संघर्ष को और तेज करने का संकल्प लिया

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के जवाहर भवन में पेंशनर्स वेलफेयर एसोसिएशन ने पेंशनभोगियों के हितों की रक्षा के लिए संघर्ष को और तेज करने का संकल्प लिया है। सोमवार को आयोजित बैठक में तय किया गया कि जवाहर भवन आने वाले पेंशनधारकों के कार्यो का समयबद्ध निस्तारण कराया जाएगा और भीषण गर्मी को देखते हुए पेयजल सहित आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए शासन स्तर पर प्रयास किए जाएंगे। महामंत्री दिलीप कुमार सक्सेना ने कहा कि आठवें वेतन आयोग से जुड़े मुद्दों, शासन की गलत नीतियों और विसंगतियों के विरोध में अन्य पेंशनर्स संगठनों के साथ समन्वय स्थापित कर आंदोलन को मजबूत किया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट कहा कि पेंशनर्स की लंबित समस्याओं के समाधान के लिए संगठन अपना संघर्ष और तेज करेगा। बैठक में अध्यक्ष बलराज श्रीवास्तव ने सभी पदाधिकारियों और सदस्यों को पेंशनर्स के हितों के लिए समर्पित होकर कार्य करने की शपथ दिलाई। वहीं मुख्य संरक्षक आलोक रंजन, पूर्व मुख्य सचिव उत्तर प्रदेश, और पूर्व आईपीएस अधिकारी यू.डी. सिंह ने शासन से पेंशनभोगियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग की। बैठक में जवाहर भवन इंदिरा भवन कर्मचारी महासंघ के महामंत्री सुशील कुमार बच्चा राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद मंडल के अध्यक्ष एस.पी. तिवारी सहित अनेक पदाधिकारी और सदस्य उपस्थित रहे।

तीन माह से वेतन-पेंशन न मिलने पर भड़के जल निगम कर्मी

● मुख्यालय पर शुरू किया आंदोलन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में 23 जून उत्तर प्रदेश जल निगम एकीकृत संघर्ष मोर्चा के आह्वान पर लंबित मांगों के समर्थन में सोमवार से आंदोलन शुरू हो गया। आंदोलन के पहले दिन लखनऊ मंडल के कर्मचारियों एवं पेंशनर्स ने जल निगम मुख्यालय पर धरना-प्रदर्शन और प्रभातफेरी निकालकर सरकार से समस्याओं के शीघ्र समाधान की मांग की। मोर्चा के महासचिव इं. ए.के. सिंह ने कहा कि वर्ष 2021 में उत्तर प्रदेश जल निगम को नगरीय और ग्रामीण इकाइयों में विभाजित किए जाने के बाद नगरीय इकाई के कर्मचारियों और पेंशनर्स को पिछले तीन माह से वेतन एवं पेंशन का भुगतान नहीं हो पाया है। इससे उनकी आर्थिक स्थिति लगातार बिगड़ती जा रही है। उन्होंने वेतन और पेंशन का भुगतान सीधे ट्रेजरी से कराने की मांग उठाई। उपाध्यक्ष राम सनेही यादव ने कहा कि 4141 नियमित कर्मचारियों के सेवानिवृत्त होने के बावजूद उच्च न्यायालय के आदेशों का अनुपालन नहीं किया जा रहा है, जिससे कई कर्मचारी पेंशन लाभ से वंचित हैं। उन्होंने 1007 पदों पर किए गए त्रुटिपूर्ण समायोजन को निरस्त करने की मांग भी की। उपाध्यक्ष गिरीश कुमार यादव ने कहा कि जल निगम (नगरीय) में अनुकंपा नियुक्तियां स्थगित होने से मृतक आश्रित परिवारों के सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है।

वहीं शिववचन यादव ने महंगाई राहत में विसंगतियों का मुद्दा उठाते हुए कहा कि नगरीय इकाई में 262 प्रतिशत के स्थान पर केवल 212 प्रतिशत महंगाई राहत दी जा रही है। उप महामंत्री गौरी शंकर शुक्ला ने कहा कि जल निगम की नगरीय और ग्रामीण इकाइयों में अब तक सातवां वेतनमान लागू नहीं किया गया है। उन्होंने एक जनवरी 2016 से सातवें वेतनमान का लाभ देने की मांग की। सलाहकार इं. राम सेवक शुक्ला और उप महासचिव राजकुमार कुशवाहा ने सरकारी विभागों की तर्ज पर कैशलेस चिकित्सा सुविधा तत्काल लागू करने की मांग की। धरने में इं. एन.के. सक्सेना, इं. आर.पी. गुप्ता, इं. डी.एन. यादव, इं. एस.एन. शुक्ला, हरिशंकर द्विवेदी, तंग बहादुर यादव, प्रदीप शुक्ला, मनेश्वर यादव, राज महेंद्र सिंह, बृज किशोर सिंह, सुरेश यादव, कैलाश यादव और ओम प्रकाश शुक्ला सहित बड़ी संख्या में कर्मचारी एवं पेंशनर्स मौजूद रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता इं. एस.के. राय ने तथा संचालन महासचिव इं. ए.के. सिंह एवं उपाध्यक्ष राम सनेही यादव ने किया।

मुद्रासन का भव्य सेल्फी पॉइंट बना आकर्षण का केंद्र

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुर। विकास खण्ड हरगांव की ग्राम पंचायत मुद्रासन ने विकास और सौंदर्यीकरण की दिशा में एक नई पहचान कायम करते हुए गांव के मुख्य चौराहे पर भव्य एवं आकर्षक सेल्फी पॉइंट का निर्माण कराया है। ग्राम प्रधान जसिमुन, उनके पति अब्बास अली, ग्राम पंचायत सचिव नौशाद अली तथा कंसल्टिंग इंजीनियर शिवम वर्मा के संयुक्त प्रयासों से तैयार यह सेल्फी पॉइंट क्षेत्रवासियों के लिए गर्व का विषय बन गया है। इस सेल्फी पॉइंट में खण्ड विकास अधिकारी विवेकमणि त्रिपाठी, व एडीओ पंचायत जेपी वर्मा ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई जिससे सेल्फी पॉइंट का निर्माण भव्य हो सका। सोमवार की देर शाम आयोजित कार्यक्रम में कारागार राज्यमंत्री सुरेश राही ने फीता काटकर इस भव्य सेल्फी पॉइंट का लोकार्पण किया। उद्घाटन के दौरान बड़ी संख्या में ग्रामीणों एवं जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति रही। जैसे ही सेल्फी पॉइंट का उद्घाटन हुआ, लोगों में उत्साह का माहौल देखने को मिला और बड़ी संख्या में लोगों ने यहां तस्वीरें खिंचवाकर इस पल को यादगार बनाया। हरगांव-लहरपुर मार्ग पर

विकास और सौंदर्यीकरण का नया प्रतीक बना मुद्रासन

'आई लव हमारा मुद्रासन' बना आकर्षण का केंद्र, कारागार राज्यमंत्री सुरेश राही ने किया लोकार्पण, आधुनिक लाइटिंग और हरियाली ने बढ़ाई खूबसूरती, ग्रामीणों और युवाओं में सेल्फी पॉइंट को लेकर खासा उत्साह, क्षेत्र की नई पहचान के रूप में उभर रहा मुद्रासन।

स्थित यह सेल्फी पॉइंट अपनी भव्यता, आकर्षक डिजाइन और आधुनिक स्वरूप के कारण दूर से ही लोगों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित कर रहा है। इसकी सबसे बड़ी विशेषता बड़े अक्षरों में लिखा गया 'I love Hamara Mudrasan' है, जो ग्रामवासियों के अपने गांव के प्रति प्रेम और जुड़ाव को दर्शाता है। सेल्फी पॉइंट के चारों ओर हरियाली बढ़ाने के उद्देश्य से सजावटी एवं छायादार पौधे लगाए गए हैं। वहीं आकर्षक लाइटिंग, स्टील के गेट, मजबूत ग्रिल और सुव्यवस्थित परिसर इसकी सुंदरता में चार चांद लगा रहे हैं। शाम होते ही रंग-बिरंगी रोशनी में नहाया यह स्थल किसी शहरी पर्यटन स्थल जैसा प्रतीत होता है। ग्रामीणों का कहना है कि यह केवल एक सेल्फी पॉइंट नहीं बल्कि ग्राम पंचायत की नई पहचान बन गया है। उद्घाटन के बाद से ही इसकी चर्चा आसपास के गांवों और क्षेत्र में तेजी से फैल रही है तथा लोग विशेष रूप से यहां पहुंचकर तस्वीरें खिंचवा रहे हैं। सेल्फी पॉइंट की भव्यता को देख कर खण्ड विकास अधिकारी विवेकमणि त्रिपाठी ने प्रशन्नता जाहिर करते हुए ग्राम प्रधान जसिमुन, सचिव नौशाद अली, कंसल्टिंग इंजीनियर शिवम वर्मा की सराहना की। इस अवसर पर खण्ड विकास अधिकारी विवेकमणि त्रिपाठी, एडीओ पंचायत जेपी वर्मा, कंसल्टिंग इंजीनियर शिवम वर्मा, सचिव धीरेंद्र कुमार, सचिव नीतीश कुमार, एवं प्रधानगण, बीडीसी, सदस्य व भारी संख्यां में लोग मौजूद रहे।

झोलाछाप की लापरवाही से मौत सीएचसी में छोड़कर भागे आरोपी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

तालगांव सीतापुर- तालगांव कोतवाली क्षेत्र से एक बेहद झकझोर देने वाला मामला सामने आया है, जहां एक कथित झोलाछाप डॉक्टर की घोर लापरवाही और गलत इलाज से एक परिवार की खुशियां उजड़ गईं। आरोप है कि जब मरीज की हालत बिगड़ने लगी तो आरोपी उसे मरणासन्न अवस्था में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र परसेंडी (सीएचसी) में छोड़कर फरार हो गया। अस्पताल के चिकित्सकों ने जांच के बाद मरीज को मृत घोषित कर दिया, जिसके बाद मृतक के घर में कोहराम मच गया और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। यह घटना तालगांव कोतवाली क्षेत्र के ग्राम चांदपुर की है। सचिन कुमार ने पुलिस को दी गई लिखित तहरीर में बताया कि मंगलवार सुबह करीब 8 बजे उनके 43 वर्षीय पिता अरुण कुमार को अचानक तेज बुखार आ गया था। घबराए परिजन उन्हें तत्काल इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र परसेंडी के पास स्थित एक निजी क्लीनिक पर ले गए। इस क्लीनिक का संचालन मुलाहिमपुर निवासी रामनाथ यादव नामक व्यक्ति द्वारा किया जा रहा था। आरोप है कि उसने बिना उचित चिकित्सकीय परीक्षण के मरीज को

दवाएं और इंजेक्शन दे दिए, जिससे अरुण कुमार की तबीयत और अधिक बिगड़ गई। जब मरीज की हालत गंभीर हो गई और उसकी सांसें उखड़ने लगीं, तो आरोपी रामनाथ यादव घबरा गया। आरोप है कि उसने अपने कुछ परिचितों को बुलाया और अरुण कुमार को मोटरसाइकिल पर बैठाकर पास के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। वहां मरीज को छोड़कर आरोपी मौके से फरार हो गए। सीएचसी में तैनात चिकित्सकों ने जब अरुण कुमार का परीक्षण किया, तो उन्हें मृत घोषित कर दिया। इस मामले पर सीएचसी अधीक्षक डॉ. दीपक यादव ने बताया कि मामला उनके संज्ञान में आ चुका है और मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) के निर्देशों के तहत आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराकर वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। वहीं, पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी है।

भारतीय इतिहास:सत्य, आत्मसम्मान और आत्ममंथन की त्रिवेणी बने

लेखक: प्रो. (डा.) मनमोहन प्रकाश

मानव समाज की समय के साथ विकसित होती यात्रा का क्रमबद्ध एवं विवेचनात्मक विवरण इतिहास कहलाता है। इतिहास हमें अपने अतीत की सभ्यता, संस्कृति, सामाजिक संरचनाओं और राजनीतिक परिवर्तनों को समझने का अवसर प्रदान करता है। किन्तु इतिहास का यह उद्देश्य तभी सार्थक हो सकता है जब उसका लेखन और विश्लेषण तथ्यपरकता, निष्पक्षता और बौद्धिक ईमानदारी के साथ किया गया हो।?इतिहास केवल घटनाओं और तिथियों का संग्रह नहीं होता; वह किसी राष्ट्र की सामूहिक स्मृति, आत्मबोध और भविष्य-दृष्टि का आधार भी होता है। भारतीय इतिहास के संदर्भ में लंबे समय से एक विमर्श चलता रहा है कि विदेशी अथवा औपनिवेशिक शासन के दौर को केवल 'पराधीनता काल' कहा जाए अथवा उसे 'सतत संघर्ष काल' के रूप में भी समझा जाए। यह प्रश्न केवल शब्दों के चयन का नहीं, बल्कि इतिहास-दृष्टि, राष्ट्रीय चेतना और सामूहिक आत्मसम्मान से जुड़ा हुआ है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने भी यह विचार व्यक्त किया है कि भारत का इतिहास केवल गुलामी का नहीं, बल्कि निरंतर संघर्ष का इतिहास है। यह दृष्टिकोण भारतीयों की प्रतिरोधात्मक और पुनरुत्थान की प्रक्रियाओं को भी रेखांकित करता है। यह निर्विवाद है कि लगभग 12वीं शताब्दी के उत्तरार्ध से लेकर 1947 तक भारतीय उपमहाद्वीप के विभिन्न क्षेत्रों पर अलग-अलग समय में बाह्य मूल के शासकों तथा अंततः ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन का प्रभाव रहा। इस दौरान शासन, कर व्यवस्था, न्याय व्यवस्था तथा संसाधनों पर स्थानीय समाज का पूर्ण नियंत्रण सीमित हो गया था। संभवतः इसी ऐतिहासिक यथार्थ के आधार पर इस कालखंड को 'पराधीनता' कहा गया। किन्तु क्या इतने व्यापक और बहुआयामी कालखंड को केवल 'पराधीनता' की संज्ञा देकर समझा जा सकता है?

यदि भारतीय इतिहास का समग्र अध्ययन किया जाए, तो स्पष्ट दिखाई देता है कि राजनीतिक नियंत्रण के अनेक चरणों के समानांतर समाज में प्रतिरोध, सांस्कृतिक संरक्षण, पुनर्निर्माण और स्वाधीनता की चेतना निरंतर सक्रिय रही। भारत के इतिहास में ऐसा कोई कालखंड नहीं दिखाई देता जब संपूर्ण समाज ने निष्क्रिय होकर परिस्थितियों के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया हो।

मध्यकालीन भारत इसका सबसे प्रखर उदाहरण प्रस्तुत करता है। इस युग में जब दिल्ली सल्तनत और मुगल साम्राज्य अपने चरम पर थे, तब भी राजनीतिक और सांस्कृतिक प्रतिरोध कभी थमा नहीं। राजपूताना में मेवाड़ के शौर्य-प्रतीक महाराणा प्रताप का संघर्ष इसका अप्रतिम उदाहरण है। अकबर की विशाल सेना और अकूत संसाधनों के सामने घुटने टेकने के बजाय, महाराणा प्रताप ने जंगलों में रहकर, सीमित साधनों के बावजूद मातृभूमि की स्वतंत्रता और आत्मसम्मान के लिए जो अनवरत युद्ध लड़ा, उसने आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रतिरोध का एक अमर आदर्श स्थापित किया। उनका संघर्ष इस बात का प्रमाण है कि भारत

की आत्मा ने कभी पराधीनता को पूरी तरह स्वीकार नहीं किया।?इसी कालखंड में पूर्वोत्तर भारत में अहोम साम्राज्य ने वीर लाचित बोरफुकन के नेतृत्व में 1671 के सराईघाट युद्ध में मुगल विस्तार को निर्णायक रूप से रोका। दक्षिण भारत में विजयनगर साम्राज्य ने लंबे समय तक राजनीतिक और सांस्कृतिक शक्ति का केंद्र बने रहकर सनातन संस्कृति की रक्षा की। बाद के काल में छत्रपति शिवाजी महाराज द्वारा स्थापित 'हिन्दवी स्वराज्य' की अवधारणा तथा मराठा शक्ति का विस्तार भारतीय राजनीतिक पुनरुत्थान का स्वर्णिम अध्याय बना। वहीं, गुरु गोविंद सिंह जी द्वारा खालसा पंथ की स्थापना ने धार्मिक स्वतंत्रता और सामाजिक प्रतिरोध को एक नई और ओजस्वी दिशा प्रदान की। ब्रिटिश औपनिवेशिक काल में यह प्रतिरोध अधिक व्यापक और संगठित रूप ग्रहण करता दिखाई देता है। 1757 के प्लासी युद्ध के पश्चात विभिन्न क्षेत्रों में अनेक जन-विद्रोह हुए, जैसे संन्यासी आंदोलन, चुआर विद्रोह तथा 1855-56 का संथाल हुल। 1857 का स्वतंत्रता संग्राम भारतीय इतिहास का एक ऐसा क्रांतिकारी मोड़ था, जिसे औपनिवेशिक इतिहासकारों ने भले ही 'सिपाही विद्रोह' कहा हो, पर भारतीय चेतना इसे 'प्रथम स्वतंत्रता संग्राम' के रूप में देखती है।

इसके बाद सामाजिक और वैचारिक पुनर्जागरण की प्रक्रियाएँ भी समानांतर रूप से चलीं। राजा राममोहन राय, स्वामी दयानंद सरस्वती तथा स्वामी विवेकानंद जैसे चिंतकों ने समाज में आत्मचेतना, शिक्षा और सुधार के विचारों को बल दिया। 20वीं सदी में स्वदेशी आंदोलन, असहयोग, सविनय अवज्ञा और भारत छोड़ो आंदोलन ने स्वतंत्रता संघर्ष को व्यापक जन-आंदोलन का स्वरूप प्रदान किया। साथ ही दादाभाई नौरोजी द्वारा प्रतिपादित 'धन के निष्कासन सिद्धांत' ने औपनिवेशिक आर्थिक शोषण की वैचारिक परतें खोल दीं।

औपनिवेशिक काल के अनेक इतिहासकारों ने भारतीय समाज को अक्सर विभाजित, निष्क्रिय और बाह्य शक्तियों पर निर्भर समाज के रूप में प्रस्तुत किया। इसके विपरीत, आधुनिक भारतीय इतिहासकारों तथा उपनिवेशोत्तर अध्ययन की परंपरा ने यह सिद्ध किया है कि भारतीय समाज ने विभिन्न कालखंडों में अनुकूलन, प्रतिरोध और पुनर्निर्माण की उल्लेखनीय क्षमता प्रदर्शित की। हालाँकि , इतिहास को केवल 'संघर्ष काल' के रूप में देखना भी पर्याप्त नहीं होगा; क्योंकि ऐसा करने पर राजनीतिक पराधीनता, आर्थिक दोहन, सामाजिक विसंगतियों और औपनिवेशिक नीतियों के क्रूर प्रभावों को कम करके आँकने का जोखिम उत्पन्न हो सकता है। इसी प्रकार यदि इतिहास को केवल 'पराधीनता काल' कहकर सीमित कर दिया जाए, तो हमारे पूर्वजों के संघर्ष, आत्मसम्मान और स्वतंत्रता चेतना के अनेक गौरवशाली आयाम छिप जाएंगे।

अतः अधिक संतुलित दृष्टिकोण यह प्रतीत होता है कि भारतीय इतिहास के इन कालखंडों को 'पराधीनता और सतत संघर्ष' दोनों के सहअस्तित्व' के रूप में समझा जाए। यह दृष्टि न तो ऐतिहासिक पीड़ा को नकारती है और न ही प्रतिरोध और पुनरुत्थान की हमारी महान परंपरा को। इतिहास का उद्देश्य केवल यह बताना नहीं है कि हमारे साथ क्या हुआ, बल्कि यह भी है कि हमने परिस्थितियों का सामना कैसे किया। इसलिए इतिहास को इस प्रकार पढ़ना और लिखना आवश्यक है कि वह सत्य, आत्मसम्मान और आत्ममंथन, तीनों का संतुलन बनाए रखे।

महेन्द्र तिवारी

लखनऊ- कब रुकेंगी ये आग की घटनाएं?

संपादक/लेखक: राजीव शुक्ला

22 जून 2026 की दोपहर लखनऊ के अलीगंज इलाके में जो हुआ, उसने पूरे शहर की नींद उड़ा दी। अलीगंज के उषा मेहता मार्ग पर एक तीन मंजिला व्यावसायिक इमारत में भीषण आग लगी। इमारत की दूसरी मंजिल पर कोचिंग सेंटर चल रहा था। तीसरे तल पर गेमिंग जोन और सॉफ्टवेयर ऑफिस था। नीचे पेट शॉप थी। तीन घंटे के आग के तांडव में 15 जिंदगियां खत्म हो गई। दोपहर करीब 3 बजे आग की लपटें उठीं। चश्मदीदों के मुताबिक आग तेजी से फैली क्योंकि अंदर बड़ी मात्रा में लकड़ी का फर्नीचर था। धुआं इतना घना था कि कुछ दिखाई नहीं दे रहा था। जो छात्र दूसरी मंजिल पर थे, उन्होंने खुद को बाथरूम में बंद कर लिया। कुछ ने जान बचाने के लिए छत से कूद लगाई। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में एक युवक पहली मंजिल से गिरता दिखा। दमकल की 14 गाड़ियां और हाइड्रोलिक सीढ़ी वाली गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। बचावकर्मियों ने बगल की इमारत की दीवार तोड़कर अंदर प्रवेश किया। गीले कंबल लेकर हर कमरे, हर शौचालय की तलाशी ली गई। केजीएमयू के मुताबिक 22 लोगों को अस्पताल लाया गया, जिसमें से 15 को मृत घोषित कर दिया गया। 4 घायल बच्चे अभी भी केजीएमसी ट्रॉमा सेंटर में हैं। सिस्टम की नाकामी फिर सामने आई- ये हादसा अकेला नहीं है। हर बार आग लगती है, कुछ जानें जाती हैं, जांच के आदेश होते हैं, मुआवजा बंटता है, और फिर सब भूल जाते हैं। हर बार सवाल वही हैं: फायर ह्हष्ट था या नहीं? कोचिंग सेंटर दूसरी मंजिल पर चल रहा था, जहां निकास का एक ही रास्ता था। नियम कहते हैं कि स्कूल-कोचिंग में दो निकास होने चाहिए। भीड़ प्रबंधन कहां था? 20-25 छात्र एक साथ फंसे थे। कोई अलार्म, कोई फायर ड्रिल नहीं। इमारत का इस्तेमाल: नीचे पेट शॉप, ऊपर कोचिंग और गेमिंग जोन। कमर्शियल और एजुकेशनल स्पेस एक साथ। बहुत बड़ा सवाल यह है कि क्या बिल्डिंग का नक्शा पास था? उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने खुद कहा कि इमारत में घना धुआं था और कुछ दिखाई नहीं दे रहा था। डिप्टी सीएम मौके पर बच्चों के शव देखकर रो पड़े। सरकार की प्रतिक्रिया- मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अलीगढ़ का दौरा बीच में छोड़कर लखनऊ लौट आए। उन्होंने SIT गठित की है - अमृत अभिजात, अपर मुख्य सचिव और प्रवीण कुमार, ADG लखनऊ जोन को 7 दिन में रिपोर्ट देनी है।

मृतकों के परिजनों को 5-5 लाख और घायलों को 50 हजार रुपए मुआवजे का ऐलान हुआ है। पीएम मोदी, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, राहुल गांधी, अखिलेश यादव ने शोक जताया है। 4 आरोपी गिरफ्तार भी हो गए हैं। इंसानी दर्द के अलावा एक और तस्वीर-

इमारत के निचले हिस्से में पेट शॉप थी। अफरातफरी में लोग अपनी जान बचाने में लगे थे। कुछ पालतू कुत्तों को बाहर निकाल लिया गया, लेकिन कई बेजुबान अंदर रह गए। फायरकर्मियों ने एक बिल्ली को बचाया, जो पूरी तरह पानी में भीगी हुई थी। ये तस्वीर बताती है कि हादसा सिर्फ इंसानों का नहीं था। अब आगे क्या होगा? लखनऊ में कोचिंग सेंटरों की बाढ़ है। हजरतगंज, अलीगंज, गोमतीनगर में सैकड़ों सेंटर बेसमेंट और ऊपर की मंजिलों पर चल रहे हैं। ज्यादातर के पास फायर सेफ्टी के नाम पर सिर्फ एक बाल्टी और एक एक्सटिंग्विशर है। शहर के सभी कोचिंग, कोचिंग, गेमिंग जोन का फायर ऑडिट हो। जो फेल हो, तुरंत बंद। जिम्मेदारी तय हो: सिर्फ 4 लोगों को गिरफ्तार करने से कुछ नहीं होगा। बिल्डिंग ओनर, कोचिंग मालिक, जिसने एनओसी दिया, सब पर कार्रवाई हो। मॉक ड्रिल अनिवार्य हो: हर 3 महीने में फायर ड्रिल। बच्चे जानें कि आग लगे तो कहां भागना है। कमर्शियल-रेजिडेंशियल मिक्स पर रोक- रिहायशी इलाकों में ऐसी व्यावसायिक गतिविधियों पर सख्त रोक। लखनऊ का अलीगंज हादसा फिर बता रहा है कि हम हादसे के बाद जागते हैं, पहले नहीं। 15 बच्चे जो कोचिंग पढ़ने गए थे, वो लाश बनकर लौटे। मुआवजा और SIT रिपोर्ट से मृतकों के परिवारों का दर्द कम नहीं होगा। कम होगा तो तब, जब अगली बार किसी कोचिंग में आग लगे तो निकास का रास्ता खुला हो, अलार्म बजे, और बच्चा बिना डरे बाहर निकल सके। आज लखनऊ समेत पूरा प्रदेश और देश शोक में है। कल फिर वही लापरवाही होगी, अगर हम सिर्फ खबर पढ़कर भूल गए।

न्यायिक जांच के घेरे में चर्चित भरत तिवारी मुठभेड़ प्रकरण

बिहार के भोजपुर जिले के शाहपुर थाना क्षेत्र स्थित बिलौटी गांव में 17 जून 2026 को हुई एक घटना ने पूरे देश का ध्यान अपनी ओर खींच लिया। भरत भूषण तिवारी उर्फ भरत तिवारी नामक युवक की पुलिस कार्रवाई के दौरान हुई मौत ने केवल एक स्थानीय विवाद का रूप नहीं लिया, बल्कि देखते ही देखते यह मामला प्रशासन, राजनीति, न्याय व्यवस्था और नागरिक अधिकारों से जुड़ी बड़ी बहस का विषय बन गया। घटना के बाद सामने आए अलग-अलग दावों और आरोपों ने इस प्रकरण को और अधिक संवेदनशील बना दिया है। एक ओर पुलिस इसे आत्मरक्षा में की गई कार्रवाई बता रही है, वहीं दूसरी ओर मृतक के परिजन, समर्थक और अनेक ग्रामीण इसे सुनियोजित फर्जी मुठभेड़ कह रहे हैं। यही कारण है कि इस घटना ने देश भर में तीखी प्रतिक्रियाएं पैदा की हैं और अब सबकी निगाहें न्यायिक जांच पर टिकी हुई हैं।

पुलिस के अनुसार भरत तिवारी पिछले कुछ समय से सामाजिक माध्यमों पर अत्यधिक सक्रिय था। प्रशासन का दावा है कि उसके द्वारा किए गए कुछ प्रसारण और संदेश सार्वजनिक शांति तथा प्रशासनिक व्यवस्था के लिए खतरा बनते जा रहे थे। पुलिस का कहना है कि उसने कुछ वरिष्ठ अधिकारियों को खुले तौर पर धमकी दी थी और उसके पास अवैध हथियार भी था। पुलिस के आधिकारिक विवरण के अनुसार उसे गिरफ्तार करने के लिए एक विशेष दल बिलौटी गांव पहुंचा था। पुलिस का दावा है कि गिरफ्तारी की कोशिश के दौरान भरत ने आत्मसमर्पण करने के बजाय पुलिस दल पर गोलीबारी शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने भी गोली चलाई, जिसमें वह गंभीर रूप से घायल हो गया। बाद में अस्पताल ले जाते समय उसकी मृत्यु हो गई। पुलिस का यह भी कहना है कि इस कार्रवाई के दौरान उनके वाहन को नुकसान पहुंचा और जवानों की जान को वास्तविक खतरा था, इसलिए आत्मरक्षा में बल प्रयोग करना आवश्यक हो गया था।

घटना का दूसरा पक्ष इससे बिल्कुल अलग तस्वीर पेश करता है। भरत तिवारी के पिता काशीनाथ तिवारी, अन्य परिजन और गांव के अनेक लोग पुलिस के पूरे घटनाक्रम को झूठा और मनगढ़ंत बता रहे हैं। उनका आरोप है कि पुलिस ने पहले से ही भरत को निशाना बना रखा था। परिजनों का कहना है कि पुलिस द्वारा घेराबंदी किए जाने के बाद भरत ने अपना हथियार दूर फेंक दिया था और वह आत्मसमर्पण के लिए तैयार था। उनका दावा है कि वह उस समय पुलिस के लिए कोई खतरा नहीं था, फिर भी उसे बेहद नजदीक से गोली मारी गई। परिवार का कहना है कि यदि वह वास्तव में आत्मसमर्पण कर चुका था, तो उसे गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया जाना चाहिए था, न कि उसकी जान ले ली जानी चाहिए थी। इसी आधार पर वे इस घटना को फर्जी मुठभेड़ और मानवाधिकारों का गंभीर उल्लंघन बता रहे हैं। इस मामले का एक सामाजिक पक्ष भी सामने आया है, जिसने विवाद को और गहरा कर दिया। ग्रामीणों और समर्थकों के अनुसार भरत तिवारी क्षेत्र में बाढ़, नदी कटाव और विस्थापन जैसे मुद्दों को लेकर सक्रिय था। बताया जाता है कि वह विशेष रूप से उन लोगों की समस्याओं को उठा रहा था जो प्राकृतिक आपदाओं और प्रशासनिक उपेक्षा से प्रभावित थे। उसके समर्थकों का आरोप है कि वह स्थानीय स्तर पर जनहित के प्रश्नों को मजबूती से उठा रहा था और इसी कारण कुछ प्रभावशाली लोगों तथा प्रशासन के निशाने पर आ गया। हालांकि इन आरोपों के समर्थन में अभी तक कोई न्यायिक निष्कर्ष सामने नहीं आया है, लेकिन इन दावों ने जनभावनाओं को प्रभावित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

घटना के बाद भोजपुर जिले में तनावपूर्ण स्थिति पैदा हो गई। हजारों लोगों ने विरोध प्रदर्शन करते हुए आरा से बक्सर जाने वाले प्रमुख मार्ग को जाम कर दिया। प्रदर्शनकारियों की मांग थी कि मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाए और जिम्मेदार पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई की जाए। विरोध की तीव्रता इस बात का संकेत थी कि यह मामला केवल एक व्यक्ति की मृत्यु तक सीमित नहीं रहा, बल्कि लोगों के मन में पहले से मौजूद अविश्वास और असंतोष भी इसके साथ जुड़ गया। कई स्थानों पर लोगों ने न्याय की मांग को लेकर नारे लगाए और प्रशासन के खिलाफ आक्रोश व्यक्त किया।

विवाद उस समय और बढ़ गया जब पुलिस ने प्रदर्शन और विरोध से जुड़े कुछ लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की। इनमें मृतक के परिजन तथा स्थानीय जनप्रतिनिधि भी शामिल बताए गए। विरोधियों ने इसे दबाव बनाने की कोशिश बताया, जबकि प्रशासन का कहना था कि कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए आवश्यक कदम उठाए गए। इस कार्रवाई ने बहस को और तेज कर दिया क्योंकि एक वर्ग का मानना था कि विरोध कर रहे लोगों को डराने का प्रयास किया जा रहा है, जबकि दूसरा वर्ग इसे कानून व्यवस्था बनाए रखने की सामान्य प्रक्रिया मान रहा था।

राजनीतिक स्तर पर भी इस घटना ने व्यापक प्रतिक्रिया उत्पन्न की। सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों के कई नेताओं ने मामले पर चिंता व्यक्त की। कुछ नेताओं ने पुलिस कार्रवाई पर सवाल उठाए और निष्पक्ष जांच की मांग की, जबकि कुछ ने कानून व्यवस्था बनाए रखने की आवश्यकता पर बल दिया। राजनीतिक दलों के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर भी शुरू हुआ। विपक्ष ने इसे प्रशासनिक विफलता और पुलिस की मनमानी का उदाहरण बताया, जबकि सरकार समर्थक नेताओं ने कहा कि अंतिम निष्कर्ष जांच के बाद ही निकाला जाना चाहिए। इस प्रकार यह मामला केवल कानून और व्यवस्था का प्रश्न नहीं रहा, बल्कि राजनीतिक विमर्श का भी महत्वपूर्ण विषय बन गया।

किसी भी कथित मुठभेड़ के मामले में सबसे महत्वपूर्ण तत्व साक्ष्य होते हैं। घटनास्थल से प्राप्त सामग्री, हथियारों की जांच, गोलियों की दिशा, दूरी, चिकित्सकीय परीक्षण, शव परीक्षण रिपोर्ट, प्रत्यक्षदर्शियों के बयान और अन्य वैज्ञानिक प्रमाण ही यह तय कर सकते हैं कि वास्तव में क्या हुआ था। यदि पुलिस का दावा सही है, तो जांच में ऐसे प्रमाण मिलने चाहिए जो यह सिद्ध करें कि पुलिस दल पर वास्तविक हमला हुआ था और आत्मरक्षा के अलावा कोई विकल्प नहीं था। दूसरी ओर यदि परिजनों का आरोप सही है, तो जांच में ऐसे तथ्य सामने आ सकते हैं जो यह साबित करें कि भरत तिवारी आत्मसमर्पण कर चुका था या उसे अनुचित परिस्थितियों में गोली मारी गई थी।

भारत का संविधान प्रत्येक नागरिक को जीवन और स्वतंत्रता का अधिकार प्रदान करता है। इसलिए किसी भी पुलिस कार्रवाई में कानून द्वारा निर्धारित प्रक्रियाओं का पालन अत्यंत आवश्यक माना जाता है। सर्वोच्च न्यायालय ने भी विभिन्न मामलों में स्पष्ट किया है कि पुलिस मुठभेड़ों की स्वतंत्र और निष्पक्ष जांच होनी चाहिए ताकि जनता का विश्वास बना रहे। यही कारण है कि जब भी किसी मुठभेड़ को लेकर विवाद पैदा होता है, तब निष्पक्ष जांच की मांग तेज हो जाती है। भरत तिवारी प्रकरण भी इसी श्रेणी का मामला बन गया है, जहां जनता का एक बड़ा वर्ग जांच के माध्यम से सच्चाई सामने आने की प्रतीक्षा कर रहा है। बढ़ते जनदबाव, राजनीतिक प्रतिक्रियाओं और विवाद की गंभीरता को देखते हुए बिहार सरकार ने इस मामले की न्यायिक जांच कराने का निर्णय लिया। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने सेवानिवृत्त उच्च न्यायालय न्यायाधीश की अध्यक्षता में जांच के आदेश दिए। इस निर्णय को कई लोगों ने सकारात्मक कदम माना क्योंकि न्यायिक जांच को सामान्य प्रशासनिक जांच की तुलना में अधिक स्वतंत्र और विश्वसनीय माना जाता है। अब उम्मीद की जा रही है कि जांच के दौरान सभी पक्षों को अपनी बात रखने का अवसर मिलेगा और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर निष्कर्ष निकाला जाएगा।

आज इस मामले में सबसे बड़ी आवश्यकता संयम और निष्पक्षता की है। भावनाएं स्वाभाविक रूप से तीव्र हैं क्योंकि एक युवक की मृत्यु हुई है और उसके परिवार ने अपना सदस्य खोया है। दूसरी ओर पुलिस का भी दावा है कि उसके जवानों की सुरक्षा खतरे में थी। ऐसे में किसी भी पक्ष को पहले से दोषी या निर्दोष घोषित करना उचित नहीं होगा। लोकतांत्रिक व्यवस्था की मजबूती इसी में है कि विवादों का समाधान तथ्यों, साक्ष्यों और न्यायिक प्रक्रिया के आधार पर हो। भरत तिवारी प्रकरण ने बिहार में पुलिस जवाबदेही, नागरिक अधिकारों, प्रशासनिक पारदर्शिता और न्यायिक प्रक्रिया पर एक व्यापक चर्चा को जन्म दिया है। यह मामला केवल एक व्यक्ति की मौत की जांच नहीं है, बल्कि यह उस विश्वास की भी परीक्षा है जो जनता राज्य की संस्थाओं पर करती है। आने वाले समय में न्यायिक जांच की रिपोर्ट ही यह स्पष्ट करेगी कि बिलौटी गांव में वास्तव में क्या हुआ था। तब तक यह घटना एक ऐसे प्रश्न की तरह बनी हुई है जिसका उत्तर पूरा बिहार जानना चाहता है। क्या यह कानून के तहत की गई अनिवार्य कार्रवाई थी, या फिर एक ऐसे नागरिक की मौत, जिसे न्यायिक प्रक्रिया का अवसर मिलना चाहिए था? इस प्रश्न का अंतिम उत्तर अब जांच और न्यायिक निष्कर्षों के हाथ में है।

महेन्द्र तिवारी

उपहार की राख से लखनऊ की लपटों तक

सन 1997 में यही जून का महिना था जब दिल्ली के मशहूर उपहार सिनेमा में बॉर्डर फिल्म लोगों के द्वारा देखी जा रही थी , तभी अचानक से बेसमेंट में लगे इलेक्ट्रिक ट्रांसफॉर्मर में आग लग गई और देखते ही देखते पूरे सिनेमा हाल के अन्दर धुआँ भर गया था। इस अफरा तफरी में 59 लोगों की जान गई थी और साथ ही 100 से अधिक लोग घायल हुए थे ऐसा इसलिए हुआ था क्यूंकी उस सिनेमा हाल में निकास द्वार ही बंद थे और एमरजेन्सी लाइट काम ही नहीं कर रही थी। अंसल बंधुओं ने सुरक्षा के सारे मानक को ताक पर रख दिया था विडम्बना यह थी कि जिनके सगे संबंधी इस दुर्घटना में अपनी जान गवाई उनके लिए भी न्याय मिलना आसान नहीं था। पीड़ित परिवारों ने एसोसिएशन ऑफ विक्टिम्स ऑफ उपहार ट्रैजडी बनाकर 23 वर्ष की एक लंबी कानूनी लड़ाई लड़ी तब जाकर उन्हे न्याय मिला। विभिन्न जांच से यह पता चला कि उस सिनेमा हाल में न तो पर्याप्त अग्नि सुरक्षा थी और आपातकालीन दरवाजे भी अवरुद्ध थे साथ ही ट्रांस्फॉर्मर के रखरखाव में भी लापरवाही थी। इस घटना के बाद विभिन्न सरकारों की नींद खुली और उन्होंने इस दुर्घटना को नजीर मानते हुए बहुत से मानकों का निर्धारण किया गया जैसे पर्याप्त आपातकालीन निकास , भवन की उचाई के अनुसार अग्निशमन की व्यवस्था की जाएगी , अग्निशामक यंत्र लगाए जाएंगे और फायर अलार्म लगाए जाएंगे ,एनओसी लेना अनिवार्य किया जाएगा। लेकिन ये सारे दावे ढाक के तीन पात साबित हुए। ऐसे में जब आज फिर लखनऊ के अलीगंज में जब आग लगने की त्रासदी होती है तो शासन प्रशासन का असली रूप सामने आता है। जब 15 मासूमों की जान गई तो इसके गुनहगारों को सजा मिलेगी भी या नहीं ये तो जांच के बाद ही पता चलेगा लेकिन पीड़ित परिवारों के दर्द महज मुआवजों से कम हो जाएगा। प्रथम दृष्ट्या मामला एनओसी न लेकर बनाये जाने की बात हो रही है लेकिन एक बात यह नहीं समझ मे आती है कि जब दुर्घटना घटित हो जाती है तब ये पता चलता है कि बिल्डिंग ने मानक का पालन नहीं किया। लेकिन इन नाकाम नगर निगम, फायर सर्विस विभाग और भवन के मालिक इतने लापरवाह हो जाते हैं कि इनको फर्क ही नहीं पड़ता कि कितनी आग लग रही , कितने लोग मर रहे। सोचने वाली बात तो यह है कि जब देश या राज्यों की राजधानी में सुरक्षा मानकों से खिलवाड़ किया जा रहा है तो बाकी अन्य बड़े शहरों में क्या स्थिति होगी। जिम्मेदार अधिकारी प्रतिदिन उन्ही रास्तों से गुजरतें हैं वे सब देखते हैं कि कैसे बिजली के खंभों पर तारों का जंजाल लगा रहता है साथ ही अस्त व्यस्त भवनों का निर्माण हुआ रहता है लेकिन वे आंखे मूँदे रहते हैं 7 इन सबका मुख्य कारण उच्च स्तर से लेकर निचले स्तर तक विद्यमान भ्रष्टाचार और कुख्यात गठजोड़ होता है, सबका कमिशन तय होता है। आखिर कैसे इन घटनाओ पर लगाम लगाई जाए कैसे देश के हुक्मरानों की जवाबदेही तय की जाए क्यूंकी दिक्कत यह है की देश की जनता को भूलने की बीमारी बहुत ज्यादा है , कुछ दिन सारे समाचार पत्र और न्यूज चैनल्स इसे दिखाएंगे फिर उन्हे कोई और मुद्दा मिल जाएगा लेकिन उन परिवारजनों का क्या जिनके सपने उनके बच्चों के साथ ही दफन हो गए। जरूरत है इन घटनाओ से सबक लेने की।

मंगल सिंह

दैनिक राशिफल

मेष आज आत्मविश्वास बढ़ेगा। कार्यक्षेत्र में नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। परिवार के साथ समय सुखद रहेगा। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा।

वृषभ धैर्य और समझदारी से काम लें। धन संबंधी मामलों में लाभ के योग हैं। नौकरी में वरिष्ठों का सहयोग मिलेगा। अनावश्यक विवादों से बचें।

मिथुन नए संपर्क लाभदायक सिद्ध होंगे। व्यापार में उन्नति के संकेत हैं। विद्यार्थियों के लिए दिन अनुकूल रहेगा। यात्रा के योग बन सकते हैं।

कर्क भावनाओं में बहकर कोई निर्णय न लें। कार्यक्षेत्र में मेहनत का अच्छा परिणाम मिलेगा। परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

सिंह भाग्य का साथ मिलेगा। रुके हुए कार्य पूरे हो सकते हैं। नौकरी और व्यापार में सफलता के अवसर मिलेंगे। सम्मान में वृद्धि होगी।

कन्या आर्थिक मामलों में सावधानी रखें। खर्चों पर नियंत्रण आवश्यक है। करियर में नई संभावनाएं सामने आ सकती हैं। जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा।

तुला साझेदारी के कार्यों में लाभ होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। प्रेम संबंधों में मधुरता आएगी। स्वास्थ्य पहले से बेहतर रहेगा।

वृश्चिक कार्यस्थल पर प्रतिस्पर्धा बढ़ सकती है। मेहनत और लगन से सफलता मिलेगी। शत्रु पक्ष कमजोर रहेगा। धन लाभ के योग हैं।

धनु रचनात्मक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। शिक्षा और करियर के क्षेत्र में शुभ समाचार मिल सकता है। परिवार में खुशियों का माहौल रहेगा।

मकर घर-परिवार से जुड़े मामलों में व्यस्तता रहेगी। संपत्ति संबंधी कार्यों में लाभ हो सकता है। नौकरी में स्थिरता बनी रहेगी।

कुंभ संचार और संपर्क से लाभ मिलेगा। छोटे भाई-बहनों का सहयोग प्राप्त होगा। व्यापार में नए अवसर मिल सकते हैं। यात्रा शुभ रहेगी।

मीन आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। निवेश से लाभ मिलने की संभावना है। परिवार में सुखद वातावरण रहेगा। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी।

करियर राशिफल (22 जून 2026)

मेष, सिंह, धनु: पदोन्नति या नई जिम्मेदारी मिलने के योग।

वृषभ, कन्या, मकर: मेहनत का फल मिलेगा, आर्थिक लाभ संभव।

मिथुन, तुला, कुंभ: नए संपर्क और नेटवर्किंग से करियर में फायदा।

कर्क, वृश्चिक, मीन: धैर्य और एकाग्रता से कार्य करने पर सफलता मिलेगी।

पिछले बारह महीनों में भीषण अग्निकांड और उनसे न सीख पाने की त्रासदी

उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के अलीगंज स्थित एक कोचिंग एवं एनीमेशन सेंटर में 22 जून 2026 को हुई भीषण आग की घटना ने पूरे देश को झकझोर दिया। इस हादसे में 15 लोगों की जान चली गई, जिनमें अधिकांश युवा छात्र थे। किकई छात्र धुएं में फंस गए, कुछ ने खिड़कियों से छलांग लगाकर जान बचाने की कोशिश की और कई दम घुटने से काल के गाल में समा गए। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि भवन में आपातकालीन निकास की व्यवस्था नहीं थी और अग्नि सुरक्षा मानकों का गंभीर उल्लंघन किया गया था। इस दर्दनाक घटना ने एक बार फिर यह सवाल खड़ा कर दिया है कि आखिर बार-बार होने वाले अग्निकांडों से देश कब सबक लेगा।

पिछले बारह महीनों पर नजर डालें तो देश के विभिन्न हिस्सों में कई बड़े अग्निकांड हुए हैं, जिनमें सैकड़ों लोगों की जान गई और हजारों परिवार प्रभावित हुए। इनमें अस्पताल, होटल, कोचिंग सेंटर, औद्योगिक इकाइयां, व्यापारिक प्रतिष्ठान और आवासीय भवन शामिल रहे। लगभग हर घटना के बाद जांच बैठी, मुआवजे की घोषणा हुई और जिम्मेदारों पर कार्रवाई की बात कही गई, लेकिन कुछ समय बाद सब कुछ सामान्य हो गया और सुरक्षा संबंधी कमियां जस की तस बनी रहीं।

जून 2026 में दिल्ली के मालवीय नगर क्षेत्र के एक होटल में लगी भीषण आग ने 20 से अधिक लोगों की जान ले ली। इस घटना ने राजधानी में होटल सुरक्षा मानकों की पोल खोल दी। जांच में सामने आया कि कई होटलों में अग्निशमन उपकरण या तो खराब थे या उनका रखरखाव नहीं किया गया था। होटल कर्मचारियों को आपातकालीन परिस्थितियों से निपटने का प्रशिक्षण भी पर्याप्त नहीं था। यही कारण रहा कि आग लगने के बाद अफरा-तफरी मच गई और बड़ी संख्या में लोग बाहर नहीं निकल सके।

इसके पहले विभिन्न राज्यों में औद्योगिक इकाइयों में भी कई बड़े अग्निकांड सामने आए। रासायनिक कारखानों, प्लास्टिक उद्योगों और गोदामों में लगी आग ने भारी जनहानि और आर्थिक नुकसान पहुंचाया। अधिकांश मामलों में पाया गया कि सुरक्षा उपकरणों की नियमित जांच नहीं की गई थी। कई इकाइयों में ज्वलनशील पदार्थों का भंडारण नियमों के अनुरूप नहीं था। कर्मचारियों को अग्नि सुरक्षा प्रशिक्षण भी नहीं दिया गया था। परिणामस्वरूप छोटी सी चूक बड़े हादसे में बदल गई।

अस्पतालों में लगी आग की घटनाएं भी चिंता का विषय बनी रहीं। पिछले वर्षों में कई अस्पतालों में आग लगने से मरीजों की मौत हुई थी, लेकिन इसके बावजूद अनेक अस्पतालों में फायर सेफ्टी ऑडिट समय पर नहीं हो रहे हैं। कई भवनों में निकासी मार्ग बाधित रहते हैं और बिजली व्यवस्था भी मानकों के अनुरूप नहीं होती। अस्पतालों जैसे संवेदनशील संस्थानों में ऐसी लापरवाही सीधे मानव जीवन को खतरे में डालती है।

शैक्षणिक संस्थानों और कोचिंग सेंटरों में अग्नि सुरक्षा की स्थिति विशेष रूप से चिंताजनक है। वर्ष 2023 में दिल्ली के मुखर्जी नगर स्थित कोचिंग सेंटर में आग लगने के बाद केंद्र सरकार ने दिशा-निर्देश जारी किए थे। इनमें फायर एनओसी, पर्याप्त वेंटिलेशन, आपातकालीन निकास और नियमित सुरक्षा निरीक्षण को अनिवार्य बनाया गया था। लेकिन लखनऊ की हालिया घटना ने दिखा दिया कि इन नियमों का पालन सुनिश्चित नहीं हो पाया। जिस भवन में आग लगी, वहां फायर एनओसी और सुरक्षित निकास मार्ग जैसी बुनियादी व्यवस्थाओं का अभाव बताया जा रहा है।

विशेषज्ञों का मानना है कि भारत में अग्निकांडों की सबसे बड़ी वजह नियमों का कमजोर पालन है। भवन निर्माण के दौरान सुरक्षा मानकों को नजरअंदाज किया जाता है। कई व्यावसायिक प्रतिष्ठान बिना आवश्यक अनुमति के संचालित होते रहते हैं। स्थानीय प्रशासन और संबंधित विभागों की नियमित निगरानी नहीं होने से ऐसे संस्थान वर्षों तक चलते रहते हैं। जब कोई बड़ा हादसा होता है, तब जाकर उनकी कमियां सामने आती हैं।

एक अन्य गंभीर समस्या अनधिकृत निर्माण और भवनों का गलत उपयोग है। कई आवासीय भवनों को व्यावसायिक गतिविधियों के लिए इस्तेमाल किया जाता है। संकरी गलियां, सीमित प्रवेश द्वार और बिजली के अव्यवस्थित कनेक्शन आग लगने पर खतरे को कई गुना बढ़ा देते हैं। लखनऊ की घटना में भी भवन की संरचना और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सवाल उठे हैं।

अग्निकांडों के बढ़ते मामलों में विद्युत शॉर्ट सर्किट भी प्रमुख कारण बनकर सामने आता है। अत्यधिक भार, पुराने तार, खराब उपकरण और नियमित रखरखाव की कमी से आग लगने का खतरा बढ़ जाता है। गर्मी के मौसम में एयर कंडीशनर और अन्य विद्युत उपकरणों का उपयोग बढ़ने से जोखिम और अधिक हो जाता है। कई मामलों में प्रारंभिक जांच में विद्युत खराबी को आग का कारण बताया गया है।

इन घटनाओं का सामाजिक प्रभाव भी गहरा होता है। किसी परिवार का युवा सदस्य, कमाने वाला व्यक्ति या पढ़ाई कर रहा छात्र जब ऐसे हादसे में जान गंवाता है तो केवल एक व्यक्ति की मृत्यु नहीं होती, बल्कि पूरे परिवार के सपने टूट जाते हैं। लखनऊ में भी अधिकांश मृतक युवा छात्र थे, जो अपने भविष्य को संवारने के लिए प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे थे। उनके परिवारों पर दुख का पहाड़ टूट पड़ा है।

सरकारों द्वारा समय-समय पर नियम बनाए जाते हैं, लेकिन उनकी प्रभावी निगरानी और क्रियान्वयन सबसे बड़ी चुनौती है। केवल कागजों पर मौजूद सुरक्षा प्रमाणपत्र किसी हादसे को नहीं रोक सकते। नियमित निरीक्षण, जवाबदेही तय करना, दोषियों पर कठोर कार्रवाई और जनता में जागरूकता बढ़ाना आवश्यक है। भवन मालिकों, संस्थान संचालकों और प्रशासन को समान रूप से जिम्मेदारी निभानी होगी।

लखनऊ का अग्निकांड केवल एक शहर या एक संस्थान की त्रासदी नहीं है। यह पूरे देश के लिए चेतावनी है। पिछले बारह महीनों में हुए भीषण अग्निकांडों ने स्पष्ट कर दिया है कि सुरक्षा नियमों की अनदेखी का परिणाम कितना भयावह हो सकता है। यदि अब भी प्रभावी कदम नहीं उठाए गए तो ऐसे हादसे भविष्य में भी दोहराए जाते रहेंगे। आवश्यकता इस बात की है कि हर अग्निकांड को केवल समाचार बनाकर भुलाया न जाए, बल्कि उसे सुधार और सुरक्षा के अवसर के रूप में देखा जाए। तभी निर्दोष लोगों की जान बचाई जा सकेगी और देश ऐसी त्रासदियों से सुरक्षित भविष्य की ओर बढ़ सकेगा।

कांतिलाल मांडोत

स्वामी-स्वतंत्र प्रभात मीडिया, मुद्रक एवं प्रकाशक प्रीती शुक्ला द्वारा अनवर ऑफसेट एम- 58, 59 बेसमेंट विकासदीप बिल्डिंग स्टेशन रोड लखनऊ से मुदित ई-4 सेक्टर-एम/29 अपोजिट उमान एन्क्लेव अलीगंज लखनऊ 226024 से प्रकाशित संपादक-राजीव कुमार शुक्ला , मो0-9511151254 Mail: news@swatantraprabhat.com, RNI No: UPHIN/2019/79073 इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी आर वी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायीं। किसी भी कानूनी विवाद का निपटारा न्यायलय जनपद लखनऊ ही होगा।

संक्षिप्त खबरें

शांति भंग की आशंका में तीन महिला सहित नौ गिरफ्तार

पुलिस ने विधिक कार्यवाही के बाद किया न्यायालय चालान

रतनपुर/महराजगंज। परसामलिक पुलिस ने क्षेत्र में शांति व्यवस्था भंग करने की आशंका में एक ही गांव के कुल 9 अभियुक्तों को गिरफ्तार कर चालान भेज दिया है। पकड़े गए सभी अभियुक्तों के खिलाफ भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 170/126/135 बीएनएसएस के तहत अग्रिम विधिक कार्रवाई सुनिश्चित की गई है ताकि गांव या आसपास के क्षेत्र में किसी भी तरह के संभावित विवाद या उपद्रव को समय रहते रोका जा सके। गिरफ्तार किए गए अभियुक्तों में ग्राम पंचायत निपनिया निवासी 40 वर्षीय राजकुमार पुत्र मक्खन तथा 40 वर्षीया पत्नी गुड्डी व 21 वर्षीय पुत्र रामू, इसके अलावा 35 वर्षीया पूनम पत्नी श्याम कुमार, 40 वर्षीय राजेश पुत्र प्रहलाद, 50 वर्षीय सुरेश पुत्र प्रहलाद, 40 वर्षीया उर्मिला पत्नी राजेश, 40 वर्षीय दिनेश पुत्र मुन्नी लाल और 20 वर्षीय संदीप पुत्र सुरेश शामिल हैं। पुलिस टीम ने विधिक औपचारिकताएं पूरी करने के बाद न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत कर दिया है। थानाध्यक्ष विवेक कुमार सिंह ने बताया कि शांति भंग की आशंका में नौ लोगों के विरुद्ध सम्बंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर न्यायालय चालान किया गया है।

बहराइच में किशोरी के अपहरण पर बवाल: युवक के घर में तोड़फोड़

बहराइच। दरगाह इलाके की रहने वाली एक किशोरी को मुस्लिम युवक द्वारा बहला फुसलाकर ले जाने के मामले से लोगों में आक्रोश व्याप्त है। रविवार को नाराज लोगों ने आरोपित के आटाचक्की में आगजनी कर उसको सहयोग करने वाले के घर के बाहर तोड़फोड़ की। सूचना के बाद पुलिस अधिकारियों ने घटनास्थल का जायजा लिया। किशोरी की सकुशल बरामदगी के लिए एसपी ने पुलिस की पांच टीमें गठित की हैं। जानकारी के अनुसार इलाके की रहने वाली एक किशोरी का शेखापुर निवासी मुस्लिम युवक गुड्डू बेहना तीन दिन पहले बहला फसलाकर कर ले गया था। इस मामले में गांव के रहने वाले एक व्यक्ति ने उसको सहयोग किया था। किशोरी के परिवारजन की तहरीर पर आरोपित के खिलाफ अपहरण का मुकदमा दर्ज किया गया था। घटना के बाद से ग्रामीणों में आक्रोश था। रविवार को लोगो की भीड़ ने आरोपित के आटा चक्की में आग लगा दी। यही नहीं, उसका सहयोग करने वाले के घर के बाहर भी तोड़फोड़ की गई। घटना के बाद से पूरे इलाके में दहशत का माहौल बन गया था। जानकारी मिलते ही सीओ नगर नारायण दत्त मिश्रा कई थानों के पुलिस बल संग मौके पर पहुंचे। सुरक्षा के मद्देनजर गांव में नगर कोतवाली समेत कई थानों की पुलिस मौके पर तैनात की गई है।

फिरोजाबाद में दर्दनाक हादसा, बोरिंग करते में पाइप हाईटेंशन तार से टकराया, एक ही घर के बुझे दोनों चिराग

फरिहा (फिरोजाबाद)। हैंडपंप की मरम्मत के दौरान पाइप के हाईटेंशन तार से टकराने से हादसा हो गया। पाइप में उतरे करंट से झुलसकर दो भाइयों की मृत्यु हो गई, वहीं मां की हालत गंभीर है। उनका सरकारी ट्रामा सेंटर में उपचार चल रहा है। गांव नगला नोझर में मंगलवार दोपहर हुई इस घटना से चीखपुकार मच गई। सूचना पर एसडीएम जसराना, एसडीओ और पुलिस मौके पर पहुंच गए। नगला नोझर निवासी दिनेश यादव हलवाई हैं। वह दिल्ली में काम करते हैं। उनके दो ही बेटे थे। 17 वर्षीय अंकित ने इस वर्ष 12वीं की परीक्षा पास की थी। वहीं 15 वर्षीय छोटा बेटा अंशुल नगला सुखी स्थित श्री साहब सिंह इंटर कालेज में कक्षा 10वीं का छात्र था। दिनेश के घर के पीछे हैंडपंप लगा था। वह काफी दिनों से खराब था। मंगलवार दोपहर तीन बजे दोनों भाई हैंडपंप की मरम्मत के बाद पाइप डाल रहे थे। अंतिम पाइप डालते समय वजन अधिक होने की वजह से एक तरफ झुक गई और पास से गुजर रही हाईटेंशन तार से टकरा गया। पाइप में उतरे करंट से दोनों भाई झुलस गए। उनके शरीर से धुंआ और चिंगारी निकलने लगी। चीख सुनकर पास खड़ी मां पिंकी उन्हें बचाने दौड़ पड़ी। जिससे उन्हें भी करंट लग गया। वह गंभीर रूप से झुलस कर जमीन पर गिरी पड़ीं। घटना के बाद गांव में चीखपुकार मच गई। ग्रामीणों ने विद्युत सब स्टेशन पर फोन कर आपूर्ति को बंद कराया। आनन-फानन में गांव के लोग उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए। वहां चिकित्सक ने दोनों भाइयों को मृत घोषित कर दिया।

बार एसोसिएशन फूलपुर के नव निर्वाचित पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण सम्पन्न

● सांसद प्रवीण पटेल ने दी शुभकामनाएं

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज। बार एसोसिएशन, फूलपुर के नव निर्वाचित पदाधिकारियों एवं कार्यकारिणी सदस्यों का शपथ ग्रहण समारोह गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में फूलपुर के सांसद प्रवीण पटेल मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए और नव निर्वाचित पदाधिकारियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ ग्रहण करने पर बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल कार्यकाल की शुभकामनाएं प्रेषित कीं। समारोह में बड़ी संख्या में अधिवक्तागण, गणमान्य नागरिक एवं विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। शपथ ग्रहण के उपरांत सांसद प्रवीण पटेल ने अपने संबोधन में कहा कि अधिवक्ता समाज न्याय व्यवस्था की महत्वपूर्ण कड़ी है। लोकतंत्र की मजबूती, संविधान की रक्षा तथा आमजन को न्याय दिलाने में अधिवक्ताओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि नव निर्वाचित पदाधिकारी बार और बेंच के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करते हुए अधिवक्ताओं के हितों की रक्षा के लिए सक्रिय भूमिका निभाएंगे। साथ ही दूर दराज गांवों से आने वाले गरीबों के मामलों का हल तथा शीघ्र न्याय दिलाने में मदद करेंगे। उन्होंने कहा कि अधिवक्ताओं के बैठने के लिए चेंबर की व्यवस्था की मांग को मैं शीघ्र हल करने का प्रयास करूंगा लेकिन बार एसोसिएशन और तहसील प्रशासन मिलकर हमको जगह बनाने के लिए उपलब्ध करावे। जैसे-जैसे यहां जमीन उपलब्ध होती जाएगी वैसे-वैसे चेंबर बनाने का काम आगेबढ़ता जाएगा। बार एसोसिएशन केवल अधिवक्ताओं का संगठन नहीं, बल्कि न्यायिक व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने वाला एक महत्वपूर्ण मंच है। उन्होंने अधिवक्ताओं की समस्याओं के समाधान तथा न्यायिक सुविधाओं के विकास के लिए हर संभव सहयोग का भरोसा भी दिलाया। कार्यक्रम के दौरान नव निर्वाचित पदाधिकारियों और कार्यकारिणी सदस्यों का माल्यार्पण कर स्वागत किया गया। वक्ताओं ने संगठन की गरिमा बनाए रखते हुए अधिवक्ताओं के हितों की रक्षा तथा न्यायिक व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने का संकल्प व्यक्त किया। समारोह के अंत में बार एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने सांसद प्रवीण पटेल का आभार व्यक्त किया और उनके द्वारा दिए गए मार्गदर्शन को संगठन के लिए प्रेरणादायक बताया। कार्यक्रम सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ, जिसमें उपस्थित अधिवक्ताओं ने नव निर्वाचित टीम के सफल कार्यकाल की कामना की। कार्यक्रम का संचालन रविन्द्र सिंह यादव ने की। तथा अध्यक्षता वरिष्ठ अधिवक्ता शमीम अहमद सिद्दीकी ने की। इसके पूर्व नव निर्वाचित पदाधिकारी यो को शपथ सहायक चुनाव अधिकारी सृष्टि नाथ तिवारी ने दिलाई।जिसमे विजय बहादुर यादव अध्यक्ष महामंत्री रविंद्र प्रताप सिंह उपाध्यक्ष लालता प्रसाद उपमंत्री नदीम जैदी प्रकाशन मंत्री दीपांकर यादव कोषा अध्यक्ष राजेश तथा कार्य कारिणी के सभी निर्वाचित सदस्यों ने शपथ ली। टाउन एरिया के चेयर मैन अमर नाथ यादव पूर्व सांसद नागेन्द्र सिंह पटेल कई पूर्व अध्यक्षों उप जिलाधिकारी तहसीलदार तथा भारी संख्या में अधिवक्ता गण उपस्थित थे।

पिछड़ा वर्ग के युवाओं के लिए निःशुल्क कम्प्यूटर प्रशिक्षण, 10 जुलाई तक करें आवेदन

स्वतंत्र प्रभात
ब्रेकिंग न्यूज़

भदोही। पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग ने वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए अन्य पिछड़ा वर्ग के बेरोजगार युवक-युवतियों हेतु निःशुल्क 'ओ' लेवल एवं 'सीसीसी' कम्प्यूटर प्रशिक्षण योजना के लिए आवेदन आमंत्रित किए हैं। इच्छुक अभ्यर्थी 10 जुलाई 2026 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी ने बताया कि प्रशिक्षण के लिए इंटरमीडिएट उत्तीर्ण, 35 वर्ष से कम आयु तथा बेरोजगार अभ्यर्थी पात्र होंगे। अभिभावक की वार्षिक आय एक लाख रुपये से अधिक नहीं होनी चाहिए। ऑनलाइन आवेदन के बाद उसकी हार्ड कॉपी एवं आवश्यक अभिलेखों की दो प्रतियां विकास भवन स्थित पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी कार्यालय, कक्ष संख्या-303 में 10 जुलाई तक जमा करना अनिवार्य होगा। आवेदन पत्र जमा न होने पर आवेदन निरस्त माना जाएगा।

पल्स पोलियो अभियान को सफल बनाने के लिए सभी विभाग करें समन्वित प्रयास : डीएम शैलेष कुमार

● 28 जून से शुरू होगा राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भदोही। आगामी 28 जून से शुरू होने वाले राष्ट्रीय पल्स पोलियो टीकाकरण अभियान की तैयारियों की समीक्षा मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी शैलेष कुमार की अध्यक्षता में आयोजित जिला पल्स पोलियो टास्क फोर्स समिति की बैठक में की गई। बैठक में जिलाधिकारी ने कहा कि अभियान की सफलता के लिए सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें और यह सुनिश्चित करें कि जनपद का कोई भी शून्य से पांच वर्ष तक का बच्चा पोलियो की खुराक से वंचित न रहे। उन्होंने बताया कि 28 जून को बूथ दिवस आयोजित किया जाएगा, जबकि 29 जून से तीन जुलाई तक घर-घर जाकर बच्चों को पोलियो की दवा पिलाई जाएगी। इसके अलावा छह जुलाई को बी-टीम गतिविधियां संचालित की जाएंगी। डीएम ने निर्देश दिया कि ईंट-भट्टों, निर्माण स्थलों, घुमंतू परिवारों तथा अन्य संवेदनशील क्षेत्रों में विशेष अभियान चलाकर शत-प्रतिशत बच्चों का टीकाकरण सुनिश्चित किया जाए। रेलवे स्टेशन, बस एवं टैम्पो स्टैंड, प्रमुख चौराहों और मेलों में ट्रांजिट एवं मोबाइल टीमों की तैनाती कर अधिक से अधिक बच्चों तक पहुंच बनाई जाए। उन्होंने अभियान के दौरान प्रतिदिन ब्लॉक एवं जनपद स्तर पर समीक्षा बैठक आयोजित करने तथा छूटे हुए बच्चों को तत्काल चिन्हित कर उन्हें पोलियो की खुराक दिलाने के निर्देश दिए। साथ ही सोशल मीडिया, वाल राइटिंग, जनजागरूकता रैलियों, माइकिंग, डिजिटल स्क्रीन, होर्डिंग और स्थानीय समाचार माध्यमों के जरिए व्यापक प्रचार-प्रसार करने पर भी जोर दिया। जिलाधिकारी ने कहा कि सभी अधिकारी एवं कर्मचारी मिशन मोड में कार्य करते हुए जनपद को आवंटित लक्ष्य के अनुरूप पात्र बच्चों का शत-प्रतिशत टीकाकरण सुनिश्चित करें। बैठक में एसीएमओ डॉ. संतोष कुमार चक, जिला विद्यालय निरीक्षक अंशुमान, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी शिवम पांडेय सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

15 साल जेल, फिर फरारी और क्राइम... आखिर कैसे खत्म हुआ 'सत्तू' का आतंक?

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मुजफ्फरनगर में पुलिस मुठभेड़ में घायल हुए 25 हजार रुपए के इनामी बदमाश सतपाल उर्फ सत्तू की इलाज के दौरान मौत हो गई. नाबालिग लड़की के अपहरण मामले में वांछित आरोपी की तलाश चार राज्यों की पुलिस कर रही थी. पुलिस के अनुसार, मुठभेड़ के दौरान उसने पुलिस टीम पर फायरिंग की थी. आरोपी पर हत्या, लूट, रंगदारी, बलात्कार और गैंगरेप समेत दो दर्जन से अधिक मुकदमे दर्ज थे। उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर में पुलिस मुठभेड़ में घायल हुए कुख्यात अपराधी सतपाल उर्फ सत्तू की इलाज के दौरान मौत हो गई. स्क्कसिटी अमृत जैन ने उसकी मौत की पुष्टि की. बीते सोमवार देर रात सिविल लाइन थाना क्षेत्र में हुई मुठभेड़ में बदमाश पुलिस की जवाबी फायरिंग में घायल हुआ था. उस पर मुजफ्फरनगर पुलिस ने 25 हजार रुपए का इनाम घोषित कर रखा था और उसकी तलाश उत्तर प्रदेश समेत चार राज्यों की पुलिस कर रही थी। पुलिस के अनुसार, 19 जून को सिविल लाइन थाना क्षेत्र में एक व्यक्ति ने अपनी नाबालिग बेटी के अपहरण की रिपोर्ट दर्ज कराई थी. शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने तत्काल मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की. मामले की गंभीरता को देखते हुए स्स्क्क संजय कुमार वर्मा ने 10 विशेष टीमों का गठन किया था. करीब एक हजार सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालने के बाद पुलिस को सतपाल उर्फ सत्तू के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी मिली. जांच में सामने आया कि आरोपी पंजाब के लुधियाना की जेल से फरवरी 2026 में फरार हुआ था और लगातार विभिन्न राज्यों में अपराध कर रहा था।

चेकिंग के दौरान पुलिस पर की फायरिंग

सोमवार देर रात पुलिस को सूचना मिली कि नाबालिग के अपहरण में वांछित आरोपी किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने की फिराक में क्षेत्र में मौजूद है. सूचना के आधार पर सिविल लाइन थाना पुलिस और एसओजी टीम ने बामनहेड़ी-रुड़की रोड पर वाहन चेकिंग अभियान शुरू किया. इसी दौरान एक कार को रोकने का प्रयास किया गया. पुलिस के अनुसार, खुद को घिरता देख कार सवार बदमाश ने पुलिस टीम पर फायरिंग शुरू कर दी. जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने घेराबंदी कर फायरिंग की, जिसमें सतपाल उर्फ सत्तू गोली लगने से घायल हो गया. मुठभेड़ के दौरान सब-इंस्पेक्टर अजय गौड़ और सिपाही अंकित भी गोली लगने से घायल हुए।

अस्पताल में भर्ती, फिर इलाज के दौरान मौत

मुठभेड़ के बाद पुलिस ने घायल बदमाश और दोनों पुलिसकर्मियों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया. प्राथमिक उपचार के बाद आरोपी की हालत गंभीर होने पर उसे हायर सेंटर रेफर किया गया था. हालांकि उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई. वहीं घायल पुलिसकर्मियों का इलाज जारी है।

छोटा राजन गैंग से जुड़े होने की चर्चा

पुलिस अधिकारियों के अनुसार, सतपाल उर्फ सत्तू मूल रूप से चंडीगढ़ का रहने वाला था और उसका लंबा आपराधिक इतिहास रहा है. उस पर हत्या, लूट, डकैती, रंगदारी, बलात्कार, गैंगरेप और हमले जैसे दो दर्जन से अधिक मुकदमे दर्ज थे. साल 2010 में मेरठ पुलिस द्वारा गिरफ्तारी के दौरान उसका नाम छोटा राजन गैंग से भी जोड़ा गया था. वह खुद को रणजी क्रिकेट खिलाड़ी बताकर भी चर्चा में रहा था। पुलिस का दावा है कि पिछले चार महीनों में उसने विभिन्न राज्यों में 10 से अधिक नाबालिग लड़कियों के अपहरण की घटनाओं को अंजाम दिया था. मेरठ, सहारनपुर, करनाल और मुजफ्फरनगर सहित कई स्थानों पर उसके खिलाफ मामले दर्ज थे।

पहचान छिपाकर रहता था

जांच में सामने आया कि सतपाल बेहद शातिर तरीके से अपनी गतिविधियां संचालित करता था. वह सामान्य कीपैड फोन का इस्तेमाल करता था, जिसे अधिकांश समय बंद रखता था. टोल प्लाजा और सीसीटीवी निगरानी वाले स्थानों से बचकर चलता था . परिवार से भी दूरी बनाए रखता था, ताकि उसकी लोकेशन और पहचान उजागर न हो सके। मुठभेड़ के बाद पुलिस ने अपहृत नाबालिग लड़की को सकुशल बरामद कर लिया. मौके से घटना में प्रयुक्त कार, अवैध पिस्टल, कारतूस, मोबाइल फोन, फर्जी आधार कार्ड और किशोरी के कुछ सामान भी बरामद किए गए हैं. पुलिस का कहना है कि आरोपी की मौत के बाद भी उससे जुड़े नेटवर्क और अन्य मामलों की जांच जारी रहेगी. वहीं अपहृत किशोरी को सुरक्षित उसके परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया है. पुलिस अब पूरे मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई कर रही है।

मौत पर राजनीति न करें अखिलेश, अलीगंज की घटना उनके कुकृत्यों का नतीजा... उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक का बड़ा हमला

● डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने अलीगंज अग्निकांड को लेकर अखिलेश यादव पर तीखा हमला बोला है. उन्होंने कहा कि यह दर्दनाक हादसा अखिलेश सरकार के दौरान हुए अवैध निर्माण और ध्वस्तीकरण आदेश रद्द करने का नतीजा है. पाठक ने अखिलेश पर मौत पर राजनीति करने का आरोप लगाया, जबकि योगी सरकार त्वरित कार्रवाई कर रही है. उन्होंने पीड़ितों को न्याय और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई का आश्वासन दिया।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

अलीगंज अग्निकांड पर अब सियासत गरमा गई है. उत्तर प्रदेश के डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने विपक्ष पर राजनीति करने का आरोप लगाते हुए बड़ा हमला बोला है. उन्होंने अखिलेश यादव पर हमला बोलते हुए कि यह हादसा उनकी सरकार के कुकृत्यों का नमूना है. इस हृदयविदारक घटना में 15 लोगों की जान गई है और वह एसी कमरे में बैठकर राजनीति कर रहे हैं. अलीगंज अग्निकांड को ब्रजेश पाठक ने अखिलेश सरकार के समय का भ्रष्टाचार का नमूना करार दिया. उन्होंने कहा कि प्लॉट आवंटन से लेकर एवं अवैध बिल्डिंग का निर्माण का काम सभी उनकी सरकार के दौरान ही हुआ था। उन्होंने अखिलेश यादव पर निशाना साधते हुए कहा कि उनकी सरकार के समय इसे सील करके सील खोलने का काम किया गया और ध्वस्तीकरण के आदेश को रद्द करने का काम किया था. ये दर्दनाक घटना उनके ही सरकार के कुकृत्यों का यह नतीजा है। डिप्टी सीएम ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अपने सारे कार्यक्रम रद करके स्वयं तत्काल घटनास्थल पर पहुंचे. पीड़ित परिवारों से मिले.

उन्हें न्याय दिलाने के लिए रात में ही सरकार की ओर से कार्रवाई शुरू कर दी गई थी. उन्होंने कहा कि इस हादसे में जिन लोगों ने परिवार के सदस्यों को खो दिया है. उनके लिए सरकार हर संभव मदद और न्याय सुनिश्चित करेगी।

अखिलेश सरकार के समय हुआ था भवन का निर्माण

लखनऊ अग्निकांड के बाद अब उस भवन के निर्माण की अनुमति और जिम्मेदार अधिकारियों की भूमिका पर सवाल उठ रहे हैं. आरोप है कि अखिलेश यादव सरकार के कार्यकाल में इस इमारत को लेकर कई फैसले हुए, जिनकी वजह से अवैध निर्माण को बढ़ावा मिला। बताया जा रहा है कि यह भवन 1980 में लॉटरी के जरिए आवंटित हुआ था, लेकिन वर्ष 2014 में तत्कालीन सरकार के दौरान 1992 वर्गफुट के आवासीय नक्शे को मंजूरी दी गई. इसके बाद 2016 में अवैध निर्माण को लेकर मुकदमा दर्ज हुआ और 10 मई 2016 को ध्वस्तीकरण का आदेश जारी किया गया. हालांकि, दो महीने बाद 5 जुलाई 2016 को यह आदेश रद्द कर दिया गया. अब सवाल उठ रहा है कि ध्वस्तीकरण का फैसला क्यों वापस लिया गया।

निर्माण प्रक्रिया में नियमों के पालन पर सवाल

सैटेलाइट तस्वीरों के आधार पर दावा किया जा रहा है कि दिसंबर 2015 में प्लॉट खाली था, जबकि फरवरी 2016 में निर्माण शुरू हुआ और जून 2016 तक इमारत तैयार हो गई. इससे निर्माण प्रक्रिया और नियमों के पालन को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं। विपक्ष आरोप लगा रहा है कि उस समय अवैध निर्माण पर प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई और जिम्मेदारी तय नहीं की गई. वहीं, इस हादसे के बाद प्रशासनिक लापरवाही और भवन निर्माण नियमों के उल्लंघन की जांच की जा रही है।

बुलंदशहर में बदले की खूनी कहानी, दोस्त के बेटे ने गैंगस्टर रोहताश राणा को गोलियों से भूना

● बुलंदशहर के गुलावठी बाजार में गैंगस्टर रोहताश राणा की गोली मारकर हत्या कर दी गई. यह वारदात पुरानी रंजिश का नतीजा बताई जा रही है, जहां बलबीर की हत्या का बदला लिया गया. पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मुठभेड़ के बाद दोनों आरोपी विपिन और पुष्पेंद्र को हथियार सहित गिरफ्तार कर लिया. मामले की गहन जांच जारी है।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर जिले में मंगलवार को गैंगस्टर रोहताश राणा की गोली मारकर हत्या कर दी गई. वारदात गुलावठी कोतवाली क्षेत्र के बाजार में हुई, जहां बाइक सवार दो हमलावरों ने दुकान पर बैठे रोहताश राणा को निशाना बनाते हुए ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी. गोली लगने से रोहताश की मौके पर ही मौत हो गई. घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया और भारी संख्या में पुलिस बल मौके पर पहुंच गया। जानकारी के अनुसार, हत्या को अंजाम देने के बाद दोनों आरोपी मौके से फरार होने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए घटना स्थल से कुछ दूरी पर ही उन्हें घेर लिया. गिरफ्तारी के दौरान आरोपियों और पुलिस के बीच मुठभेड़ भी हुई, जिसमें गुलावठी कोतवाल को चोटें आई हैं. हालांकि पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया और उनके कब्जे से हत्या में इस्तेमाल किया गया हथियार भी बरामद कर लिया।

गैंगस्टर रोहताश राणा की दिनदहाड़े हत्या

पुलिस जांच में सामने आया है कि इस हत्याकांड के पीछे पुरानी रंजिश वजह हो सकती है. बताया जा रहा है कि वर्ष 2025 में रोहताश राणा ने अपने दोस्त बलबीर की हत्या कर दी थी. इसी मामले को लेकर बलबीर के बेटे विपिन और भतीजे पुष्पेंद्र ने बदला लेने का प्लान बनाया और मौका मिलते ही रोहताश की हत्या कर दी. पुलिस फिलहाल पूरे घटनाक्रम की गहन जांच कर रही है। मृतक रोहताश राणा के खिलाफ गैंगस्टर एक्ट समेत कई गंभीर आपराधिक मामले दर्ज बताए जा रहे हैं. वहीं पुलिस अब गिरफ्तार आरोपियों विपिन और पुष्पेंद्र की आपराधिक पृष्ठभूमि भी खंगाल रही है. अधिकारियों का कहना है कि हत्या की साजिश, तैयारी और इसमें किसी अन्य व्यक्ति की भूमिका की भी जांच की जाएगी।

गोली मारने वाले आरोपी गिरफ्तार

घटना की सूचना मिलते ही वरिष्ठ पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया. बुलंदशहर के एसएसपी दिनेश कुमार सिंह ने बताया कि पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है. उन्होंने कहा कि गिरफ्तारी अभियान में शामिल पुलिस टीम को 25 हजार रुपये के नकद पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। फिलहाल पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर रही है और मामले से जुड़े सभी पहलुओं की जांच में जुटी है. वहीं, दिनदहाड़े हुई इस वारदात ने इलाके में सनसनी फैला दी है और कानून-व्यवस्था को लेकर भी कई सवाल खड़े कर दिए हैं।

लखनऊ अलीगंज अग्निकांड: LDA के 18 इंजीनियरों समेत कई अधिकारियों पर गिर सकती है गाज

● लखनऊ के अलीगंज अग्निकांड मामले में एलडीए ने बड़ा एक्शन लिया है. प्रारंभिक जांच में अवैध निर्माण और मानचित्र उल्लंघन को लेकर तत्कालीन विहित प्राधिकारी, 5 जोनल अधिकारियों और 18 इंजीनियरों की जिम्मेदारी तय की गई है।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

अलीगंज अग्निकांड मामले में लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए) ने बड़ा कदम उठाया है. एलडीए उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार ने मामले की प्रारंभिक जांच के बाद तत्कालीन विहित प्राधिकारी, 5 जोनल अधिकारियों और 18 इंजीनियरों की जिम्मेदारी तय करते हुए उनके खिलाफ कार्रवाई की सिफारिश शासन से की है. इस संबंध में विस्तृत रिपोर्ट शासन को भेज दी गई है।

एलडीए उपाध्यक्ष ने खुद की जांच

अलीगंज सेक्टर-डी स्थित उस बिल्डिंग में आग लगने की घटना के बाद एलडीए उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार ने मामले से जुड़ी फाइलों की खुद समीक्षा की. उन्होंने यह पता लगाया कि भूखंड का आवंटन कब हुआ, रजिस्ट्री कब हुई, भवन का नक्शा कब पास किया गया और निर्माण के दौरान नियमों का पालन हुआ या नहीं. जांच में यह भी देखा गया कि अवैध निर्माण को रोकने के लिए जिम्मेदार अधिकारियों ने अपनी ड्यूटी सही तरीके से निभाई या नहीं। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि जिस भवन का नक्शा केवल आवासीय उपयोग के लिए स्वीकृत किया गया था, वहां समय के साथ व्यावसायिक गतिविधियां शुरू हो गई. भवन में कई मंजिलों पर व्यवसायिक संस्थान संचालित किए जा रहे थे. इसके बावजूद संबंधित अधिकारियों ने न तो प्रभावी निगरानी की और न ही समय पर कार्रवाई की. इसी वजह से मानचित्र उल्लंघन और अवैध निर्माण वर्षों तक जारी रहा।

ध्वस्तीकरण आदेश के बाद भी नहीं हुई कार्रवाई

जांच में तत्कालीन विहित प्राधिकारी दुर्गेश श्रीवास्तव की भूमिका को भी गंभीर माना गया है.

रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2016 में भवन के खिलाफ ध्वस्तीकरण (तोड़ने) का आदेश जारी किया गया था. हालांकि बाद में भवन स्वामी के आवेदन पर यह आदेश समाप्त कर दिया गया. जांच में सवाल उठाया गया है कि आदेश हटाने के बाद भवन की स्थिति, उपयोग और नियमों के पालन की दोबारा जांच क्यों नहीं की गई।

कई अधिकारियों और इंजीनियरों पर लापरवाही का आरोप

एलडीए की जांच में यह पाया गया कि प्रवर्तन जोन-4 में तैनात कई अधिकारियों और इंजीनियरों ने अपने दायित्वों का सही तरीके से निर्वहन नहीं किया. इसी कारण अवैध निर्माण और नियमों के उल्लंघन को समय रहते नहीं रोका जा सका. एलडीए उपाध्यक्ष ने संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही तय करते हुए उनके खिलाफ कार्रवाई की सिफारिश की है।

इन अधिकारियों के खिलाफ भेजी गई रिपोर्ट

कार्रवाई की सिफारिश में तत्कालीन विहित प्राधिकारी दुर्गेश श्रीवास्तव का नाम शामिल है. इसके अलावा तत्कालीन जोनल अधिकारियों के रूप में कार्यरत अधिशासी अभियंता अवनीन्द्र सिंह, बी.पी. मौर्य, पी.सी. पांडेय और आनंद मिश्रा के खिलाफ भी रिपोर्ट भेजी गई है। साथ ही 6 सहायक अभियंताओं और 7 अवर अभियंताओं के खिलाफ भी कार्रवाई की सिफारिश की गई है. इनमें सुनील कुमार, गिरीश चंद्र शर्मा, अमर कुमार मिश्रा, आर.एस. सिंह, अनिल कुमार, संजय शुक्ला, जय प्रकाश नारायण, रवींद्र कुमार श्रीवास्तव, ज्ञान प्रकाश श्रीवास्तव, प्रमोद पांडेय, अंबरीश कुमार शर्मा, शिवानंद शुक्ला और हेमंत कुमार (निलंबित) शामिल हैं।

शासन के फैसले का इंतजार

एलडीए की रिपोर्ट शासन को भेज दी गई है. अब शासन स्तर पर रिपोर्ट की समीक्षा के बाद संबंधित अधिकारियों और इंजीनियरों के खिलाफ आगे की कार्रवाई तय की जाएगी. अलीगंज अग्निकांड के बाद यह कार्रवाई जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

आशाओ को एक दिवसीय प्लस पोलियो संचारी रोग अभियान का दिया गया प्रशिक्षण

सीखड़ – विकास खण्ड अन्तर्गत बगहा ग्राम पंचायत में स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर सामुदायिक स्वास्थ केंद्र के अधिक्षक डॉ भरत चन्द्र यादव के दिशा निर्देशन में आगामी 28 जून से 6 जुलाई तक चलने वाले प्लस पोलियो अभियान तथा 1 जुलाई से 31 जुलाई तक चलने वाले संचारी रोग नियंत्रण अभियान एवं 11 जुलाई से दस्तक अभियान को सफल बनाने हेतु बी सी पी एम मनीष कुमार सिंह सीएचओ अमर सिंह के कुशल नेतृत्व में विकास खण्ड की आंगनबाड़ी कार्यकत्री एवं आशा बहूओ आशा संगिनीयो को योजनाओं के बारे में विन्दुवार प्रशिक्षित किया गया। प्रशिक्षण मे आंगनबाड़ी कार्यकत्री नीलम पांडेय,साक्षी पांडेय, ममता देवी, पुष्पा देवी, श्रेया सिंह, तपेसरा देवी,तारा, नीलम देवी आशा संगिनी शांति देवी सहित अन्य आंगनबाड़ी कार्यकत्री आशा कार्यकर्ता उपस्थित रहीं।

संक्षिप्त खबरें

मैलानी में आठवें बड़े मंगल पर भव्य भंडारे का आयोजन

मैलानी-खीरी। ज्येष्ठ मास के आठवें बड़े मंगल के पावन अवसर पर मैलानी कस्बे में नगर पंचायत अध्यक्षा कीर्ति माहेश्वरी और समाजसेवी भवानी शंकर माहेश्वरी की ओर से श्रद्धालुओं के लिए भव्य भंडारे का आयोजन किया गया।हर वर्ष समाज सेवी भवानी शंकर माहेश्वरी और नगर पंचायत अध्यक्षा कीर्ति माहेश्वरी ज्येष्ठ मास में भंडारे का आयोजन किया करते हैं और इसके अलावा जरूरत मंद लोगों की सहायता किया करते हैं।इसलिए हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी हनुमान जी की पूजा अर्चना और आरती के बाद भंडारे का आयोजन किया गया।भंडारे के पहले श्री राम और हनुमान जी के जयकारों के साथ सुंदर काण्ड का पाठ किया गया।फिर कन्यानों को प्रसाद खिला कर भंडारे का प्रारंभ किया गया। भंडारे में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने पहुंचकर प्रसाद ग्रहण किया तथा भगवान हनुमान जी का आशीर्वाद प्राप्त किया। भंडारे के दौरान श्रद्धा,भक्ति एवं सामाजिक सौहार्द का वातावरण देखने को मिला।श्रद्धालुओं की सेवा के लिए आयोजकों द्वारा समुचित व्यवस्थाएं की गई थीं।सारा वातावरण श्री राम,शिव शंकर और हनुमान जी के जयकारों के से गुंजायमान हो गया।उपस्थित लोगों ने ऐसे धार्मिक एवं सामाजिक आयोजनों को समाज में एकता और भाईचारे को बढ़ावा देने वाला बताया।समाज सेवी भवानी शंकर ने बताया कि इस तरह के कार्यक्रम से भक्ति भावना बढ़ती है और एकता था भाईचारा भी बढ़ता है।इस अवसर पर पूर्व जिलाध्यक्ष सुनील सिंह,गोला चेयरमैन रिंकू शुक्ल, खुटार ब्लॉक प्रमुख नमित दीक्षित,विजय माहेश्वरी,कुलदीप वर्मा,मिथलेश,लक्ष्मण गुप्ता, हरदिया सिंह,नवीन दिवाकर,शशि शंकर दिवाकर, जिला उपाध्यक्ष गुरमीत कौर, प्रताप सिंह रावत,द्वारिका प्रसाद गोयल, सतीश गोयल,सुभाष गोयल हरिहर दत्त मिश्र, शिव गोविंद कुशवाहा, अजीत सक्सेना, नंद कुमार पाण्डेय, नितिन गुप्ता, राजेश शर्मा, संजय शर्मा, प्रदीप शर्मा, गोपाल सिंघल, सुरेंद्र मिश्र सभासदगण,नगर पंचायत के समस्त कर्मचारी और मैलानी नगर तथा आस पास क्षेत्र के युवा,बच्चे,औरतें और बुजुर्गों सहित काफी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

पत्नी की धमकियों से परेशान होकर युवक ने की थी खुदकुशी, अब कोर्ट के आदेश पर ससुराल वालों के खिलाफ FIR दर्ज

रिठौरा (बरेली)। थाना हाफिजगंज पुलिस ने न्यायालय के आदेश पर युवक की आत्महत्या के मामले में उसकी पत्नी समेत पांच लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।गांव आसपुर हसन अली निवासी मनोहर लाल ने एसीजेएम-तृतीय न्यायालय में प्रार्थना पत्र देकर आरोप लगाया था कि उनके पुत्र अमन का विवाह 12 अक्टूबर 2024 को इज्जतनगर क्षेत्र के तुलाशेरपुर निवासी कविता से हुआ था। विवाह के कुछ समय बाद से ही पति-पत्नी के बीच विवाद रहने लगा। आरोप है कि पत्नी कविता अमन पर परिवार से अलग रहने का दबाव बनाती थी और विरोध करने पर दहेज के मुकदमे में फंसाने की धमकी देती थी। तहरीर के अनुसार, 9 जुलाई 2025 को विवाद के बाद अमन अपनी पत्नी को मायके छोड़ आया। आरोप है कि कविता अपने साथ करीब पांच लाख रुपये के जेवर भी ले गई। जब अमन ने जेवर वापस मांगे तो कविता, उसके पिता हरद्वारी लाल और भाई नरेश, सुनील व गौरव ने कथित रूप से गाली-गलौज करते हुए जेवर लौटाने से इनकार कर दिया। 15 जुलाई को अमन ने पत्नी को वापस लाने का प्रयास किया, लेकिन उसने साथ रहने से मना कर दिया। प्रार्थना पत्र में आरोप लगाया गया है कि पत्नी और उसके परिजनों द्वारा लगातार मानसिक प्रताड़ना और अपमानित किए जाने से परेशान होकर 16 जुलाई 2025 को अमन ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना के बाद परिजनों ने थाना हाफिजगंज में शिकायत दी, लेकिन कार्रवाई न होने पर न्यायालय की शरण ली। न्यायालय के आदेश के बाद थाना हाफिजगंज पुलिस ने पत्नी कविता, उसके पिता हरद्वारी लाल तथा भाई नरेश, सुनील और गौरव के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर मामले की विवेचना शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि मामले की निष्पक्ष जांच की जा रही है और विवेचना में जो तथ्य सामने आएंगे, उनके आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

बिना रजिस्ट्रेशन के व अन्य मानक के टी. एस. आर हर्बल क्लिनिक की आड़ चल रहा मौत का अस्पताल

● चल रहा टी.एस. आर हर्बल क्लिनिक/ हॉस्पिटल, कब जागेगा प्रशासन

न प्रशिक्षित डॉक्टर और न ही प्रशिक्षित पैरा स्टॉफ ,फिर भी बेखौफ चल रहा मौत का हॉस्पिटल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखीमपुर खीरी। जनपद लखीमपुर खीरी में स्वास्थ्य विभाग की कथित ढील का फायदा उठाकर गली-कूचों में झोलाछाप डॉक्टरों और अवैध अस्पतालों का जाल कुकुरमुत्तों की तरह फैलता जा रहा है। ताजा और सबसे हैरान करने वाला मामला अलीगंज में पुराने बस अड्डे के पास गली में ऑन रोड चल रहे टी.एस.आर. हर्बल क्लिनिक/हॉस्पिटल से सामने आया है। जो सीधे तौर पर मरीजों की जिंदगी से खिलवाड़ कर रहा है।

रजिस्ट्रेशन गायब डॉक्टर नदारद!

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार अलीगंज कस्बे में ऑन रोड सीना तानकर टी एस. आर हर्बल क्लिनिक कीआड़ में चलरहे/ हॉस्पिटल के पास न तो कोई वैध रजिस्ट्रेशन है और न ही मरीजों के इलाज के लिए कोई योग्य या डिग्रीधारक डॉक्टर।

इसके बावजूद भोले-भाले मरीजों को जाल में फंसाकर यहाँ धड़ल्ले से भर्ती किया जा रहा है और उनका शोषण हो रहा है। अब सवाल यह उठता है कि ऑन रोड महीनों से चल रहे इस अवैध खेल पर आखिर स्वास्थ्य महकमा आँखें मूंदे क्यों बैठा है। सी. एच सी अधीक्षक बांके गंज डॉक्टर अमित सिंह को इसकी भनक क्यों नहीं है। सीएचसी अधीक्षक का गैर जिम्मेदाराना जवाब, आज मैं बाहर हु आप मुझे सब डिटेल्स लिखकर भेज दो मैं कल दिखवाता हूं । जब इस गंभीर मामले और अवैध अस्पताल की हकीकत जानने के लिए सीएचसी अधीक्षक अमित सिंह से फोन पर संपर्क किया गया तो उनका जवाब बेहद चौंकाने वाला था। उन्होंने मामले की गंभीरता को समझने के बजाय पल्ला झाड़ते हुए कहा

मामला मेरे संज्ञान में अब आया है कल आकर देखता हूँ। ?मरीजों की जान पर मंडराते खतरे के बीच जिम्मेदार अधिकारी का ऐसा ठंडा रुख स्वास्थ्य विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े करता है।

क्या किसी बड़े हादसे के बाद ही प्रशासन की नींद टूटेगी

क्या होगी कार्रवाई या रफा-दफा होगा मामला अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या कल दफ्तर लौटते ही सीएचसी अधीक्षक अमित सिंह इस अवैध और जानलेवा, टी.एस आर हर्बल हॉस्पिटल पर सीलिंग की कार्रवाई करेंगे या फिर हर बार की तरह इस बार भी मामले को ठंडे बस्ते में डाल दिया जाएगा ?यह तो आने वाला वक्त ही बताएगा लेकिन इस मौत के अस्पताल पर सख्त से सख्त एक्शन होना अब बेहद जरूरी हो चुका है।

बड़े मंगल पर एसपी कैम्प कार्यालय में भव्य भंडारा, डॉ. ख्याति गर्ग ने वितरित किया प्रसाद

लखीमपुर खीरी मे बड़े मंगल के अवसर पर पुलिस अधीक्षक कैम्प कार्यालय, खीरी में भव्य भंडारे का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ पुलिस अधीक्षक डॉ. ख्याति गर्ग ने पूजा-अर्चना एवं हनुमान जी की आरती के साथ किया। इसके बाद उन्होंने श्रद्धालुओं और आमजन को प्रसाद वितरित किया। भंडारे में बड़ी संख्या में लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर डॉ. गर्ग ने कहा कि बड़े मंगल सेवा, समर्पण और जनकल्याण का संदेश देता है। कार्यक्रम शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न।

पीडिता ने लगाई पुलिस अधीक्षक से न्याय की गुहार

● लाठी डंडा से पीटकर पीडिता व उसकी बहु को बुरी तरह से घायल करने वालों के खिलाफ नहीं दर्ज की गई रिपोर्ट और न ही कराया गया मेडिकल परीक्षण

कार्रवाई की बजाय पीडिता पर हल्का दरोगा बना रहा सुलह करने का दबाब

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

खीमपुर/बांकेगंज खीरी- मामला थाना हैदराबाद के गांव पन्नापूर का बताया जाता है।सूत्रों द्वारा मिली जानकारी के अनुसार पीडिता का खेत की मेड को लेकर गाव के ही विपक्षी गणों अवनीश पुत्र फेरूलाल ,फेरूलाल पुत्र ललतु आदी से कहा सुनी हो गई थी जिसके चलते उक्त दबंग किस्म लोग पीडिता से रंजिश मानने लगे थे घटना दिनाक 17/06/2026 समय करीब 06 बजे शाम को उपरोक्त लोग लाठियां लेकर पीडिता के दरवाजे पर आए और गंदी गंदी अश्लील भद्दी भद्दी गालियां देना शुरू कर दिया जब पीडिता ने गाली देने से मना किया तो उक्त दोनों ने पीडिता की लाठी से पिटाई कर दी बीच बचाव करने गई पीडिता की बहू को भी जमकर पीटा जिससे उसका सर फट गया और बेहोश हो कर गिर गई।विपक्षी गणों की पिटाई से दोनों को काफी चोट आई। पीडिता ने घटना की लिखित तहरीर थाना हैदराबाद में देकर रिपोर्ट दर्ज किए जाने तथा घायलों का मेडिकल परीक्षण कराए जाने की मांग की।आज घटना के एक हफ्ता बाद भी कार्रवाई तो दूर पुलिस ने घटना स्थल पर जाकर जाँच करना तक उचित नहीं समझा और न ही घायल दोनों पीडिता का मेडिकल परीक्षण कराना ही उचित समझा।पुलिस और विपक्षी गणों की चल रहीं मिलीभगत से आहत पीडिता ने पुलिस अधीक्षक से न्याय की गुहार लगायी है और मामले की मुख्यमंत्री पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराकर रिपोर्ट दर्ज कराए जाने तथा घायलों का मेडिकल परीक्षण कराए जाने की मांग की है। अब देखना यह है कि घटना की रिपोर्ट दर्ज की जाएगी या फिर हल्का दरोगा सुलह कराने में कामयाब रहेंगे।

जय महाकाल फ्लोर मिल पर जीएसटी विभाग की दबिश

● चार घंटे तक चली गहन जांच से मचा हड़कंप

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

तिलहर शहजहांपुर। नगर के हाइवे स्थित जय महाकाल फ्लोर मिल पर मंगलवार को जीएसटी विभाग की टीम के पहुंचते ही कारोबारी क्षेत्र में हड़कंप मच गया। दोपहर करीब दो बजे शुरू हुई विभागीय जांच देर शाम तक चलती रही। करीब चार घंटे तक अधिकारियों ने मिल से जुड़े अभिलेखों, खरीद-बिक्री के रिकॉर्ड, स्टॉक रजिस्टर और कर संबंधी दस्तावेजों की गहन पड़ताल की। अचानक हुई इस कार्रवाई से क्षेत्र के व्यापारियों में खासी हलचल देखी गई। जांच के दौरान मिल का मुख्य गेट बंद रखा गया और बाहरी लोगों की आवाजाही सीमित कर दी गई। विभागीय अधिकारी लगातार दस्तावेजों का मिलान करते रहे, जिससे आसपास के क्षेत्र में तरह-तरह की चर्चाएं शुरू हो गईं। जैसे ही जीएसटी जांच की सूचना फैली, नगर में कार्रवाई को लेकर कयासों का दौर शुरू हो गया। लोग यह जानने को उत्सुक रहे कि आखिर विभाग को ऐसी कौन-सी सूचना मिली, जिसके आधार पर जय महाकाल फ्लोर मिल में घंटों तक जांच की गई। हालांकि विभाग ने अभी तक जांच के उद्देश्य और निष्कर्षों को सार्वजनिक नहीं किया है। स्थानीय स्तर पर फ्लोर मिल कारोबार और कर अनुपालन को लेकर समय-समय पर सवाल उठते रहे हैं। ऐसे में इस जांच ने कई नई चर्चाओं को जन्म दे दिया है। कुछ लोगों ने संबंधित विभागों की निगरानी व्यवस्था पर भी सवाल उठाए हैं, हालांकि इन दावों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हो सकी है। जीएसटी विभाग के अधिकारियों से संपर्क करने का प्रयास किया गया, लेकिन समाचार लिखे जाने तक कोई आधिकारिक बयान नहीं मिल सका। विभागीय सूत्रों का कहना है कि जांच से संबंधित रिपोर्ट तैयार की जा रही है और आवश्यकता पड़ने पर आगे की कार्रवाई की जा सकती है। फिलहाल नगर में सबसे बड़ा सवाल यही है कि जय महाकाल फ्लोर मिल में चार घंटे तक चली इस जांच में विभाग के हाथ क्या लगा और क्या आने वाले दिनों में इस मामले में कोई बड़ी कार्रवाई सामने आएगी।

ठेले वालों से अवैध वसूली का आरोप, मंडी समिति कर्मियों पर भी उठे सवाल

टूण्डला- नवीन मंडी समिति के बाहर एवं आसपास क्षेत्र में ठेला लगाकर रोजी-रोटी कमाने वाले ठेला संचालकों ने एक ठेकेदार पर जबरन वसूली करने का आरोप लगाया है। पीड़ितों का कहना है कि संजय नामक व्यक्ति प्रतिदिन 130 रुपये प्रति ठेला के हिसाब से वसूली करता है और रुपये न देने पर धमकियां देता है। ठेला संचालकों के अनुसार, यदि कोई व्यक्ति निर्धारित राशि देने से मना करता है तो उसे पुलिस से पकड़वाने और ठेला हटवाने की धमकी दी जाती है। कुछ ठेले वालों ने आरोप लगाया कि इस मामले में मंडी समिति के कुछ कर्मियों की भूमिका भी संदिग्ध है और वे भी ठेला हटाने की चेतावनी देते हैं। पीड़ित ठेलेवालों का कहना है कि वे मेहनत-मजदूरी कर अपने परिवार का भरण-पोषण करते हैं, ऐसे में प्रतिदिन की इस कथित वसूली से उन पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ रहा है। उन्होंने प्रशासन से मामले की निष्पक्ष जांच कराकर अवैध वसूली पर रोक लगाने की मांग की है।

देव प्रतिमाओं की भव्य शोभायात्रा से गूंजा तिलहर

● जयघोषों के बीच हुआ मंदिरों में दिव्य मिलन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

तिलहर, शाहजहांपुर। नगर के प्राचीन उदासीन आश्रम में आयोजित प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव के अंतर्गत मंगलवार को भव्य शोभायात्रा निकाली गई। श्रद्धा और भक्ति से सराबोर इस धार्मिक आयोजन में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। रथों पर सुसज्जित देव प्रतिमाओं के दर्शन के लिए मार्ग में लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। पूरे नगर में 'जय श्री राम ', 'हर-हर महादेव' और 'राधे-राधे' के जयघोष गूंजते रहे। महंत सुरेश मुनि महाराज के मार्गदर्शन तथा समाजसेवी संजीव कुमार गुप्ता एवं प्रदीप कुमार गुप्ता के सहयोग से चल रहे धार्मिक अनुष्ठान के तहत शिव परिवार, राम दरबार, श्री राधा-कृष्ण, मां दुर्गा और शनिदेव महाराज की प्रतिमाओं का विशेष पूजन-अर्चन कर उन्हें भव्य रथों पर विराजमान किया गया। इसके बाद मुख्य आचार्य पंडित अयोध्या प्रसाद शास्त्री के सानिध्य में शोभायात्रा का शुभारंभ हुआ। शोभायात्रा उदासीन आश्रम से प्रारंभ होकर मुस्तफाबाद, खलील कटरा, चौहटिया, हिंदूपट्टी, कच्चा कटरा, अस्पताल रोड और भक्सी तिराहा सहित विभिन्न प्रमुख मार्गों से होकर निकली। यात्रा के दौरान नगर के कई मंदिरों में देव प्रतिमाओं का पारंपरिक विधि-विधान से स्वागत किया गया तथा प्रतिष्ठित विग्रहों के साथ उनका प्रतीकात्मक मिलन कराया गया। मुख्य आचार्य पंडित अयोध्या प्रसाद शास्त्री ने बताया कि शोभायात्रा के उपरांत सभी प्रतिमाओं का शैयाधिवासन संस्कार संपन्न कराया गया। बुधवार को वैदिक मंत्रोच्चार के बीच देव प्रतिमाओं की अचल प्राण प्रतिष्ठा होगी। इसके बाद श्रद्धालुओं के लिए विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा। आयोजन में संजीव कुमार गुप्ता, प्रदीप कुमार गुप्ता, सौरभ गुप्ता रवि , सोनू खन्ना, अरविंद गुप्ता, शिवम गुप्ता, सत्यम गुप्ता, मंथन गुप्ता, राजेश गुप्ता, संयम गुप्ता, मनोज गुप्ता, सभासद गंगासहाय, अजय शर्मा, जितेंद्र गुप्ता सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

.मतदाता पुनरीक्षण अभियान में उत्कृष्ट कार्य करने वाले 88 कार्यकर्ताओं को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किया सम्मानित

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

फिरोजाबाद- मतदाता पुनरीक्षण अभियान में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए 100 से अधिक फार्म भरवाने वाले भाजपा के 88 जिला पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा सम्मानित किया गया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने सभी कार्यकर्ताओं की सराहना करते हुए उनका उत्साहवर्धन किया और संगठन के प्रति उनकी निष्ठा एवं समर्पण की प्रशंसा की। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने संबोधन में कहा कि भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता देवतुल्य है और संगठन की रीढ़ की हड्डी के समान है। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं की मेहनत और समर्पण से ही संगठन को मजबूती मिलती है तथा पार्टी की नीतियां जन-जन तक पहुंचती हैं। उन्होंने सभी सम्मानित कार्यकर्ताओं को बधाई देते हुए भविष्य में भी इसी प्रकार जनसेवा और संगठन के कार्यों में सक्रिय रहने का आह्वान किया। कार्यक्रम के दौरान भाजपा जिला अध्यक्ष उदय प्रताप सिंह की भी सराहना की गई। उपस्थित कार्यकर्ताओं ने कहा कि जिला अध्यक्ष सदैव कार्यकर्ताओं के सम्मान और उनके हितों के लिए तत्पर रहते हैं तथा उनकी आवाज को संगठन में मजबूती से उठाने का कार्य करते हैं। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री ठाकुर जयवीर सिंह, प्रदेश उपाध्यक्ष एवं जिला प्रभारी ब्रज बहादुर सिंह, प्रदेश मंत्री विजय शिवहरे, भाजपा जिला अध्यक्ष उदय प्रताप सिंह, विधायक प्रेमपाल धनगर, विधायक मनीष असीजा, भंवर सिंह ठेकेदार, राघवेंद्र सिंह, शैलेन्द्र सिंह, शिव शंकर शर्मा, नीलम दिवाकर, संजय चक, जिला सह संयोजक सोशल मीडिया सचिन जैन, योगेंद्र चौहान, रंजना सिंह, विनोद पाल सिंह, महिपाल निषाद, पवन चक, अमित गुप्ता, कमलेश राजपूत, सुशील चक, गोपाल कृष्ण, ज्योति गुप्ता, मनप्रीत कीर, ओमेंद्र बघेल, अजीत राजपूत, देशदीपक चौहान, अतुल शुक्ला, मानपाल लोधी, राजवीर राजपूत, शीलू सविता, मुकेश धामा, शशांक सिंह, अनंत प्रताप सिंह, अजीत सिंह जुरैल, ब्रजवीर चौहान, हरीश सिंह, पुरन सिंह, हनी जादौन, नीरेश रावत, देवांशु उपाध्याय, अग्रज जैन, दिनेश गुप्ता, अवनीश गुप्ता, अजीत सिंह कुशवाह, ज्योति गुप्ता सहित बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में सम्मानित कार्यकर्ताओं ने मुख्यमंत्री एवं संगठन नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए आगामी चुनावी एवं संगठनात्मक कार्यक्रमों में पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ कार्य करने का संकल्प लिया। मतदाता पुनरीक्षण अभियान में कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी को संगठन की बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है, जिससे पार्टी को बूथ स्तर तक और अधिक मजबूती मिलने की उम्मीद है।

ज्येष्ठ माह के अंतिम बड़े मंगलवार पर अयोध्यापुरवा सिधौना मंदिर में उमड़ा आस्था का सैलाब

● ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि अमनदीप सिंह का हुआ सम्मान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सिंगाही। ज्येष्ठ माह के अंतिम बड़े मंगलवार के पावन अवसर पर क्षेत्र के राम जानकी हनुमान मंदिर, अयोध्यापुरवा सिधौना में भव्य भंडारे का आयोजन किया गया। धार्मिक आस्था और श्रद्धा से ओतप्रोत इस कार्यक्रम में सुबह से ही श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। मंदिर परिसर में भक्तों ने विधि-विधान से हनुमान जी की पूजा-अर्चना कर सुख-समृद्धि की कामना की। भंडारे में पहुंचे ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि अमनदीप सिंह का मंदिर के महंत द्वारा विशेष स्वागत किया गया। महंत जी ने उन्हें शाल ओढ़ाकर और पगड़ी पहनाकर सम्मानित किया। इस अवसर पर अमनदीप सिंह ने भी महंत जी को घड़ी भेंट कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। उन्होंने कहा कि धार्मिक आयोजन समाज में आपसी प्रेम, भाईचारे और सेवा भावना को मजबूत करते हैं। कार्यक्रम के दौरान श्रद्धालुओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और भंडारे में प्रसाद ग्रहण किया। पूरे दिन मंदिर परिसर हनुमान जी के जयकारों से गूंजता रहा। भक्तों में खासा उत्साह देखने को मिला। आयोजन समिति की ओर से श्रद्धालुओं के लिए प्रसाद वितरण, पेयजल सहित अन्य व्यवस्थाएं की गई थीं। स्थानीय लोगों ने बताया कि ज्येष्ठ माह के बड़े मंगलवार पर हर वर्ष मंदिर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ जुटती है और दूर-दराज से लोग यहां पहुंचकर पूजा-अर्चना करते हैं। इस बार भी आयोजन शांतिपूर्ण और भक्तिमय माहौल में संपन्न हुआ। इस मौके पर मंदिर के सेवक, क्षेत्र के गणमान्य लोग, श्रद्धालु और बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे। सभी ने हनुमान जी के चरणों में माथा टेककर क्षेत्र की सुख-शांति और खुशहाली की प्रार्थना की।

रायपुर गाँव मे दो घरो मे आग लगने से सारा सामान जलकर स्वाहा

ग्राम प्रधान की सूचना पर फौरन पहुची फायर ब्रिगेड की गाडी ने आग पर काबू पाया

गोला गोकर्णनाथ खीरी- गोला तहसील क्षेत्र के गांव रायपुर मे जीशान व छेद्दन के छप्पर नुमा बने दो घरो मे अचानक आग लग गई आत तेज होने के कारण सारा घरेलू सामान, गेहू ,चावल,गद्दा रजाई,चारपाई दरबाजे आदि सामान जलकर राख हो गया मौके पर पहुचे ग्राम प्रधान प्रतिनिधि शलीम अंसारी ने फायर ब्रिगेड गोला को फोन किया,मौके पर पर फायर ब्रिगेड के प्रभारी निरीक्षक सुरेन्द्र कुमार शिंदे, चीन टीम ने आग पर काबू पाया ग्राम प्रधान ने बताया कि गोला उप जिला अधिकारी के दिशानिर्देश मे अग्निपीडितो को कोटे का रासन मुहैय्या कराया गया है।

ग्राम पंचायत कपरहा के गावों मे किया गया पशुओं का टीकाकरण

गोला गोकर्णनाथ खीरी- दिनांक 22/06/ 26 को पशु सेवा केंद्र जड़ौरा के पशुधन प्रसार अधिकारी प्रमोद वर्मा की टीम के द्वारा जड़ौरा के ग्राम कपरहा, देवरिया, तेन्दुआ, बसही मे ग़लघोटू का टीकाकरण किया जा गया, पूरी न्यायपंचात जडौरा के लगभग एक दर्जन गांवो मे पशु चिकित्सालय जडौरा की टीम के द्वारा गलाघोंटू का टीका कारण किया जाना हैं, जो लगभग 10-15 दोनों में कर दिया जाएगा।

भारतीय किसान यूनियन चढ़ूनी ने किसानों की समस्याओं को लेकर सौंपा ज्ञापन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोला गोकर्णनाथ खीरी- भारतीय किसान यूनियन चढ़ूनी के जिलाध्यक्ष बलकार सिंह की अगवाई में सैकड़ो किसानों ने लखीमपुर कलेक्ट्रेट पहुंचकर जिला अधिकारी खीरी को किसानों की विभिन्न समस्याओं को लेकर माननीय मुख्यमंत्री महोदय को संबोधित एक ज्ञापन सौंपा, जिसमें मुख्य रूप से भारत अमेरिका ट्रेड डील का विरोध किया गया साथ ही किसने को यूरिया ना मिल पाने की समस्या उठाई गई और पेट्रोल पंप मालिकों द्वारा प्लास्टिक की केनों में डीजल पेट्रोल देने पर लगाई गई पाबंदी का विरोध किया गया, जिलाध्यक्ष ने बताया की बजाज ग्रुप की चीनी मिलों ने करोड़ों रुपए किसानों का बकाया गन्ना भुगतान अभी तक नहीं किया है जिससे किसान चारों तरफ से गिरा हुआ है और बहुत ही डाइनिंग स्थिति तक पहुंच चुका है अगर समस्याओं का समाधान समय से ना किया गया तो आगे एक लंबे आंदोलन की राजनीति तैयार की जाएगी किसान यूनियन के ज्ञापन के समर्थन में ग्रामीण जनहित सेवा समिति, उत्तर प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष एडवोकेट महेश वर्मा जिला अध्यक्ष सीतापुर दिव्यांश वर्मा जिला अध्यक्ष, अभिषेक बाबू तहसील अध्यक्ष गोला दीपक सिंह रघुनायक सहित दर्जनों कार्यकर्ताओं ने समर्थन पत्र सौंपा। इस मौके- सुखदेव सिंह जिला उपाध्यक्ष, राजवीर सिंह तहसील अध्यक्ष गोला, राजाराम, गेन्दलाल, राजकुमार, छोटेलाल, सुरजीत सिंह यादव, अमित कुमार यादव, दुर्गेशनन्दन ब्लाक अध्यक्ष सदर, उलवन्त सिंह, गुर साहब सिंह, हरदेव सिंह, आदित्य गौतम, जयपाल, प्रमोद कुमार, संदीप, वीरेन्द्र, सुखविन्द्रेर सिंह, बलवीर, अमरीश सिंह, हरप्रीत सिंह, सुखराज सिंह, श्रवण सिंह, शमशेर सिंह, दिलवर सिंह सकैडों की संख्या में किसान लोग मौजूद रहे है।

लगुचा में चल रहे कई गैर पंजीकृत अस्पताल, जिम्मेदार मौन

● बिना रजिस्ट्रेशन के चल रहा अपेक्स और शिफा हॉस्पिटल, कब जागेगा प्रशासन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखीमपुर खीरी। जनपद लखीमपुर खीरी में स्वास्थ्य विभाग की कथित ढील का फायदा उठाकर गली-कूचों में झोलाछाप डॉक्टरों और अवैध अस्पतालों का जाल कुकुरमुत्तों की तरह फैलता जा रहा है। ताजा और सबसे हैरान करने वाला मामला लगूचा में ऑन रोड चल रहे अपेक्स हॉस्पिटल,और शिफा अस्पताल से सामने आया है जो सीधे तौर पर मरीजों की जिंदगी से खिलवाड़ कर रहें है।?सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार लगूचा कस्बे में ऑन रोड सीना तानकर चल रहे इस अपेक्स हॉस्पिटल के पास न तो कोई वैध रजिस्ट्रेशन है और न ही मरीजों के इलाज के लिए कोई योग्य या डिग्रीधारक डॉक्टर। कमोबेश यही हाल ऑन रोड लगुचा में संचालित शिफा अस्पताल का बताया जाता है इसके बावजूद भोले-भाले मरीजों को जाल में फंसाकर यहाँ धड़ल्ले से भर्ती किया जा रहा है और उनका शोषण हो रहा है। अब सवाल यह उठता है कि ऑन रोड महीनों से चल रहे इस अवैध खेल पर आखिर स्वास्थ्य महकमा आँखें मूंदे क्यों बैठा है सी. एच सी अधीक्षक फरधान को इसकी भनक क्यों नहीं है जब इस गंभीर मामले और अवैध तरीके से संचालित शिफा और अपेक्स हॉस्पिटल की हकीकत जानने के लिए सीएचसी अधीक्षक अमित बाजपेई से फोन पर संपर्क किया गया तो उनका जवाब बेहद चौंकाने वाला था। उन्होंने मामले की गंभीरता को समझने के बजाय कहा मामला मेरे संज्ञान में अब आया है कल दिखवाता हूँ। मरीजों की जान पर मंडराते खतरे के बीच जिम्मेदार अधिकारी का ऐसा ठंडा रुख स्वास्थ्य विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े करता है। **शायद किसी बड़े हादसे के इंतजार में हैं विभागीय जिम्मेदार** – देखना यह है कि होगी कार्रवाई या रफा-दफा होगा मामला अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या कल दफ्तर लौटते ही सीएचसी अधीक्षक अमित बाजपेई इन अवैध और जानलेवा, अपेक्स हॉस्पिटल ,और शिफा हॉस्पिटल पर सीलिंग की कार्रवाई करेंगे या फिर हर बार की तरह इस बार भी मामले को ठंडे बस्ते में डाल दिया जाएगा यह तो आने वाला वक्त ही बताएगा लेकिन इस मौत के अस्पताल पर सख्त से सख्त एक्शन होना अब बेहद जरूरी हो चुका है।

मितौली में आठवें बड़े मंगल पर भव्य भंडारे का आयोजन

नीमगांव खीरी। ज्येष्ठ मास के आठवें बड़े मंगल के पावन अवसर पर मितौली कस्बे में समाजसेवी सुरेश राठौर की ओर से श्रद्धालुओं के लिए भव्य भंडारे का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने पहुंचकर प्रसाद ग्रहण किया तथा भगवान हनुमान जी का आशीर्वाद प्राप्त किया। भंडारे के दौरान श्रद्धा, भक्ति एवं सामाजिक सौहार्द का वातावरण देखने को मिला। श्रद्धालुओं की सेवा के लिए आयोजकों द्वारा समुचित व्यवस्थाएं की गई थीं। कार्यक्रम में क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों एवं समाजसेवियों ने भी सहभागिता निभाई। इस अवसर पर पूर्व ग्राम प्रधान दिनेश कुमार मास्टर, प्रधान नीरज कश्यप, शिवम शुक्ला, जेई एमआई मितौली, अशोक मौलाना, सत्यराम कोटेदार, सुनील कुमार राज, सूरज मिश्रा, शिवम मिश्रा, अरुण राज, सोनू शर्मा, जगदार सहित अनेक सम्मानित नागरिक एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में आयोजक सुरेश राठौर ने सभी आगंतुकों एवं सहयोगियों का आभार व्यक्त किया। उपस्थित लोगों ने ऐसे धार्मिक एवं सामाजिक आयोजनों को समाज में एकता और भाईचारे को बढ़ावा देने वाला बताया।

संक्षिप्त खबरें

चलती ट्रेन से गिरकर यात्री घायल, सीएचसी में भर्ती

गोपीगंज। पूर्वोत्तर रेलवे के वाराणसी प्रयागराज रेल खंड पर गोपीगंज स्थित ज्ञानपुर रोड रेलवे स्टेशन पर सोमवार की देर रात गाड़ी संख्या 22669 पटना सुपरफास्ट एक्सप्रेस से एक यात्री चलती ट्रेन से गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल को 108 एंबुलेंस से सीएचसी गोपीगंज भिजवाया गया। घायल की पहचान शमी पुत्र साहब आलम, निवासी कुर्थाडीह, जनपद अरवल, बिहार के रूप में हुई है। वह एर्नाकुलम से पटना जा रहा था। बताया गया कि स्लीपर कोच से सफर के दौरान वह प्लेटफार्म की उल्टी तरफ गिर गया, जिससे उसके दोनों पैरों में गंभीर चोट आई है। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचे का. मोहम्मद एनामुल्लाह सिद्दीकी ने तत्काल 108 एंबुलेंस बुलाकर घायल को उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गोपीगंज भेजा। घटना की जानकारी स्टेशन कार्यालय व आरपीएफ को दे दी गई है। आरपीएफ द्वारा अग्रिम कार्रवाई की जा रही है।घायल का सीएचसी में प्राथमिक इलाज के बाद ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया गया है।

घोसिया में मिले अज्ञात शव की शिनाख्त में जुटी पुलिस

भदोही। औराई थाना क्षेत्र के घोसिया कस्बे में एक अज्ञात पुरुष का शव मिलने के बाद पुलिस उसकी शिनाख्त कराने में जुटी है। अब तक मृतक की पहचान नहीं हो सकी है, जिसके चलते पुलिस ने आमजन से सहयोग की अपील की है। पुलिस के अनुसार मृतक ने भूरे रंग की हाफ शर्ट, काले रंग की फुल पैंट तथा काला बेल्ट पहन रखा था। उसके दाहिने हाथ में सफेद धातु का कड़ा और रबर का कड़ा था। वहीं बाएं हाथ की कलाई पहले से कटी हुई होने के कारण वह दिव्यांग प्रतीत होता है। पुलिस ने अपील की है कि यदि किसी व्यक्ति को मृतक के संबंध में कोई जानकारी हो तो वह थाना औराई या क्षेत्राधिकारी औराई से संपर्क कर सूचना दे। सूचना देने वाले व्यक्ति की जानकारी गोपनीय रखी जाएगी।

साइबर ठगी के शिकार युवक के खाते में वापस आए 40 हजार रुपये

भदोही। थाना कोइरौना की साइबर हेल्प डेस्क ने साइबर ठगी के शिकार एक युवक की 40 हजार रुपये की धनराशि वापस कराने में सफलता हासिल की है। पुलिस अधीक्षक अभिनव त्यागी के निर्देशन में की गई कार्रवाई के बाद पीड़ित के खाते में पूरी रकम वापस पहुंच गई। जानकारी के अनुसार धनतुलसी गांव निवासी हिमांशु सिंह ने साइबर फ्रॉड के जरिए खाते से धनराशि कट जाने की शिकायत साइबर हेल्प डेस्क में दर्ज कराई थी। शिकायत पर त्वरित कार्रवाई करते हुए साइबर हेल्प डेस्क ने आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी कर न्यायालय के माध्यम से पीड़ित की 40 हजार रुपये की पूरी रकम वापस करा दी। धनराशि वापस मिलने पर पीड़ित ने भदोही पुलिस और साइबर हेल्प डेस्क का आभार जताया। पुलिस ने लोगों से साइबर ठगी से बचने के लिए सतर्क रहने तथा किसी भी साइबर अपराध की स्थिति में तत्काल हेल्पलाइन नंबर 1930 पर शिकायत दर्ज कराने की अपील की है।

वाहन चोर गिरोह का भंडाफोड़, चार शातिर गिरफ्तार

● चोरी की चार मोटरसाइकिल बरामद

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भदोही। जनपद में बढ़ रही वाहन चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत चौरी थाना पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने चार सदस्यीय वाहन चोर गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए चार शातिर चोरों को गिरफ्तार किया है। उनके कब्जे एवं निशानदेही पर चोरी की चार मोटरसाइकिलें बरामद की गई हैं। इस उत्कृष्ट कार्रवाई पर पुलिस अधीक्षक अभिनव त्यागी ने पुलिस टीम को 10 हजार रुपये के नकद पुरस्कार से सम्मानित करने की घोषणा की है। पुलिस के अनुसार मंगलवार को चौरी थाना पुलिस क्षेत्र में संदिग्ध व्यक्तियों एवं वाहनों की सघन चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि कुछ वाहन चोर चोरी की मोटरसाइकिलों के साथ क्षेत्र से गुजरने वाले हैं। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने ग्राम कंधिया मेन रोड पर कपसेठी-चौरी बॉर्डर पुलिया के पास घेराबंदी कर चार युवकों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपितों में नितेश पटेल उर्फ नन्हकू पटेल (20 वर्ष) पुत्र छोटेलाल पटेल निवासी अमवा कला (भवानीपुर), राज पटेल उर्फ छोटू पटेल (19 वर्ष) पुत्र राजेश पटेल निवासी अमवा कला (भवानीपुर), आर्यन गुप्ता उर्फ विशेष गुप्ता (19 वर्ष) पुत्र सच्चेलाल गुप्ता निवासी बरदहा तथा प्रियांसु सिंह उर्फ मोनू (30 वर्ष) पुत्र शैलेश सिंह निवासी बरदहा थाना चौरी शामिल हैं। पुलिस पूछताछ में आरोपितों ने बताया कि वे सुनसान स्थानों, बाजारों और समारोह स्थलों पर खड़ी मोटरसाइकिलों को मास्टर चाबी की मदद से चोरी करते थे। आरोपितों ने स्वीकार किया कि उन्होंने तक्खु की बौली, बरदहा क्षेत्र में आई बारात तथा जौनपुर जनपद के नेवढ़िया क्षेत्र से मोटरसाइकिलें चोरी की थीं। चोरी के बाद वे वाहनों की नंबर प्लेट बदलकर उन्हें बेचने की तैयारी में थे। पुलिस ने आरोपितों के कब्जे से एक टीवीएस अपाचे, एक बजाज डिस्कवर, एक हीरो स्प्लेंडर प्रो और एक एचएफ डिलक्स मोटरसाइकिल बरामद की है। जांच में सामने आया है कि बरामद सभी वाहन विभिन्न क्षेत्रों से चोरी किए गए थे। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार आरोपितों के खिलाफ पहले भी वाहन चोरी के मामले दर्ज हैं। उनके विरुद्ध चौरी थाने में संबंधित धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज कर न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया। पुलिस अन्य चोरी की घटनाओं में भी उनकी संलिप्तता की जांच कर रही है।इस कार्रवाई को प्रभारी निरीक्षक रामसरीख गौतम के नेतृत्व में पुलिस टीम ने अंजाम दिया। पुलिस अधीक्षक ने टीम के कार्य की सराहना करते हुए पुरस्कार देने की घोषणा की है।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में जिला स्वास्थ्य समिति (शासी निकाय) की बैठक संपन्न

● स्वास्थ्य सेवाओं की प्रगति पर जताई नाराजगी, कई अधिकारियों पर कार्रवाई के निर्देश

● लापरवाही पर अधीक्षकों को कारण बताओ नोटिस, वेतन रोकने के आदेश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भदोही- जिलाधिकारी की अध्यक्षता में मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिला स्वास्थ्य समिति (शासी निकाय) की बैठक आयोजित की गई। बैठक में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के अंतर्गत संचालित विभिन्न स्वास्थ्य कार्यक्रमों, योजनाओं एवं सेवाओं की बिंदुवार समीक्षा की गई। समीक्षा के दौरान स्वास्थ्य विभाग के विभिन्न प्रदर्शन संकेतकों (इंडिकेटर्स) में अपेक्षित प्रगति न पाए जाने पर जिलाधिकारी ने गहरी नाराजगी व्यक्त करते हुए संबंधित अधिकारियों को कार्यप्रणाली में सुधार लाने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी तथा जनहित से जुड़े मामलों में जवाबदेही सुनिश्चित की जाएगी। बैठक में जिलाधिकारी ने जनपद की समस्त स्वास्थ्य इकाइयों, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों एवं चिकित्सालयों में साफ-सफाई, सुव्यवस्था एवं रोगी हित से संबंधित व्यवस्थाओं को और अधिक सुदृढ़ बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी वार्डों में सप्ताह के सातों दिनों के अनुरूप निर्धारित सात रंगों की चादरें बिछाई जाएं चादरों पर डे वाईज का अंकन किया गया है इसके साथ ही प्रतिदिन की व्यवस्थाओं का फोटोग्राफिक अभिलेख तैयार कर उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए गए, ताकि नियमित निगरानी सुनिश्चित की जा सके। समीक्षा के दौरान पाया गया कि कई स्वास्थ्य संकेतकों में अपेक्षित प्रगति नहीं हुई है तथा विभिन्न कार्यक्रमों के क्रियान्वयन में शिथिलता बरती गई है। इस पर जिलाधिकारी ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र डीघ एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गोपीगंज के अधीक्षकों को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। वहीं स्वास्थ्य कार्यक्रमों में संतोषजनक प्रदर्शन न होने तथा निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति में पिछड़ने पर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सुरियावां के अधीक्षक का वेतन रोकने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए गए। बैठक में आशा कार्यकर्ताओं के भुगतान से संबंधित प्रकरणों की भी समीक्षा की गई। समीक्षा में पाया गया कि भुगतान कार्यों में अपेक्षित प्रगति नहीं हुई है। इस पर जिलाधिकारी ने कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. राजपाल यादव का वेतन रोकने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आशा कार्यकर्ता स्वास्थ्य विभाग की महत्वपूर्ण कड़ी हैं और उनके भुगतान में किसी प्रकार की देरी स्वीकार्य नहीं होगी। जिलाधिकारी ने जनपद में झोलाछाप चिकित्सकों एवं अवैध रूप से संचालित क्लीनिकों के विरुद्ध की जा रही कार्रवाई की भी समीक्षा की। समीक्षा के दौरान कार्रवाई में अपेक्षित प्रगति न मिलने तथा प्रभावी अभियान संचालित न किए जाने पर उन्होंने कड़ी नाराजगी व्यक्त की। इस संबंध में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भदोही के अधीक्षक को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए गए। साथ ही संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि अवैध चिकित्सकीय गतिविधियों के विरुद्ध नियमित अभियान चलाकर कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाए, जिससे आमजन के स्वास्थ्य एवं जीवन की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके। बैठक में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं, संस्थागत प्रसव, नियमित टीकाकरण, संचारी रोग नियंत्रण कार्यक्रम, आयुष्मान भारत योजना, परिवार कल्याण कार्यक्रम, पोषण संबंधी गतिविधियों तथा अन्य राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों की विस्तृत समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि सभी कार्यक्रमों का संचालन शासन की मंशा के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध ढंग से किया जाए तथा निर्धारित लक्ष्यों को हर हाल में प्राप्त किया जाए। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी जनसेवा की भावना के साथ कार्य करें तथा प्रत्येक लाभार्थी तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना सुनिश्चित करें। चिकित्सालयों में उपलब्ध सुविधाओं, मानव संसाधनों की स्थिति, औषधियों की उपलब्धता, जांच सुविधाओं तथा रोगियों को मिलने वाली सेवाओं की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में बेहतर परिणाम प्राप्त करने के लिए सभी अधिकारी आपसी समन्वय स्थापित कर कार्य करें तथा लंबित प्रकरणों का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करें। जिलाधिकारी ने सभी चिकित्सा अधिकारियों को निर्देशित किया कि शासन द्वारा निर्धारित मानकों के अनुरूप कार्य करते हुए स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में निरंतर सुधार लाया जाए। उन्होंने कहा कि आगामी समीक्षा बैठकों में प्रगति की पुनः समीक्षा की जाएगी तथा लापरवाही पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध और कठोर कार्रवाई की जाएगी। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी बाल गोविंद शुक्ल, मुख्य चिकित्सा अधिकारी, जिला स्वास्थ्य समिति के सदस्यगण, चिकित्सा अधीक्षक, स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी एवं संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

सूचना एवं जन सम्पर्क विभाग उत्तर प्रदेश

● डिजिटल संचार के क्षेत्र में सूचना विभाग की प्रभावी पहल विभाग के आधिकारिक यूट्यूब चैनल ''सूचना प्रवाह'' का हुआ शुभारंभ

● सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं एवं विकास कार्यों की जानकारी सहजता पहुंचेगी आमजन तक

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

उत्तर प्रदेश सरकार के सूचना एवं जनसंपर्क विभाग द्वारा डिजिटल संचार को और अधिक सशक्त एवं प्रभावी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए विभाग के आधिकारिक यूट्यूब चौनल 'सूचना प्रवाह' का शुभारंभ आज लोक भवन, लखनऊ में किया गया। चैनल का शुभारंभ सूचना निदेशक विशाल सिंह एवं अपर सूचना निदेशक अरविंद कुमार मिश्र द्वारा किया गया। इस अवसर पर निर्माता फिल्म अभय कुमार श्रीवास्तव, फिल्म निर्माण प्रबंधक संदीप पांडेय सहित सूचना विभाग के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी भी उपस्थित रहे। 'सूचना प्रवाह' उत्तर प्रदेश सूचना एवं जनसंपर्क विभाग का आधिकारिक डिजिटल मंच है, जिसके माध्यम से प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं, विकास परियोजनाओं, महत्वपूर्ण निर्णयों, उपलब्धियों, जनहितकारी कार्यक्रमों तथा शासन की विभिन्न पहलों से संबंधित प्रमाणिक, तथ्यपरक एवं त्वरित जानकारी आमजन तक पहुँचाई जाएगी। इसके साथ ही विभाग द्वारा निर्मित वृत्तचित्र, विशेष रिपोर्ट, प्रेरणादायी वीडियो, सरकारी अभियानों तथा महत्वपूर्ण आयोजनों का भी नियमित प्रसारण इस मंच पर किया जाएगा। इस अवसर पर सूचना निदेशक विशाल सिंह ने कहा कि वर्तमान समय में डिजिटल मीडिया जनसंचार का सबसे प्रभावी माध्यम बनकर उभरा है। ऐसे में 'सूचना प्रवाह' यूट्यूब चैनल सरकार और जनता के बीच संवाद का एक सशक्त सेतु सिद्ध होगा। उन्होंने कहा कि इस मंच के माध्यम से नागरिकों को सरकार की योजनाओं, नीतियों एवं विकास कार्यों की विश्वसनीय और प्रमाणिक जानकारी सरल, सहज एवं आकर्षक स्वरूप में उपलब्ध कराई जाएगी। अपर निदेशक अरविंद कुमार मिश्र ने कहा कि विभाग समय के साथ आधुनिक तकनीकों को अपनाते हुए जनसंचार के नए आयाम स्थापित कर रहा है। 'सूचना प्रवाह' के माध्यम से प्रदेश की विकास यात्रा, जनकल्याणकारी कार्यक्रमों तथा शासन की उपलब्धियों को अधिक व्यापक स्तर पर लोगों तक पहुँचाया जाएगा, जिससे नागरिकों को सरकारी योजनाओं की सही एवं समयबद्ध जानकारी प्राप्त हो सकेगी। यह यूट्यूब चैनल प्रदेश सरकार की उपलब्धियों और जनहित से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियों के प्रसार का एक प्रभावी मंच बनेगा तथा आमजन और शासन के बीच संवाद को और अधिक मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

01 जुलाई से शुरू होगा विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान, लापरवाही पर होगी कार्रवाई : डीएम

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भदोही। जनपद में विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान एक जुलाई से 31 जुलाई तथा दस्तक अभियान 11 जुलाई से 31 जुलाई तक संचालित किया जाएगा। अभियान के सफल संचालन को लेकर मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी शैलेष कुमार की अध्यक्षता में अन्तर्विभागीय बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिलाधिकारी ने सभी विभागों को अभियान के प्रति गंभीरता बरतने और माइक्रोप्लान के अनुसार कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि संचारी रोग नियंत्रण अभियान में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। यदि किसी विभाग की ओर से उदासीनता बरती गई तो संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही तय करते हुए कार्रवाई की जाएगी। जिलाधिकारी ने जिला पंचायत राज विभाग को प्रत्येक गांव में साफ-सफाई, झाड़ियों की कटाई, एंटी लार्वा छिड़काव तथा नालों की सफाई कराने के निर्देश दिए। वहीं नगरीय क्षेत्रों में सफाई व्यवस्था दुरुस्त रखने, नालियों की सफाई, फॉगिंग और झाड़ियों की कटाई सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने निर्देश दिया कि कहीं भी जलभराव की स्थिति न बनने पाए तथा आवश्यकता पड़ने पर एंटी लार्वा का छिड़काव कराया जाए। डीएम ने दस्तक अभियान के तहत शासन के दिशा-निर्देशों के अनुरूप सभी गतिविधियां संचालित करने पर जोर दिया। साथ ही संचारी रोग नियंत्रण से जुड़ी गतिविधियों की नियमित मॉनिटरिंग के लिए विभागीय समूह बनाकर प्रतिदिन की कार्रवाई की फोटो और रिपोर्ट साझा करने के निर्देश दिए। बैठक में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. संतोष कुमार चक ने बताया कि आशा एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्त्रियां घर-घर सर्वे कर इन्फ्लुएंजा जैसे लक्षणों वाले मरीजों, क्षय रोग, कुष्ठ रोग, फाइलेरिया, कालाजार, कुपोषित बच्चों तथा दस्त रोग से प्रभावित व्यक्तियों का विवरण ई-कवच पोर्टल पर डिजिटल रूप से अपलोड करेंगी। इसके अलावा ऐसे मकानों की भी सूची तैयार की जाएगी, जहां मच्छरों का प्रजनन पाया जाएगा। बैठक में जिला मलेरिया अधिकारी ने संचारी रोगों की रोकथाम संबंधी जानकारी दी। इस दौरान मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. संतोष कुमार चक, जिला विद्यालय निरीक्षक, जिला कार्यक्रम अधिकारी, अपर मुख्य चिकित्साधिकारी, नगर पालिका एवं नगर पंचायतों के अधिशासी अधिकारी सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

ग्रामीण पत्रकारों की सशक्त आवाज बना 'ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन', जिलाध्यक्ष अजय कुमार ओझा के नेतृत्व में बदली कार्यशैली

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मीरजापुर।लोकतंत्र के चौथे स्तंभ कहे जाने वाले मीडिया जगत में, विशेषकर ग्रामीण अंचलों में काम करने वाले पत्रकारों को अक्सर जमीनी स्तर पर कई तरह की चुनौतियों और प्रशासनिक दबाव का सामना करना पड़ता है। ऐसे माहौल में मीरजापुर जनपद के भीतर 'ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन' (ग्रापाए) ने पत्रकारों के हितों की रक्षा और उनके सम्मान को बहाल करने में एक नई मिसाल पेश की है। संगठन के जिलाध्यक्ष अजय कुमार ओझा के कुशल व जुझारू नेतृत्व में आज यह एसोसिएशन जिले से लेकर प्रदेश की राजधानी तक अपनी एक विशिष्ट पहचान बना चुका है।

छात्र राजनीति से ही रहा है जुझारूपन का सफर

अजय कुमार ओझा के नेतृत्व की इस दृढ़ता और संघर्षशीलता के पीछे उनकी मजबूत पृष्ठभूमि है। स्थानीय जानकारों और उनके सहयोगियों के अनुसार, उनके भीतर का यह जुझारूपन और सामाजिक मुद्दों पर बेबाकी से अपनी बात रखने का जज्बा छात्र राजनीति के दिनों से ही रहा है। छात्र जीवन में ही उन्होंने अन्याय के खिलाफ आवाज बुलंद करना और जनहित के मुद्दों के लिए लड़ना सीख लिया था, जिसका सीधा लाभ आज मीरजापुर के पत्रकार संगठन और उससे जुड़े सदस्यों को मिल रहा है। यही कारण है कि वे हर पत्रकार की लड़ाई को अपनी व्यक्तिगत लड़ाई मानकर पूरी शिद्दत के साथ लड़ते हैं।

जब न्याय के लिए आधी रात को भी थानों में डट जाता है संगठन

एसोसिएशन की कार्यशैली की सबसे बड़ी खासियत यह है कि यह समय या परिस्थिति देखकर काम नहीं करता। यदि किसी पत्रकार साथी के साथ अन्याय या अभद्रता की बात सामने आती है, तो जिलाध्यक्ष अजय कुमार ओझा के नेतृत्व में संगठन के पदाधिकारी आधी रात को भी थानों के भीतर धरने पर बैठने से पीछे नहीं हटते। वे स्थानीय स्तर पर किसी भी दबाव में आए बिना, सीधे पुलिस के उच्चाधिकारियों (जैसे पुलिस अधीक्षक या अन्य वरिष्ठ अधिकारी) से संपर्क साधते हैं। वे अधिकारियों को जमीनी वस्तुस्थिति से अवगत कराते हुए पूरी तार्किकता और सबूतों के साथ न्याय की मांग करते हैं। यही वजह है कि प्रशासनिक अमले में भी इस संगठन की बात को बेहद गंभीरता से सुना और परखा जाता है। फर्जी मुकदमों के खिलाफ संगठन की बड़ी कामयाबी हाल के वर्षों में मीरजापुर के पत्रकारिता इतिहास में यह पहली बार देखा जा रहा है जब कोई संगठन ग्रामीण पत्रकारों के उत्पीड़न के खिलाफ इतनी मजबूती से खड़ा हुआ है। कानूनी मोर्चे पर राहतः जनपद के विभिन्न थाना क्षेत्रों में फील्ड पर काम करने वाले पत्रकारों के खिलाफ पुलिस द्वारा दर्ज किए गए लगभग आधा दर्जन (6) मामलों को संगठन ने पूरी संजीदगी से उठाया। निष्पक्ष जांच का दबावः संगठन के पुरजोर विरोध और अकाट्य तथ्यों के सामने आने के बाद, पुलिस प्रशासन को इन फर्जी मुकदमों में फाइनल रिपोर्ट (एफआर) लगाने पर मजबूर होना पड़ा। दोषियों पर कार्रवाईः बात सिर्फ मुकदमों की समाप्ति तक ही सीमित नहीं रही; जिलाध्यक्ष के नेतृत्व में संगठन ने दबाव बनाकर उन पुलिसकर्मियों के खिलाफ भी कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित कराई जिन्होंने द्वेषवश या बिना जांच के पत्रकारों पर फर्जी मामले दर्ज किए थे। संकट में मददगारः राजगढ़ के दिवंगत पत्रकार साथी के परिवार को दिलाया संबल यह संगठन केवल अधिकारों की लड़ाई तक ही सीमित नहीं है, बल्कि अपने साथियों के सुख-दुख में एक परिवार की तरह खड़ा रहता है। इसका सबसे बड़ा उदाहरण तब देखने को मिला जब राजगढ़ के एक पत्रकार साथी की सड़क दुर्घटना में असमय मृत्यु हो गई। इस दुखद घड़ी में दिवंगत पत्रकार के परिवार को आर्थिक और मानसिक संबल देने के लिए जिलाध्यक्ष अजय कुमार ओझा ने मोर्चा संभाला। उन्होंने जिला स्तरीय प्रेस स्थाई समिति की बैठक में इस मुद्दे को बेहद संजीदगी से उठाया और समिति से बकायदा प्रस्ताव पारित कराकर पीड़ित परिवार को ?5 लाख की सरकारी आर्थिक सहायता मंजूर कराई। इसके साथ ही, उन्होंने अपनी व्यक्तिगत क्षमता से और संगठन के अन्य साथियों को भी प्रेरित कर अपनी ओर से भी विशेष आर्थिक सहयोग जुटाकर पीड़ित परिवार के हाथों में सौंपने का अनुकरणीय कार्य किया। एक नजर में संगठन की ताकत और संवेदनशीलताः 24×7 सक्रियताः पत्रकारों के उत्पीड़न की सूचना पर आधी रात को भी थानों में डट जाने का हौसला। उच्च स्तरीय संवादः स्थानीय पुलिसिया दबाव को दरकिनार कर सीधे उच्चाधिकारियों के समक्ष वस्तुस्थिति रखना। अखंडताः बिना किसी व्यक्तिगत लाभ या भेदभाव के हर छोटे-बड़े पत्रकार के मान-सम्मान की रक्षा। सामाजिक दायित्वः संकटग्रस्त या दिवंगत पत्रकार साथियों के परिवारों के लिए लाखों रुपये का आर्थिक सहयोग सुनिश्चित कराना। किसी भी संगठन की सफलता इस बात पर निर्भर करती है कि संकट के समय उसका नेतृत्व कितना सजग, निडर और संवेदनशील है। ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन मीरजापुर और उसके जिलाध्यक्ष अजय कुमार ओझा ने केवल बयानबाजी न करके धरातल पर परिणाम दिए हैं। पत्रकारों पर दर्ज फर्जी मुकदमों में पुलिस को पीछे हटने पर मजबूर करना, दोषी कर्मियों पर कार्रवाई कराना और संकट में घिरे परिवारों के लिए सरकारी व निजी स्तर पर आर्थिक सहायता का प्रबंध करना संगठन की एकजुटता, संवेदनशीलता और प्रशासनिक पकड़ को दर्शाता है। आज यह संगठन मीरजापुर में निर्भीक और निष्पक्ष पत्रकारिता के लिए एक सुरक्षित कवच और मजबूत संबल साबित हो रहा है।

जून को निकलेगी जनहित संकल्प पार्टी की न्याय यात्रा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

चुनार, मीरजापुर। उत्तर प्रदेश की राजनीतिक व्यवस्था परिवर्तन की दिशा में एक नये विकल्प के रूप में जनहित संकल्प पार्टी द्वारा सरदार पटेल एकता रथ के माध्यम से न्याय यात्रा निकालकर देश व प्रदेश में संवैधानिक मूल्यों,सामाजिक न्याय, महिलाओं की भागीदारी, रोजगार की व्यवस्था,बढ़ते अपराध,अन्याय एवं अत्याचार पर पूर्ण विराम लगाने हेतु डॉ. आर. एस. पटेल राष्ट्रीय अध्यक्ष जनहित संकल्प पार्टी के निर्देशन में देश के विभिन्न जनपदों में न्याय यात्रा के माध्यम से जनजागरण अभियान चलाया जा रहा है।जो क्रमशः जनपद मऊ के मधुबन से निकलकर आजमगढ़,वाराणसी,चित्रकूट, मिर्जापुर,सोनभद्र,प्रयागराज गंगापार, प्रयागराज यमुनापार,कौशाम्बी होते हुये 15 जुलाई को चन्दौली जनपद के मुगलसराय जिला/तहसील मुख्यालय पर इसका समापन किया जाएगा। इसी क्रम में मिर्जापुर जनपद के चुनार विधानसभा अंतर्गत न्याय यात्रा का शुभारंभ डॉ. आर. एस. पटेल राष्ट्रीय अध्यक्ष जनहित संकल्प पार्टी द्वारा यात्रा रथ पर लगे लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर तथा हरी झंडी दिखाकर किया जाएगा। यह यात्रा मिर्जापुर जनपद के चुनार विधानसभा में नरायणपुर पटेल त्रिमुहानी से निकल कर परसोधा,कैलहट,जमुई होते हुए राज रतन लॉन चुनार में गोष्ठी के पश्चात पदयात्रा के माध्यम से चुनार तहसील पर उपजिलाधिकारी को ज्ञापन के साथ न्याय यात्रा सम्पन्न किया जाएगा। जिसमे चुनार विधानसभा सभा के अंदर कुछ प्रमुख समस्याओं को शामिल किया गया है। गांगपुर में गंगा कटान होने से कई गांव बह जाने के आसार रहते हैं, उसको तटबंध के माध्यम से रोका जाय। गांगपुर में गंगा नदी मे पक्के पूल का निर्माण कराया जाय। पम्प कैनाल नारायणपुर, मिर्जापुर में निर्माणाधीन सरदार पटेल म्यूजिकल पार्क को पूर्ण कराया जाय। सीखड़ ब्लॉक के मेड़ीया में बने पुल के कारण गंगा का जल स्तर बढ़ने पर उस नाले से उल्टा पानी भर जाता है पूल पर फाटक/गेट लगाया जाय जिससे कि बाढ़ का पानी को उल्टा जाने से रोका जा सके। जमुई में जो रेलवे अंडरपास है बारिश होने पर भर जाता है,आवागमन बाधित होता है जिससे कि आस पास के लोगों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है।अंडरपास के जगह ओवरब्रिज का निर्माण कराया जाय।प्रेस वार्ता के दौरान चुनार विधानसभा के प्रभारी महेंद्र सिंह पटेल मुन्ना मैनेजर,और जिला अध्यक्ष मुकेश पटेल जनहित संकल्प पार्टी मीरजापुर केंद्रीय कार्यालय प्रभारी एडवोकेट रामलाल पटेल ,सुनील पटेल फौजी,प्रदेश महासचिव एसपी आलोक पटेल,जिला अध्यक्ष सरदार सेना सतीश पटेल, विधानसभा अध्यक्ष चुनार जेएसपी महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष अजया भारती,अल्पसंख्यक मोर्चा जिला अध्यक्ष इज़हार खान, प्रांतीय कार्यकारिणी सदस्य विजय पटेल, जिला उपाध्यक्ष श्रीमती रेखा पटेल, जिला उपाध्यक्ष प्रिंस पटेल ,सरदार सेना जिला सचिव चंद्रशेखर यादव , प्रदेश कार्यकारी सदस्य राजेश पटेल, जिला उपाध्यक्ष डॉ जितेंद्र सिंह, पटेल इत्यादि मौजूद रहे

संक्षिप्त खबरें

मॉर्निंग वॉक पर निकली 59 वर्षीय महिला को तेज रफ्तार ट्रक ने कुचला, इलाज के दौरान मौत

नैनी, प्रयागराज। औद्योगिक क्षेत्र अंतर्गत मिर्जापुर रोड पर मंगलवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे में 59 वर्षीय महिला की मौत हो गई। रोज की तरह मॉर्निंग वॉक पर निकली महिला को एक तेज रफ्तार ट्रक ने कुचल दिया। गंभीर रूप से घायल महिला ने अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। पुलिस को दी गई तहरीर में मृतका के देवर राजकुमार प्रजापति ने बताया कि उनकी भाभी अनाकरली प्रजापति (59), पत्नी रामजी प्रजापति, निवासी नेवादा समोगर विशम्भरपुर, मंगलवार सुबह करीब 5 बजे मिश्रा पेट्रोल पंप के पास टहल रही थीं। इसी दौरान ट्रक का चालक तेज रफ्तार और लापरवाही से वाहन चलाते हुए पटरी से नीचे उतरकर ओवरटेक करने लगा। इस दौरान ट्रक महिला के ऊपर चढ़ गया, जिससे उनके दोनों पैर बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गए।घटना के तुरंत बाद स्थानीय लोगों की मदद से घायल महिला को स्वरूपरानी नेहरू चिकित्सालय, प्रयागराज पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें बचाने का प्रयास किया, लेकिन इलाज के दौरान उनकी मृत्यु हो गई।पीड़ित परिवार की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। परिजनों ने आरोपी ट्रक चालक के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की है। फिलहाल पुलिस ट्रक चालक की तलाश में जुटी हुई है और मामले की जांच कर रही है।

भाजपा नेता के हाथ में गंभीर चोट,भाजपा कार्यकर्ताओं ने पहुंचकर जाना हालचाल

नैनी प्रयागराज। अरैल क्षेत्र के निवासी वरिष्ठ भाजपा नेता एवं पूर्व कनिष्ठ ब्लॉक प्रमुख संजय श्रीवास्तव मकान निर्माण कार्य के दौरान पैर फिसल जाने से घायल हो गए। हादसे में उनके हाथ में गंभीर चोट आई है।घटना की सूचना मिलते ही चक भटाई के वरिष्ठ पार्षद मयंक यादव के नेतृत्व में भाजपा कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों का एक प्रतिनिधिमंडल उनके निवास पर पहुंचा और उनका हालचाल जाना। सभी ने उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करते हुए हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया।इस अवसर पर वरिष्ठ पार्षद मयंक यादव,भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा काशी प्रांत के उपाध्यक्ष सरदार पतविंदर सिंह, प्रदीप तिवारी, सुधीर प्रजापति, नीरज शर्मा, नित्यानंद मिश्रा सहित अनेक भाजपा कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे।सभी उपस्थित लोगों ने संजय श्रीवास्तव के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना करते हुए उनके अच्छे स्वास्थ्य और दीर्घायु की प्रार्थना की।

किशोरी पर धारदार हथियार से हमला, कई संदिग्ध लोग प्रयागराज पुलिस की हिरासत में, हो रही पूछताछ

प्रयागराज। गंगापार के बेला कछार में 11 जून की रात शौच को गई एक किशोरी पर धारदार हथियार से वार कर घायल कर दिया गया था। इस मामले में तीन अज्ञात लोगों के खिलाफ फाफामऊ थाने में मुकदमा दर्ज कराया गया था। पुलिस ने चार संदिग्ध को हिरासत में लिया है। सभी से पूछताछ की जा रही है। पुराना फाफामऊ के रहने वाले अन्नू गौतम वाहन चलाते हैं। उनकी इकलौती 17 वर्षीय पुत्री प्रीति सोमवार रात अपनी बुआ वंदना से शौच की बात कहकर घर से निकली। वह बेला कछार पहुंची। कुछ देर बाद घरवालों को पता चला कि प्रीति को किसी ने गोली मार दी है। वह घटनास्थल पर पहुंचे और आननफानन उसे फाफामऊ स्थित एक निजी अस्पताल ले गए। इसी बीच सूचना पाकर फाफामऊ पुलिस अस्पताल पहुंची। डॉक्टरों ने गंभीर हालत देख स्वरूपरानी नेहरू अस्पताल रेफर कर दिया। वसे यहां लाया गया। डॉक्टरों ने देखा कि उसके बाएं पैर के घुटने के ऊपर काफी घाव है। पुलिसकर्मियों को बताया कि प्रीति को गोली नहीं बल्कि धारदार हथियार से मारा गया था। किशोरी की मां सुमन की तहरीर पर तीन अज्ञात के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया। 23 जून यानी आज सुबह कई संदिग्धों को पुलिस ने हिरासत में लिया। सूत्रों का मुताबिक चार संदिग्धों से पुलिस पूछताछ कर रही है।

वादी ने जब ऐसी कोई मांग नहीं की हो तो कोर्ट उसे 'इंजंक्शन' के बदले मुआवज़ा लेने के लिए मजबूर नहीं कर सकता: सुप्रीम कोर्ट

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज- सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अपीलीय कोर्ट के लिए कानूनी तौर पर यह सही नहीं है कि वह ऐसी राहत दे, जिसके लिए याचिका में कोई मांग नहीं की गई हो। साथ ही अपीलीय कोर्ट डिक्री रद्द करने के बाद मामले को एग्जीक्यूटिंग कोर्ट (फैसला लागू करने वाली अदालत) के पास ऐसे मुद्दों पर फैसले के लिए नहीं भेज सकता जो किसी मौजूदा डिक्री से पैदा नहीं हुए हों। जस्टिस एस.वी.एन. भट्टी और जस्टिस अतुल एस. चंदुरकर की बेंच ने पंजाब एंड हरियाणा हाईकोर्ट का फैसला रद्द किया। हाईकोर्ट ने कथित अतिक्रमण हटाने के आदेश वाली डिक्री को बदलयह विवाद वादी द्वारा प्रतिवादियों के खिलाफ दायर दो सिविल मुकदमों से शुरू हुआ था। इसमें कथित तौर पर अतिक्रमण करने वाली दीवार और उसके घर की दीवार पर बने लिंटेल को हटाने की मांग की गई। ट्रायल कोर्ट ने दोनों मुकदमों में डिक्री जारी करते हुए ढांचे को हटाने और आगे निर्माण पर रोक लगाने का आदेश दिया। पहली अपीलीय अदालत ने इन डिक्री को बरकरार रखा। दूसरी अपील में, पंजाब एंड हरियाणा हाईकोर्ट ने प्रतिवादियों को मुआवज़ा देने और विवादित दीवार को 'कॉमन वॉल' (साझा दीवार) मानने का आदेश देकर डिक्री में बदलाव किया। 2013 में सुप्रीम कोर्ट ने CPC की धारा 100 के तहत कानून के अहम सवालों को तय न करने के कारण उन फैसलों को रद्द किया और मामलों को वापस भेज दिया।

मामला वापस भेजे जाने पर हाईकोर्ट ने फिर से डिक्री रद्द की और एग्जीक्यूटिंग कोर्ट को निर्माण की कीमत का आकलन करने और वादियों को मुआवज़ा देने का आदेश दिया। इससे असंतुष्ट होकर मूल वादी के कानूनी उत्तराधिकारी एक बार फिर सुप्रीम कोर्ट पहुंचे। अपील को मंजूरी देते हुए जस्टिस चंदुरकर द्वारा लिखे गए फैसले में कहा गया कि हाईकोर्ट ने दो मामलों में गलती की। पहला, उसने अपीलकर्ता-वादियों को पैसे के रूप में मुआवज़ा लेने के लिए मजबूर किया, जबकि याचिका में ऐसी कोई राहत नहीं मांगी गई। दूसरा, उसने वादियों के पक्ष में डिक्री रद्द करने के बाद मुआवज़ा तय करने के लिए दीवार की कीमत का आकलन करने का गलत आदेश एग्जीक्यूटिंग कोर्ट को दिया। कोर्ट ने आगे कहा, 'एक बार जब ट्रायल कोर्ट द्वारा वादी के पक्ष में पारित डिक्री को (हाईकोर्ट द्वारा) रद्द कर दिया गया तो एग्जीक्यूटिंग कोर्ट के लिए निष्पादन की कार्यवाही को आगे बढ़ाने का कोई कारण नहीं रह जाता, क्योंकि निष्पादन के लिए कोई डिक्री मौजूद नहीं थी। ऐसी स्थिति में एग्जीक्यूटिंग कोर्ट को संबंधित दीवार की कीमत का आकलन करने का निर्देश देना, उससे ऐसा काम करवाना होगा जिसके लिए किसी डिक्री का आधार नहीं है। वास्तव में हाईकोर्ट द्वारा अपनाया गया तरीका सिविल प्रक्रिया संहिता, 1908 के ऑर्डर ङ्गङ्गद्ध के तहत समर्थित नहीं है।' साथ ही कोर्ट ने पाया कि चूंकि दूसरी अपील में हाईकोर्ट का निर्णय मेरिट पर आधारित नहीं था (क्योंकि कानून का कोई महत्वपूर्ण प्रश्न तैयार नहीं किया गया), इसलिए उसने हाईकोर्ट से अनुरोध किया कि वह संहिता की धारा 100 के अनुसार दोनों अपीलों पर पुनर्विचार करे और उन्हें जल्द से जल्द मेरिट के आधार पर तय करे, क्योंकि ये दूसरी अपीलें 2008 की हैं। यूपी पुलिस द्वारा अवैध रूप से गिरफ्तार का मामलाः सुप्रीम कोर्ट ने 10 लाख का मुआवजा देने के आदेश पर लगाई रोक सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार (22 जून) को इलाहाबाद हाईकोर्ट के उस आदेश पर रोक लगाई, जिसमें राज्य सरकार कोमुआवज़ा किसी वैल्यूअर द्वारा तय किया जाना था। वादी के कानूनी उत्तराधिकारियों ने इस तरीके को अपनाने के लिए सहमति नहीं दी थी। इसलिए हाईकोर्ट बिना किसी ऐसी मांग के एक पक्ष को मुआवज़ा दिलाने के लिए दूसरे पक्ष को नुकसान पहुँचाने वाला ऐसा कदम नहीं उठा सकता।'

MBBS छात्रा की मौत का रहस्य बरकरार, प्रयागराज पुलिस सीसीटीवी फुटेज खंगालेगी तो खुलेगा राज

● प्रयागराज के यूनाइटेड यूनिवर्सिटी में एमबीबीएस छात्रा सृष्टि मिश्रा की संदिग्ध मौत का रहस्य बरकरार है। पिता ने हत्या की आशंका जताई है, जिसके बाद पुलिस सीसीटीवी फुटेज खंगालकर और सहपाठी का बयान दर्ज कर जांच कर रही है।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रयागराज। युनाइटेड यूनिवर्सिटी में एमबीबीएस अंतिम वर्ष (फाइनल इयर) की छात्रा सृष्टि मिश्रा की संदिग्ध दशा में मौत के बाद पिता ने हत्या की आशंका जताई है। हालांकि अभी मौत का रहस्य बरकरार है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज खंगालेगी। साथ ही सृष्टि की सहपाठी का बयान भी दर्ज करेगी, ताकि घटना से जुड़े कुछ साक्ष्य संकलित किए जा सकें।

इंदौर के डॉक्टर की पुत्री थी सृष्टि

मध्य प्रदेश के पन्ना जिले के पवई क्षेत्र स्थित पवई गांव निवासी अनुराग मिश्रा आयुर्वेद के डॉक्टर हैं। उनका बेटा अनुभव इंदौर में डॉक्टर है। अनुराग की बेटी सृष्टि एयरपोर्ट क्षेत्र के रावतपुर स्थित युनाइटेड यूनिवर्सिटी के इंस्टीट्यूट आफ मेडिकल साइंसेज से पढ़ाई कर रही थी। वह एमबीबीएस फाइनल इयर की छात्रा थी। संस्थान के गर्ल्स हास्टल में वह एक अन्य छात्रा के साथ रहती थी। पिछले दिनों सृष्टि की तबीयत बिगड़ गई थी। सहपाठी छात्रा की सूचना पर संस्थान के कर्मचारी, छात्र-छात्राएं पहुंचीं। छात्रा को युनाइटेड यूनिवर्सिटी के अस्पताल में ही ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। संदिग्ध दशा में हुई मौत से अफरा-तफरी मच गई। शव के पोस्टमार्टम में जहर की आशंका पर डॉक्टरों ने विसरा सुरक्षित किया। इसके बाद पिता ने हत्या की आशंका जताते पुलिस तहरीर दी। पुलिस का कहना है कि घटना के सम्बन्ध में सभी साक्ष्य संकलित किया जा रहा है।

बाइक की टक्कर से अधेड़ की मौत, वाहन नंबर के आधार पर चालक की तलाश में जुटी पुलिस

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नैनी, प्रयागराज। औद्योगिक क्षेत्र थाना अंतर्गत बेदंव-पनासा मार्ग पर तेज रफ्तार बाइक की चपेट में आने से एक अधेड़ व्यक्ति की मौत हो गई। गंभीर रूप से घायल व्यक्ति ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। घटना के बाद मृतक के परिवार में शोक की लहर दौड़ गई है। पुलिस ने परिजनों की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर आरोपी चालक की तलाश शुरू कर दी है।पुलिस को दी गई तहरीर के अनुसार, सरायइनायत थाना क्षेत्र के ग्राम बेलवार जमुनीपुर निवासी पीयूष दुबे ने बताया कि उनके मामा रमाकांत चतुर्वेदी (पुत्र स्वर्गीय राजाराम चतुर्वेदी), निवासी ग्राम बेदंव, थाना करछना, रविवार रात करीब 8:30 बजे बाजार से घरेलू सामान खरीदकर वापस घर लौट रहे थे। वह सड़क की बाईं पटरी पर पैदल चल रहे थे। इसी दौरान सामने की दिशा से आ रही तेज रफ्तार मोटरसाइकिल (पंजीकरण संख्या यूपी-70-डीएम-9586) के चालक ने लापरवाही और तेज गति से वाहन चलाते हुए उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। हादसा इतना भीषण था कि रमाकांत चतुर्वेदी गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर पड़े और उनके सिर समेत शरीर के कई हिस्सों में गंभीर चोटें आई। घटना के बाद मौके पर जुटे स्थानीय लोगों ने तत्काल 108 एम्बुलेंस सेवा को सूचना दी। घायल को प्राथमिक उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) करछना ले जाया गया, जहां उनकी गंभीर हालत को देखते हुए डॉक्टरों ने उन्हें स्वरूप रानी नेहरू (एसआरएन) अस्पताल, प्रयागराज रेफर कर दिया। उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई।सोमवार को पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराने के बाद परिजनों को सौंप दिया। अंतिम संस्कार के उपरांत मंगलवार को पीड़ित परिवार ने औद्योगिक क्षेत्र थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने तहरीर के आधार पर अज्ञात बाइक चालक के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है।पुलिस का कहना है कि मोटरसाइकिल के पंजीकरण नंबर के आधार पर आरोपी चालक की पहचान और गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस पर नैनी में श्रद्धांजलि अर्पित

नैनी, प्रयागराज। नैनी स्थित हनुमान नगर में कार्यालय पर भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस के अवसर पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई।इस अवसर पर उपस्थित भाजपा पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने डॉ. मुखर्जी के राष्ट्र निर्माण में दिए गए योगदान को स्मरण करते हुए उनके विचारों को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया।कार्यक्रम में भाजपा युवा मोर्चा के पूर्व जिलाध्यक्ष नरसिंह, क्षेत्रीय पार्षद एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता राकेश जायसवाल, भाजपा नेता विनोद जायसवाल, भाजपा के साथी धर्मराज पटेल जी तथा घनश्याम जायसवाल (रेहड़ी-पटरी व्यवसाय प्रकोष्ठ, महानगर संयोजक, भाजपा) सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।सभी ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए और उनके राष्ट्रवादी विचारों को आगे बढ़ाने का संकल्प दोहराया।

ठेकेदार की लापरवाही से मामा-भांजा पावर हाउस में लगी आग

● 1.52 लाख के उपकरण जलकर खाक

●एफआईआर के लिए दी तहरीर

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नैनी,प्रयागराज। नैनी क्षेत्र के रीवा रोड स्थित 220 केवी मामा-भांजा तालाब पावर हाउस में एक ठेकेदार की कथित लापरवाही से बिजली विभाग को 1.52 लाख से अधिक का नुकसान उठाना पड़ा। विभाग ने मामले को गंभीरता से लेते हुए ठेकेदार राहुल जायसवाल के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने के लिए थाना नैनी में लिखित तहरीर दी है। पावर हाउस परिसर में घास कटाई का कार्य अनुबंध संख्या 49/ ईटीसी-द्वितीय (पी)/ 2025-26 के तहत ठेकेदार को सौंपा गया था। अनुबंध की शर्तों के अनुसार, कटी हुई घास को परिसर से बाहर निर्धारित स्थान पर डंप किया जाना था तथा परिसर के भीतर किसी भी स्थिति में आग लगाने की अनुमति नहीं थी। बताया गया कि 22 जून 2026 को दोपहर करीब दो बजे ठेकेदार ने पहले से कटी और सूखी घास को नष्ट करने के उद्देश्य से उसमें आग लगा दी। मौके पर मौजूद अधिकारियों ने उसे ऐसा करने से सख्ती से मना किया था और संभावित खतरे के प्रति आगाह भी किया था, लेकिन चेतावनियों की अनदेखी की गई।देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और पास स्थित ओपन स्टोर को अपनी चपेट में ले लिया। आग की लपटों से स्टोर में रखी विभागीय सामग्री पूरी तरह जलकर नष्ट हो गई।विभाग द्वारा तैयार किए गए प्रारंभिक नुकसान के आकलन के अनुसार, 400 मीटर एसीएसआर पैंथर कंडक्टर (अनुमानित मूल्य 82,804), 50 पीस 120 केएन पोर्सिलेन इंसुलेटर (अनुमानित मूल्य 38,600) तथा 600 मीटर अर्थ वायर (अनुमानित मूल्य 31,000) पूरी तरह नष्ट हो गए। इस घटना से विभाग को कुल 1,52,404 की प्रत्यक्ष आर्थिक क्षति हुई है।घटना की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड के साउथ डिवीजन की टीम, असिस्टेंट सब इंस्पेक्टर पवन कुमार मिश्रा के नेतृत्व में मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।अधिकारियों का कहना है कि यदि समय रहते आग नहीं बुझाई जाती, तो आसपास के अन्य स्टोरों में रखी करोड़ों रुपये की मूल्यवान विद्युत सामग्री भी नष्ट हो सकती थी।घटना के बाद 220 केवी उपकेंद्र रीवा रोड के अवर अभियंता अखिलेश कुमार ने थाना नैनी में विभागीय निर्देशों की अवहेलना, अनुबंध की शर्तों के उल्लंघन और सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने के आरोप में एफआईआर दर्ज करने के लिए लिखित तहरीर सौंपी है। विभाग ने साक्ष्य के रूप में अनुबंध की प्रति तथा घटनास्थल के फोटो और वीडियो भी पुलिस को उपलब्ध कराए हैं।बिजली विभाग अब ठेकेदार के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई के साथ-साथ हुए नुकसान की पूरी राशि की वसूली की तैयारी कर रहा है।इस संबंध में उपखंड अधिकारी (एसडीओ) से संपर्क करने का प्रयास किया गया, लेकिन उनका फोन रिसीव नहीं हो सका।

विवाहिता का शव फांसी के फंदे से लटका मिला, मायके पक्ष ने लगाया हत्या का आरोप

● पति समेत पांच ससुरालीजनों पर दहेज उत्पीड़न और हत्या का मुकदमा दर्ज, पुलिस जांच में जुटी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

हंडिया, प्रयागराज। हंडिया थाना क्षेत्र के सियाडीह गांव में एक विवाहिता का शव कमरे के अंदर फांसी के फंदे से लटका मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वहीं मृतका के मायके पक्ष ने ससुराल वालों पर हत्या कर शव को फांसी के फंदे से लटकाने का गंभीर आरोप लगाया है। जानकारी के अनुसार, सियाडीह गांव निवासी सायना बेगम का शव उसके घर के एक कमरे में फांसी के फंदे से लटका मिला। घटना की खबर फैलते ही आसपास के लोगों की भारी भीड़ मौके पर जमा हो गई। परिजनों को सूचना मिलने पर मायके पक्ष के लोग भी मौके पर पहुंच गए और ससुराल पक्ष पर गंभीर आरोप लगाए। मृतका के पिता मोहम्मद कलीम निवासी उस्मापुर, थाना उतराव ने पुलिस को दी गई तहरीर में आरोप लगाया है कि सायना की शादी के लगभग तीन माह बाद से ही उसके पति और ससुराल पक्ष के लोग मुंबई स्थित एक फ्लैट को सायना के नाम से अपने नाम कराने का दबाव बना रहे थे। इस बात को लेकर उसे लगातार मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया जाता था। परिजनों का कहना है कि सायना कई बार फोन पर अपने साथ हो रही प्रताड़ना की जानकारी देती थी। उन्होंने आरोप लगाया कि ससुराल वालों ने उसकी हत्या करने के बाद मामले को आत्महत्या का रूप देने के लिए शव को फांसी के फंदे से लटका दिया। मृतका अपने पीछे ढाई वर्षीय पुत्र ईशान को छोड़ गई है। मां की मौत के बाद मासूम बच्चे का रो-रोकर बुरा हाल है, जिससे गांव में शोक का माहौल व्याप्त है। मामले में मृतका के पिता मोहम्मद कलीम की तहरीर के आधार पर पुलिस ने पति, ससुर, सास, देवर और ननद के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर मामले की जांच कर रही है।

हनुमान नगर में किया गया शरबत वितरण,सैकड़ों लोगों ने लिया लाभ

नैनी,प्रयागराज। भीषण गर्मी और तेज धूप को देखते हुए नैनी क्षेत्र के हनुमान नगर मोहल्ले में मंगलवार को शरबत वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान राहगीरों, स्थानीय निवासियों एवं आमजन को शरबत पिलाकर गर्मी से राहत प्रदान की गई। कार्यक्रम में सैकड़ों लोगों ने शरबत का सेवन किया और आयोजकों के इस सामाजिक प्रयास की सराहना की। आयोजकों ने बताया कि बढ़ती गर्मी को देखते हुए लोगों की सेवा और उन्हें राहत पहुंचाने के उद्देश्य से यह पहल की गई है। इस अवसर पर विनोद जायसवाल, कार्तिकेय जायसवाल, तेजस जायसवाल, राकेश जायसवाल, घनश्याम जायसवाल, गोल्डी जायसवाल सहित कई लोग मौजूद रहे और कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग किया।स्थानीय लोगों ने कहा कि इस प्रकार के सेवा कार्य समाज में आपसी सहयोग और जनसेवा की भावना को मजबूत करते हैं।

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह कार्यक्रम में बंधे नवजीवन के पवित्र बंधन

● सांसद डॉ. विनोद बिंद ने दी शुभकामनाएं

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

हंडिया (प्रयागराज)। हंडिया विकासखंड के सैदाबाद स्थित सागर रिसॉर्ट में मंगलवार को चार विकासखंड–हंडिया, सैदाबाद, धनुपुर एवं प्रतापपुर के संयुक्त तत्वावधान में मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में नवविवाहित जोड़ों ने वैदिक रीति-रिवाजों एवं सामाजिक परंपराओं के साथ वैवाहिक जीवन की नई शुरुआत की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सांसद भदोही डॉ. विनोद बिंद रहे। उनके आगमन पर आयोजकों एवं जनप्रतिनिधियों ने पुष्पगुच्छ भेंट कर भव्य स्वागत किया। सांसद डॉ. विनोद बिंद ने नव दंपतियों को आशीर्वाद देते हुए उनके सुखद, समृद्ध एवं सफल वैवाहिक जीवन की कामना की। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना समाज के आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लिए अत्यंत लाभकारी साबित हो रही है। इस योजना के माध्यम से जरूरतमंद परिवारों की बेटियों का सम्मानपूर्वक विवाह संपन्न कराया जा रहा है, जिससे सामाजिक समरसता और समानता को भी बढ़ावा मिल रहा है। सांसद ने प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की सराहना करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना गरीब एवं जरूरतमंद परिवारों के लिए एक महत्वपूर्ण सहारा बनी हुई है। उन्होंने नव दंपतियों से आपसी प्रेम, विश्वास और सहयोग के साथ जीवन व्यतीत करने का आह्वान किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में ब्लॉक प्रमुख हंडिया महेंद्र सिंह, ब्लॉक प्रमुख धनुपुर ज्योति यादव तथा सैदाबाद ब्लॉक प्रमुख राजेन्द्र सिंह पटेल की महत्वपूर्ण भूमिका रही। सभी जनप्रतिनिधियों ने नवविवाहित जोड़ों को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर संबंधित विकासखंडों के अधिकारी, कर्मचारी, जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक एवं बड़ी संख्या में क्षेत्रीय लोग उपस्थित रहे। पूरे आयोजन के दौरान उत्साह एवं उल्लास का माहौल बना रहा। विवाह संपन्न होने के बाद नव दंपतियों को शासन द्वारा निर्धारित उपहार एवं प्रमाणपत्र भी प्रदान किए गए।

प्रयागराज के इन रूटों पर भी दौड़ने लगीं रशियन तकनीक की 11 नई इलेक्ट्रिक बसें

प्रयागराज। संगम नगरी में सार्वजनिक परिवहन को आधुनिक और पर्यावरण अनुकूल बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया गया है। उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम के बेड़े में रशियन कंपनी आरजी मोबिलिटी की 11 और अत्याधुनिक इलेक्ट्रिक बसों को शामिल कर लिया गया है। इन नई बसों का संचालन तत्काल प्रभाव से शंकरगढ़, सरायअकिल, मंझनपुर और सुल्तानपुर जैसे महत्वपूर्ण मार्गों पर शुरू कर दिया गया है। इससे पहले प्रथम चरण में आई कंपनी की छह इलेक्ट्रिक बसें प्रयागराज से वाराणसी मार्ग पर यात्रियों को सेवा दे रही थीं। नई बसों के आने से जिले में इस श्रेणी की कुल बसों की संख्या बढ़कर अब सत्रह हो गई है। इस सफर की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इन आधुनिक और हाईटेक बसों का किराया सामान्य जनरथ टू बाई टू बसों के बराबर ही रखा गया है। इससे आम यात्रियों पर कोई अतिरिक्त आर्थिक बोझ नहीं पड़ेगा। सुरक्षा के दृष्टिकोण से यह सभी बसें पूरी तरह सीसीटीवी कैमरों से सुसज्जित हैं और यह पूरी तरह प्रदूषण मुक्त हैं। इस नई व्यवस्था के तहत बसों के संचालन और रखरखाव की पूरी जिम्मेदारी रशियन कंपनी आरजी मोबिलिटी की होगी, जबकि टिकट बुकिंग के लिए परिचालक उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम के ही तैनात रहेंगे।

लखनऊ अग्निकांड के बाद प्रयागराज में बड़ी कार्रवाई

●पीडीए ने खान ग्लोबल कोचिंग को किया सील

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रयागराज। लखनऊ स्थित एक कोचिंग संस्थान में हुए भीषण अग्निकांड के बाद प्रदेशभर में कोचिंग संस्थानों की सुरक्षा व्यवस्था की जांच तेज कर दी गई है। इसी क्रम में मंगलवार को प्रयागराज विकास प्राधिकरण (पीडीए) और संबंधित विभागों की संयुक्त टीम ने शहर के विभिन्न कोचिंग संस्थानों का निरीक्षण किया। जांच के दौरान खान ग्लोबल कोचिंग में भवन निर्माण एवं सुरक्षा मानकों से जुड़ी कई खामियां पाए जाने पर पीडीए ने संस्थान को तत्काल प्रभाव से सील कर दिया। जानकारी के अनुसार, खान ग्लोबल कोचिंग शहर में तीन मंजिला भवन में संचालित की जा रही थी। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने भवन की स्वीकृति, अग्नि सुरक्षा उपायों, आपातकालीन निकास व्यवस्था तथा अन्य आवश्यक मानकों की जांच की। जांच में कई अनियमितताएं सामने आने के बाद अधिकारियों ने कार्रवाई करते हुए कोचिंग संस्थान को सीज कर दिया। अधिकारियों का कहना है कि विद्यार्थियों की सुरक्षा के साथ किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा। जिन संस्थानों में अग्निशमन विभाग और विकास प्राधिकरण द्वारा निर्धारित मानकों का पालन नहीं किया जा रहा है, उनके विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी। लखनऊ अग्निकांड के बाद फायर विभाग भी पूरी तरह अलर्ट मोड में है। शहर के विभिन्न कोचिंग संस्थानों में अग्निशमन उपकरणों, आपातकालीन निकास द्वार, फायर एनओसी तथा सुरक्षा मानकों की गहन जांच की जा रही है। कई संस्थानों को कमियों को दूर करने के लिए नोटिस भी जारी किए गए हैं। पीडीए अधिकारियों ने बताया कि शहर में संचालित सभी कोचिंग संस्थानों की चरणबद्ध तरीके से जांच की जा रही है। जिन संस्थानों में भवन मानकों का उल्लंघन या सुरक्षा संबंधी लापरवाही पाई जाएगी, उनके खिलाफ सीलिंग, नोटिस और अन्य कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

अतीक अहमद की कथित बेनामी संपत्तियों की जांच को एसआईटी गठित

● तीन दिन में शुरू होगी कार्रवाई

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रयागराज। पूर्व सांसद एवं माफिया सरगना अतीक अहमद और उसके करीबियों से जुड़ी कथित बेनामी संपत्तियों की जांच के लिए प्रयागराज पुलिस प्रशासन ने विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया है। एक अधिवक्ता द्वारा की गई शिकायत के आधार पर शुरू हुई इस कार्रवाई को प्रशासन ने गंभीरता से लेते हुए व्यापक जांच के निर्देश दिए हैं। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया है कि अतीक अहमद तथा उसके परिजनों द्वारा अपने करीबी एवं चकिया निवासी मदन लाल भारतीया के नाम पर धूमनगंज क्षेत्र में कई अचल संपत्तियां खरीदी गई थीं। इन संपत्तियों के अधिग्रहण में कथित रूप से बेनामी लेन-देन और अवैध धन के उपयोग की आशंका जताई गई है। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए अपर पुलिस आयुक्त (कानून एवं व्यवस्था) डॉ. अजय पाल ने जांच के लिए उच्चस्तरीय एसआईटी का गठन किया है। गठित टीम में पुलिस उपायुक्त नगर मनीष कुमार शांडिल्य, एडीएम सिटी सत्यम मिश्र, अपर नगर आयुक्त अरविंद राय, एआईजी स्टांप राकेश चंद्रा तथा पीडीए सचिव विनीत कुमार सिंह को शामिल किया गया है। एसआईटी को संबंधित संपत्तियों के स्वामित्व, खरीद-बिक्री से जुड़े दस्तावेजों, राजस्व अभिलेखों एवं वित्तीय लेन-देन की गहन जांच करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसके साथ ही टीम को गोपनीय एवं प्रमाणिक सूचनाएं एकत्र कर यह पता लगाने का निर्देश दिया गया है कि कहीं उक्त संपत्तियां अवैध रूप से अर्जित धन से तो नहीं खरीदी गई। प्रशासनिक आदेश के अनुसार एसआईटी को तीन दिनों के भीतर जांच प्रक्रिया प्रारंभ करनी होगी। साथ ही जांच की प्रगति पर सतत निगरानी रखने के लिए प्रत्येक सोमवार को संयुक्त हस्ताक्षरयुक्त साप्ताहिक रिपोर्ट अपर पुलिस आयुक्त को प्रस्तुत करनी होगी। सूत्रों के अनुसार जांच के दौरान यदि किसी प्रकार की बेनामी या अवैध संपत्ति का पता चलता है तो संबंधित कानूनों के तहत जब्ती, कुर्की एवं अन्य विधिक कार्रवाई भी की जा सकती है। एसआईटी के गठन को अतीक अहमद और उसके नेटवर्क से जुड़ी संपत्तियों के विरुद्ध चल रहे अभियान का एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

संक्षिप्त खबरें

बिहार में रिश्वत लेते रंगे हाथ पकड़ी गई महिला दारोगा, कोर्ट ने सुनाई 3 साल की सजा और जुर्माना

हाजीपुर(वैशाली)। भ्रष्टाचार के एक चर्चित मामले में पटना की विशेष सतर्कता अदालत ने पूर्व सब-इंस्पेक्टर को दोषी करार देते हुए तीन वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। अदालत ने उन पर 10 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया है। जुर्माना नहीं देने की स्थिति में उन्हें तीन महीने की अतिरिक्त साधारण कैद भुगतनी होगी। मामला हाजीपुर में बस मालिक से रिश्वत मांगने और लेने से जुड़ा है। आरोप था कि दुर्घटनाग्रस्त बस की एमवीआई रिपोर्ट मंगवाने के लिए संबंधित प्रक्रिया आगे बढ़ाने के बदले दारोगा ने पैसे की मांग की थी। शिकायतकर्ता के अनुसार, पहले 20 हजार रुपये और एक एलईडी टीवी की मांग की गई थी। कुछ राशि मिलने के बाद भी बाकी रकम और टीवी की मांग जारी रही। मामले की शिकायत विशेष निगरानी इकाई को दी गई थी। शिकायत मिलने के बाद टीम ने आरोपों की पुष्टि के लिए बातचीत की रिकॉर्डिंग कराई। जांच के दौरान कथित रूप से रिश्वत और एलईडी टीवी की मांग दोबारा सामने आने के बाद कार्रवाई की योजना बनाई गई। 14 नवंबर 2024 को विशेष निगरानी इकाई ने हाजीपुर के चाणक्य कॉलोनी स्थित किराए के आवास पर छापेमारी की। जैसे ही शिकायतकर्ता ने रसायन लगे 10 हजार रुपये दिए और दारोगा रकम गिनने लगीं, टीम ने मौके पर पहुंचकर उन्हें गिरफ्तार कर लिया। कार्रवाई के दौरान आरोपी के हाथों की रासायनिक जांच कराई गई। जांच में हाथों का रंग बदलने को रिश्वत लेने का प्रमाण माना गया। इसके बाद निगरानी टीम ने आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करते हुए मामले को अदालत में प्रस्तुत किया। सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष ने कुल 14 गवाह पेश किए। गवाहों के बयान और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर अदालत ने आरोपी को दोषी माना। इसके बाद विशेष सतर्कता न्यायालय ने तीन साल की सजा और जुर्माने का आदेश सुनाया।

औरंगाबाद में 4 आर्म्स तस्कर गिरफ्तार, बड़ी संख्या में हथियारों की खेप बरामद

औरंगाबाद। बिहार पुलिस की स्पेशल आपरेशन ग्रुप (एसओजी) ने जिले में अवैध हथियार तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए चार अंतरजिला आर्म्स तस्करों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार तस्करों में उपहारा थाना क्षेत्र के झाड़ी गांव निवासी रोहित कुमार उर्फ बिल्लू सिंह उर्फ बिल्टा, हसपुरा थाना क्षेत्र के टनकुप्पी गांव निवासी गणेश कुमार उर्फ विक्रम, गोह थाना क्षेत्र के प्राणपुर निवासी मो. सोहेल उर्फ बलिस्टर आलम उर्फ बली तथा इश्तेखार आलम शामिल हैं। पूछताछ में सभी तस्करों ने अवैध हथियारों की तस्करी में अपनी संलिप्तता स्वीकार की है। पुलिस ने इन तस्करों के पास से और उनकी निशानदेही पर छापेमारी के दौरान तीन लोडेड पिस्टल, दो देशी कार्बाइन, दो कट्टा, एक टूटा हुआ कट्टा, 159 कारतूस, सात मैगजीन, तीन बाइक, चार मोबाइल तथा दो खोखा बरामद किए हैं। पुलिस गिरफ्तार तस्करों से पूछताछ कर उनके आपराधिक नेटवर्क और अन्य मामलों में संलिप्तता की जांच कर रही है। एसटीएफ के अनुसार अनुसार 18 जून को सूचना मिली थी कि औरंगाबाद, रोहतास, कैमूर और भोजपुर जिले में बड़े पैमाने पर अवैध पिस्टल, कट्टा और कारतूस की आपूर्ति की जा रही है। सूचना पर 19 जून को जिले के गोह थाना पुलिस के साथ संयुक्त अभियान चलाया गया। टीम ने गोह-रफीगंज मुख्य मार्ग पर डिहुरी बाजार के समीप घेराबंदी कर तीन बाइक पर सवार चारों तस्करों को पकड़ा। तलाशी के दौरान उनके पास से हथियार और कारतूस के साथ मैगजीन बरामद किए गए।

टैंकर भेजकर एहसान न जताए सरकार'..... पानी की किल्लत पर बॉम्बे हाईकोर्ट सख्त

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज। बॉम्बे हाईकोर्ट ने महाराष्ट्र में पानी की किल्लत और मेलघाट में दूषित पानी से हुई मौतों पर सरकार को कड़ी फटकार लगाई है। कोर्ट ने साफ किया कि साफ पानी देना सरकार का कर्तव्य है, कोई एहसान नहीं। सरकार से मंगलवार तक जवाब मांगा गया है कि राज्य में पानी का संकट कब तक खत्म होगा। बॉम्बे हाईकोर्ट ने कहा कि साफ और पीने योग्य पानी मिलना नागरिकों का बुनियादी हक है। कोर्ट ने महाराष्ट्र में पानी की भारी किल्लत पर गहरी चिंता जताई। साथ ही सरकार से पूछा कि वह इस गंभीर समस्या को कब तक दूर करेगी। न्यायमूर्ति ए एस गडकरी और न्यायमूर्ति कमल खाता की पीठ इस मामले की सुनवाई कर रही थी। अदालत के सामने विदर्भ क्षेत्र के अमरावती जिले से जुड़ी कई याचिकाएं थीं। इन याचिकाओं में आदिवासी बहुल मेलघाट इलाके का मुद्दा उठाया गया था। वहां कुपोषण के कारण लगातार नवजातों, गर्भवती महिलाओं और स्तनपान कराने वाली माताओं की मौतें हो रही हैं। अदालत को सूचित किया गया कि तपती गर्मी के बीच मेलघाट भीषण जल संकट से जूझ रहा है। वहां साफ और सुरक्षित पानी की भारी कमी है। इससे पहले अप्रैल में हुई सुनवाई के दौरान कोर्ट को एक चौंकाने वाली जानकारी दी गई थी। हाईकोर्ट को बताया गया था कि दूषित पानी पीने की वजह से इलाके में 13 लोगों की जान जा चुकी है। सोमवार को सुनवाई के दौरान सरकारी तंत्र ने अपनी सफाई पेश की। सरकार ने पीठ को बताया कि प्रभावित इलाकों में समय-समय पर टैंकरों से पानी भेजा जा रहा है। हालांकि, याचिकाकर्ताओं ने सरकार के इस दावे को पूरी तरह खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि जमीनी हकीकत अलग है और टैंकरों से पानी की सप्लाई बेहद अनियमित है। इस दलील पर हाईकोर्ट ने नाराजगी व्यक्त की। अदालत ने फटकार लगाते हुए कहा कि सरकार पानी के टैंकर भेजकर जनता पर कोई एहसान नहीं कर रही है। उच्च अदालत ने स्पष्ट किया कि साफ और पीने योग्य पानी पाना संविधान के तहत मिला एक मौलिक अधिकार है। अपने नागरिकों को यह बुनियादी सुविधा देना सरकार का सांविधानिक कर्तव्य है। हाईकोर्ट ने तल्ख टिप्पणी करते हुए कहा कि केवल मेलघाट ही नहीं, बल्कि पूरा महाराष्ट्र इस समय पानी की किल्लत का सामना कर रहा है। अदालत ने अब सरकार को इस संकट पर अपनी स्थिति स्पष्ट करने को कहा है। कोर्ट ने निर्देश दिया कि सरकार लिखित में बताए कि इस समस्या का समाधान कब तक होगा। हाईकोर्ट ने सरकार से अब तक उठाए गए कदमों की पूरी रिपोर्ट मांगी है। मामले की गंभीरता को देखते हुए अदालत ने सरकार को सोचने के लिए ज्यादा वक्त नहीं दिया है। कोर्ट ने इस मामले की अगली सुनवाई मंगलवार के लिए तय कर दी है। सरकार को अब बेहद कम समय में अपना पूरा प्लान कोर्ट के सामने रखना होगा।

बिहार में जमीन के 'खेल' में फंसे 3 अंचल अधिकारी

फुलकाहा (अररिया)। नरपतगंज प्रखंड क्षेत्र के फुलकाहा थाना क्षेत्र के पोसदाहा पंचायत अंतर्गत डुमरिया गांव में करीब 20 वर्ष पूर्व खरीदी गई जमीन के विवाद मामले में पीड़ित बैजनाथ बहरदार की शिकायत पर फुलकाहा थाने में तीन अंचल अधिकारियों और तीन राजस्व कर्मचारियों सहित कुल 55 लोगों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। प्राथमिकी में पीड़ित बैजनाथ बहरदार ने आरोप लगाया है कि उन्होंने लगभग दो दशक पूर्व सुरेंद्र शर्मा, वीरेंद्र साह, कलानंद बहरदार, नित्यानंद बहरदार, चंदेश्वरी बहरदार, राजेश बहरदार, नरेश शर्मा, बाबूनंद यादव सहित अन्य भू-धारकों से विधिवत रजिस्ट्री के माध्यम से लगभग ढाई एकड़ से अधिक भूमि खरीदी थी। बाद में न्यायालय के आदेश पर उनके पक्ष में जमाबंदी भी कायम हुई और वर्षों से वे उक्त भूमि पर खेती करते आ रहे हैं। पीड़ित का आरोप है कि न्यायालय के आदेश और राजस्व अभिलेखों के बावजूद कुछ लोगों ने राजस्व अधिकारियों एवं कर्मचारियों की मिलीभगत से ऑनलाइन जमाबंदी में छेड़छाड़ कर नई जमाबंदी तैयार कर दी। इसके माध्यम से उनकी भूमि पर अवैध तरीके से कब्जा करने और स्वामित्व बदलने का प्रयास किया गया। प्राथमिकी में तत्कालीन सीओ शंभु प्रकाश, उत्तम राहुल, वर्तमान सीओ रविंद्र कुमार, राजस्व कर्मचारी रेणु कुमारी, जितेंद्र कुमार राय सहित 55 लोगों को नामजद किया गया है।

दुबहड़ क्षेत्र की बिजली समस्या का हुआ समाधान, उपभोक्ताओं की शिकायतों का होगा त्वरित निस्तारण: डीएम

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बलिया। जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट स्थित कार्यालय कक्ष में विद्युत विभाग के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक कर जनपद में विद्युत आपूर्ति व्यवस्था की स्थिति का जायजा लिया। बैठक में बिजली आपूर्ति से जुड़ी विभिन्न समस्याओं और उनके समाधान की प्रगति पर विस्तार से चर्चा की गई। समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने विशेष रूप से दुबहड़ विद्युत उपकेंद्र से संबंधित समस्याओं पर अधिकारियों से जानकारी ली। अधिकारियों ने बताया कि दुबहड़ उपकेंद्र से संचालित 11 केवी पोषक सहरसपाली पर अत्यधिक विद्युत भार की समस्या को दूसरे 11 केवी पोषक जनाड़ी पर स्थानांतरित कर दिया गया है। इस व्यवस्था के लागू होने के बाद दुबहड़ क्षेत्र में बिजली आपूर्ति की समस्या समाप्त हो गई है और उपभोक्ताओं को अब पहले की अपेक्षा बेहतर एवं सुचारु विद्युत आपूर्ति मिल रही है। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि विद्युत उपभोक्ताओं की शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर त्वरित निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि शिकायतों के समाधान के बाद संबंधित उपभोक्ताओं से फोन के माध्यम से संपर्क कर फीडबैक भी प्राप्त किया जाए, जिससे कार्यों की गुणवत्ता और उपभोक्ता संतुष्टि का सही आकलन किया जा सके। बैठक में जिलाधिकारी ने क्षतिग्रस्त विद्युत परिवर्तकों (ट्रांसफार्मरों) को निर्धारित समय सीमा के भीतर बदलने की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ट्रांसफार्मर खराब होने की स्थिति में उपभोक्ताओं को अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े, इसके लिए विभाग सतर्कता और संवेदनशीलता के साथ कार्य करे। उन्होंने कंट्रोल रूम से प्राप्त होने वाली शिकायतों के तत्काल निस्तारण पर भी विशेष जोर दिया और स्पष्ट किया कि जनहित से जुड़े मामलों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। साथ ही विद्युत अधिकारियों को नियमित निगरानी रखकर बिजली आपूर्ति व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ एवं प्रभावी बनाने के निर्देश दिए। बैठक में मुख्य अभियंता (वितरण) आजमगढ़ क्षेत्र सहित जनपद बलिया के सभी अधिशासी अभियंता एवं उपखंड अधिकारी उपस्थित रहे।

लखनऊ हादसे में जान गंवाने वाले छात्रों को चंदवा में श्रद्धांजलि, क्रिएटिव अकैडमी में शोक सभा आयोजित

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

चंदवा, झारखण्ड:- लखनऊ के एक कोचिंग संस्थान में आग लगने की दुखद घटना में जान गंवाने वाले छात्रों की स्मृति में चंदवा स्थित क्रिएटिव अकैडमी में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर शिक्षकों एवं विद्यार्थियों ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत छात्रों को श्रद्धांजलि अर्पित की तथा उनके चित्र पर माल्यार्पण किया। सभा में उपस्थित लोगों ने हादसे में घायल विद्यार्थियों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अकैडमी के डायरेक्टर डॉ. मनु कुमार गुप्ता ने कहा कि यह घटना अत्यंत दुखद और पूरे देश को झकझोर देने वाली है। उन्होंने कहा कि प्रशासन को पीड़ित परिवारों के साथ संवेदनशीलता के साथ खड़ा होना चाहिए तथा भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए सुरक्षा मानकों को और मजबूत बनाने की आवश्यकता है। इस दौरान खुशी कुमारी, अमृत कौर, ऋतु कुमारी, प्रीति पाठक, रवि रंजन कुमार, मुस्कान प्रवीण, सनिका वर्मा, वर्षा कुमारी, निखिल वर्मा, राखी दास, मोनी देवी, दीपक कुमार, उमेश उरांव सहित विद्यालय के शिक्षक, कर्मचारी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन दिवंगत छात्रों की आत्मा की शांति एवं उनके परिजनों को इस कठिन समय में संबल प्रदान करने की प्रार्थना के साथ किया गया।

भागलपुर में रफ्तार का कहर: स्कूल मैजिक वैन और कार के बीच सीधी भिड़ंत

भागलपुर। बाईपास थाना क्षेत्र के अंतर्गत दुमका मुख्य मार्ग पर होंडा शोरूम के समीप एक कार और स्कूल मैजिक वैन के बीच जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार के परखच्चे उड़ गए और वह बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। इस सड़क हादसे में स्कूल वैन में सवार दो बच्चे घायल हो गए हैं। वहीं, वैन चालक की पहचान बबरगंज थाना क्षेत्र के महेशपुर निवासी छोटू पासवान के रूप में हुई है। घटना के तुरंत बाद स्थानीय लोग मौके पर राहत और बचाव के लिए दौड़े। लोगों की मदद से घायल बच्चों को तुरंत इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल भेजा गया। हादसे के बाद सड़क पर भारी भीड़ जमा हो गई, जिससे कुछ देर के लिए मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया और गाड़ियों की रफ्तार थम गई।

पर्यावरण संरक्षण की मिसाल बना ग्लिटर त्रिवेणी पब्लिक स्कूल

● छात्रों ने निकाली जागरूकता रैली और लगाए सैकड़ों पौधे

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

चंदवा, झारखंड:- पर्यावरण संरक्षण को जनआंदोलन का स्वरूप देने की दिशा में ग्लिटर त्रिवेणी पब्लिक स्कूल, चंदवा ने एक सराहनीय पहल करते हुए भव्य वृक्षारोपण अभियान एवं पर्यावरण जागरूकता रैली का आयोजन किया। विद्यालय के शैक्षणिक प्रोजेक्ट के तहत आयोजित इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह के साथ भाग लेते हुए हरित और स्वच्छ भविष्य का संदेश लोगों तक पहुंचाया। रैली के दौरान विद्यार्थियों ने चंदवा पोस्ट ऑफिस, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी), प्रखंड सह अंचल कार्यालय एवं चंदवा थाना परिसर में विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाए। इस अवसर पर आम, अमरूद, नीम, आंवला, कटहल, गुलमोहर, हर्रे एवं बहेरा सहित फलदार, छायादार और औषधीय पौधों का रोपण किया गया। बच्चों ने पर्यावरण संरक्षण, जल बचाओ और स्वच्छता से जुड़े नारों के माध्यम से लोगों को जागरूक करते हुए अधिक से अधिक वृक्ष लगाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में उपस्थित अधिकारियों ने विद्यार्थियों के इस प्रयास की मुक्तकंठ से सराहना की। प्रखंड विकास पदाधिकारी चंदन प्रसाद, सीआई गोविंदा कुमार गुप्ता, थाना प्रभारी अशोक सिंह, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के चिकित्सकों तथा डाक विभाग के अधिकारियों ने कहा कि ऐसे अभियान समाज में पर्यावरण के प्रति सकारात्मक सोच विकसित करते हैं और नई पीढ़ी को जिम्मेदार नागरिक बनने की प्रेरणा देते हैं। विद्यालय के प्रधानाचार्य हिमांशु सिंह ने कहा कि केवल पौधारोपण करना ही उद्देश्य नहीं है, बल्कि बच्चों में पौधों के संरक्षण और प्रकृति के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित करना भी इस अभियान का मुख्य लक्ष्य है। उन्होंने बताया कि विद्यार्थी नियमित रूप से लगाए गए पौधों की देखभाल और निगरानी करेंगे ताकि उनका समुचित विकास सुनिश्चित हो सके। विद्यालय की निदेशिका श्रीमती कादंबरी सिंह ने कहा कि वर्तमान समय में पर्यावरण संरक्षण सबसे बड़ी सामाजिक आवश्यकता बन चुकी है। ऐसे कार्यक्रम बच्चों में सामाजिक चेतना, प्रकृति प्रेम और जिम्मेदारी की भावना विकसित करते हैं। उन्होंने कार्यक्रम के सफल आयोजन में सहयोग देने वाले सभी शिक्षकों, विद्यार्थियों, प्रशासनिक अधिकारियों एवं सहयोगी संस्थाओं का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम की सफलता में विद्यालय के उपप्राचार्य रंजन शर्मा, प्रशासक सुमंत कुमार सिंह, शशिकांत मिश्रा, रोशन पाठक, रघु निश्चल, हिना फरीन, सतरूपा, चंदा प्रसाद सहित सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं और कर्मचारियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। वहीं मीडिया प्रतिनिधियों ने भी कार्यक्रम को व्यापक रूप से जन-जन तक पहुंचाने में अहम योगदान दिया। ग्लिटर त्रिवेणी पब्लिक स्कूल की यह पहल न केवल पर्यावरण संरक्षण का संदेश देती है, बल्कि यह भी साबित करती है कि यदि बच्चों में सामाजिक जिम्मेदारी का भाव विकसित किया जाए तो वे समाज में सकारात्मक बदलाव के सशक्त वाहक बन सकते हैं। विद्यालय प्रबंधन ने सभी नागरिकों से अधिक से अधिक वृक्ष लगाने, उनका संरक्षण करने तथा हरित भविष्य के निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाने की अपील की।

भदोही में 30 अगस्त तक धारा 163 लागू, बिना अनुमति जुलूस और पांच से अधिक लोगों के जुटने पर रोक

भदोही। आगामी मोहर्रम, यूपीटीईटी परीक्षा, लव-कुश जन्मोत्सव, सीतामढ़ी मेला, श्रावण मास, स्वतंत्रता दिवस, ईद-ए-मिलाद और रक्षाबंधन जैसे महत्वपूर्ण आयोजनों को देखते हुए जिला प्रशासन ने जनपद में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता-2023 की धारा 163 लागू कर दी है। यह आदेश 23 जून से 30 अगस्त 2026 तक प्रभावी रहेगा। जिलाधिकारी एवं जिला मजिस्ट्रेट शैलेष कुमार द्वारा जारी आदेश के अनुसार जनपद में शांति व्यवस्था बनाए रखने तथा असामाजिक तत्वों की गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए यह कदम उठाया गया है। आदेश के तहत कोई भी व्यक्ति बिना वैध अनुमति के आग्नेयास्त्र, विस्फोटक पदार्थ, तलवार, भाला, लाठी-डंडा, पांच सेंटीमीटर से अधिक फल वाली छुरी अथवा अन्य घातक हथियार लेकर नहीं चलेगा और न ही उनका सार्वजनिक प्रदर्शन करेगा। प्रशासन ने बिना पूर्व अनुमति किसी भी सार्वजनिक स्थान पर जुलूस, सभा अथवा ध्वनि विस्तारक यंत्र के प्रयोग पर भी रोक लगाई है। इसके साथ ही सार्वजनिक स्थानों, सड़कों और गलियों में पांच से अधिक व्यक्तियों के एकत्र होने पर प्रतिबंध लगाया गया है। आदेश में साम्प्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने वाले भाषण, भड़काऊ नारे, अफवाह फैलाने तथा उत्तेजक साहित्य के प्रकाशन एवं वितरण पर भी रोक लगाई गई है। जिलाधिकारी ने कहा कि किसी भी प्रकार की अफवाह फैलाने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। जारी आदेश में कहा गया है कि प्रतिबंधात्मक आदेशों का उल्लंघन भारतीय न्याय संहिता-2023 की धारा 223 के अंतर्गत दंडनीय अपराध माना जाएगा। प्रशासन ने जनपदवासियों से शांति एवं सौहार्द बनाए रखने में सहयोग की अपील की है।

सरकारी डॉक्टरों का प्राइवेट प्रैक्टिस करना गंभीर मामला: सुप्रीम कोर्ट ने जांच में दखल देने से किया इनकार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज- सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के उस आदेश में दखल देने से इनकार किया, जिसमें मोती लाल नेहरू मेडिकल कॉलेज, प्रयागराज से जुड़े सरकारी डॉक्टरों पर प्राइवेट प्रैक्टिस करने (जिस पर रोक है) और सरकारी अस्पताल के बाहर एक समानांतर हेल्थकेयर सिस्टम चलाने के आरोपों की हाई-लेवल जांच का निर्देश दिया गया। जस्टिस बी.वी. नागरत्ना और जस्टिस जॉयमाल्य बागची की बेंच ने मेडिकल कॉलेज के सर्जरी विभाग में एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. संतोष कुमार सिंह द्वारा दायर स्स्क्र(स्पेशल लीव पिटिशन) को वापस लेने की अनुमति दे दी, क्योंकि वे हाईकोर्ट के आदेश में दखल देने के इच्छुक नहीं है। डॉ. सिंह की ओर से सीनियर एडवोकेट हर्षवीर प्रताप शर्मा ने तर्क दिया कि वे हाईकोर्ट के सामने चल रही कार्यवाही में पक्षकार नहीं थे और सिंगल जज ने रिट याचिका पर सुनवाई करते हुए एक स्न्नद्धक्र पर भरोसा किया, जो उनसे जुड़े एक निजी विवाद से संबंधित थी। हालांकि, जस्टिस नागरत्ना ने कहा कि हाईकोर्ट एक बड़े सार्वजनिक मुद्दे पर विचार कर रहा था। उन्होंने टिप्पणी की, 'यह मकसद बहुत अच्छा है, क्योंकि सरकारी डॉक्टरों को ऐसा नहीं करना चाहिए और आप भी एक डॉक्टर हैं।' उन्होंने कहा कि कार्यवाही व्यक्तिगत रूप से डॉ. सिंह के खिलाफ नहीं थी, बल्कि सरकारी डॉक्टरों द्वारा प्राइवेट प्रैक्टिस करने के आरोपों से संबंधित थी। जस्टिस नागरत्ना ने कहा, 'आपके खिलाफ कुछ भी व्यक्तिगत नहीं है। यह उन सभी डॉक्टरों के लिए है, जो प्राइवेट प्रैक्टिस में शामिल हैं।' कोर्ट ने बार-बार संकेत दिया कि वह दखल देने का इच्छुक नहीं है। इसके बाद शर्मा ने हाईकोर्ट जाने की छूट के साथ याचिका वापस लेने की अनुमति मांगी। यह मामला इलाहाबाद हाईकोर्ट के सामने लंबित कार्यवाही से उत्पन्न हुआ, जो मोती लाल नेहरू मेडिकल कॉलेज और स्वरूप रानी नेहरू अस्पताल, प्रयागराज की स्थिति से संबंधित थी। क्क्रुरु(जनहित याचिका) मूल रूप से इन आरोपों पर शुरू हुई कि मेडिकल कॉलेज से जुड़े एक अन्य डॉक्टर ने प्राइवेट प्रैक्टिस पर रोक के बावजूद एक प्राइवेट अस्पताल में मरीजों का इलाज किया। हाईकोर्ट संस्थान से संबंधित कई अन्य मुद्दों की भी निगरानी कर रहा है, जिसमें स्टूडेंट्स के हॉस्टल की स्थिति और प्रस्तावित पुनर्निर्माण तथा इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स में देरी शामिल है। कोर्ट ने ध्यान दिया कि कार्डियोलॉजी डिपार्टमेंट की दो मंज़िलों का निर्माण 2006 में काम शुरू होने और राज्य सरकार से फंड मिलने के बावजूद अधूरा पड़ा था। 4 मई, 2026 को हाईकोर्ट ने डॉ. संतोष कुमार सिंह और उनकी पत्नी के खिलाफ दर्ज स्न्नद्धक्र का संज्ञान लिया। हाईकोर्ट को बताया गया कि डॉ. सिंह की पत्नी प्राइवेट नर्सिंग होम, एक्यूरा हॉस्पिटल की डायरेक्टर थीं, जहां वे कथित तौर पर सर्जरी करते थे। हाई कोर्ट ने कहा कि यह मामला गंभीर चिंता का विषय है। हाईकोर्ट ने आगे देखा कि मेडिकल कॉलेज के प्रोफेसर, एसोसिएट प्रोफेसर और लेक्चरर प्राइवेट नर्सिंग होम में प्रैक्टिस करते और प्रयागराज में समानांतर मेडिकल सिस्टम चलाते हुए प्रतीत होते हैं, जिसमें मरीज़ों को कथित तौर पर स्वरूप रानी नेहरू हॉस्पिटल से प्राइवेट जगहों पर शिफ्ट किया जा रहा है। हाईकोर्ट ने कहा, 'ऐसा लगता है कि मोती लाल नेहरू मेडिकल कॉलेज और उससे जुड़े स्वरूप रानी नेहरू हॉस्पिटल की हालत इसलिए खराब नहीं हुई कि सरकार की ओर से फंड या सुविधाओं की कमी है, बल्कि मेडिकल बिरादरी ही सरकार के मकसद को पूरा करने में नाकाम हो रही है। प्रोफेसर, एसोसिएट प्रोफेसर और लेक्चरर प्राइवेट नर्सिंग होम में प्रैक्टिस कर रहे हैं और प्रयागराज शहर में एक समानांतर मेडिकल इंडस्ट्री चला रहे हैं। ये डॉक्टर सर्जरी कर रहे हैं और उन मरीज़ों को प्राइवेट सेटअप में रख रहे हैं, जिन्हें स्वरूप रानी नेहरू हॉस्पिटल से ट्रांसफर किया गया।' यह देखते हुए कि पहले भी ऐसे आरोप सामने आए और डिस्ट्रिक्ट मजिस्ट्रेट से मांगी गई रिपोर्ट दाखिल नहीं की गई, हाईकोर्ट ने उत्तर प्रदेश के मुख्य सचिव को निर्देश दिया कि वे उचित कार्रवाई करें और मेडिकल कॉलेज में प्राइवेट प्रैक्टिस में कथित तौर पर शामिल डॉक्टरों के खिलाफ उच्च-स्तरीय जांच शुरू करें। इसने मुख्य सचिव को हॉस्पिटल में निर्माण कार्यों की निगरानी करने का भी निर्देश दिया।

अवैध गिरफ्तारी के बाद तीन महीने से अधिक की अवैध हिरासत के लिए व्यक्ति को 10 लाख रुपये का मुआवजा का भुगतान करने का निर्देश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज। जस्टिस प्रशांत कुमार मिश्रा और जस्टिस संजीव सचदेवा की खंडपीठ हाईकोर्ट द्वारा प्रतिवादी को दिए गए मुआवजे की मात्रा के सीमित मुद्दे पर हाईकोर्ट के फैसले को चुनौती देने वाली राज्य की अपील पर सुनवाई कर रही थी। राज्य ने मुआवजे की मात्रा के खिलाफ तर्क दिया। साथ ही प्रतिवादी को गिरफ्तारी के आधार की आपूर्ति न करने की बात भी स्वीकार की। इसने अदालत को सूचित किया कि संबंधित स्टेशन हाउस अधिकारी (SHO) के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई शुरू की गई, जिसे निलंबित कर दिया गया। राज्य के वकील द्वारा दी गई दलील के बाद पीठ एक नोटिस जारी करने और प्रतिवादी को मुआवजे के भुगतान के संबंध में अंतरिम रोक आदेश पारित करने के लिए आगे बढ़ी।आगे कहा गया, 'नोटिस जारी करें। इस बीच, जहां तक याचिकाकर्ता पर 10 लाख का जुर्माना लगाने का सवाल है, सुनवाई की अगली तारीख तक विवादित आदेश पर रोक रहेगी।' प्रतिवादी को 2024 में दर्ज स्न्नद्धक्र के सिलसिले में 27 जनवरी, 2026 को गिरफ्तार किया गया। जैसा कि पहले कहा गया, गिरफ्तारी ज्ञापन में उसकी गिरफ्तारी के लिए विशिष्ट आधार नहीं बताया गया। इसमें केवल मामले की अपराध संख्या का उल्लेख किया गया। इसके बाद संबंधित मजिस्ट्रेट ने उन्हें 28 जनवरी, 2026 को रिमांड पर भी भेज दिया। इसलिए उनकी गिरफ्तारी, रिमांड आदेश और निरंतर हिरासत को चुनौती देते हुए याचिकाकर्ता ने अपने बेटे के माध्यम से बंदी प्रत्यक्षीकरण रिट याचिका दायर करते हुए हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया। हाईकोर्ट ने प्रथम दृष्टया पाया कि याचिकाकर्ता की गिरफ्तारी अवैध थी, क्योंकि यह मिहिर राजेश शाह बनाम महाराष्ट्र राज्य और अन्य के मामले में सुप्रीम कोर्ट द्वारा निर्देशित प्रक्रिया का पालन किए बिना की गई। इसके बाद यह पता चलने पर कि न्यायिक आदेश के बावजूद प्रतिवादी (याचिकाकर्ता) को रिहा नहीं किया गया, हाईकोर्ट ने गिरफ्तारी और रिमांड को अवैध घोषित कर दिया और याचिकाकर्ता की तत्काल रिहाई का निर्देश दिया। इसके अलावा, याचिकाकर्ता की अवैध गिरफ्तारी पर विचार करते हुए, जो आदेश पारित होने के दिन भी जारी रही, पीठ ने राय दी कि राज्य सरकार पर 10 लाख रुपये का जुर्माना लगाया जाना उचित होगा, जिसे याचिकाकर्ता को 4 सप्ताह के भीतर भुगतान किया जाना चाहिए। टीएमसी के बागी गुट ने ममता को पार्टी अध्यक्ष पद से हटाया, अरूप रॉय को बनाया नया चेयरमैन टीएमसी की संस्थापक ममता बनर्जी को तब एक और बड़ा झटका लगा जब इसके बागी गुट ने ममता को पार्टी अध्यक्ष पद से हटाने की घोषणा कर दी। बागी खेमे ने वरिष्ठ विधायक अरुप रॉय को नया चेयरमैन चुना है। बागी गुट का नेतृत्व कर रहे ऋतब्रत बनर्जी ने दावा किया है कि उनकी ओर से गठित नई राष्ट्रीय कार्यकारिणी ही पार्टी की वैध संगठनात्मक इकाई है। इस फ़ैसले के बाद माना जा रहा है कि बागी गुट अब पार्टी का पूरा नियंत्रण लेने की कोशिश कर रहा है। बागी नेता पार्टी के चुनाव चिह्न पर अपना दावा पेश करने के लिए चुनाव आयोग का रुख कर सकते हैं। अध्यक्ष पद पर बदलाव के फ़ैसले से पहले बाग़ी गुट ने बैठक की। सोमवार शाम को कोलकाता के न्यू टाउन स्थित एक निजी होटल में बागी विधायकों, पार्षदों और पार्टी नेताओं की एक बैठक आयोजित की गई। सूत्रों के हवाले से कहा गया है कि बैठक में अरूप रॉय, फिरहाद हकीम, अरूप बिस्वास, जावेद खान, संदीपन साहा, सबीना यास्मीन और अन्य कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहे। बताया गया कि कोलकाता, हावड़ा, मुर्शिदाबाद, बहरामपुर, उत्तरपाड़ा, श्रीरामपुर और अन्य जिलों के कई पार्षद और पूर्व जनप्रतिनिधि भी इस बैठक में शामिल हुए। रिपोर्टों के अनुसार बैठक को संबोधित करते हुए ऋतब्रत बनर्जी ने कहा कि पार्टी संविधान के अनुसार हर तीन वर्ष में राष्ट्रीय कार्यकारिणी का पुनर्गठन होना चाहिए। इंडिया टुडे ने सूत्रों के हवाले से रिपोर्ट दी है कि ऋतब्रत का दावा था कि फरवरी 2022 में बनी कार्यकारिणी का कार्यकाल समाप्त हो चुका था, लेकिन नया संगठन नहीं बनाया गया। उन्होंने कहा कि पार्टी संविधान का पालन नहीं होने के कारण संगठनात्मक संकट पैदा हो गया था और इसी वजह से नई राष्ट्रीय कार्यकारिणी गठित करने की जरूरत पड़ी। बैठक में सर्वसम्मति से एक नई राष्ट्रीय कार्यकारिणी गठित की गई। इसके बाद अरूप रॉय को ध्वनिमत से पार्टी का चेयरमैन चुन लिया गया। रिपोर्ट के अनुसार फिरहाद हकीम, अरूप विश्वास, रथीन घोष और सबीना यास्मीन को उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया। ऋतब्रत बनर्जी, जावेद खान और संदीपन साहा को महासचिव बनाया गया। अखरुज्जमान अंसारी को कोषाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई। इसके अलावा पार्टी के वित्तीय रिकॉर्ड की जांच के लिए स्वतंत्र ऑडिटर नियुक्त करने का भी फैसला लिया गया। बागी गुट ने संगठनात्मक ढाँचे की घोषणा के तुरंत बाद पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी को निलंबित करने की भी घोषणा कर दी। माना जा रहा है कि यह कदम केवल संगठनात्मक बदलाव नहीं बल्कि ममता बनर्जी परिवार के नेतृत्व को सीधी चुनौती है।

पटना में गिग वर्कर्स के लिए शुरू हुए एसी लाउंज, गर्मी से मिलेगी राहत; 4 रुपये में 1 घंटा का लाभ

पटना। राजधानी में डिलीवरी पार्टनर्स और अन्य गिग वर्कर्स को भीषण गर्मी से राहत देने के लिए गांधी मैदान गेट संख्या-4 और आयकर गोलंबर के समीप अत्याधुनिक एयर कंडीशंड (एसी) लाउंज की सुविधा शुरू की गई है। नगर विकास एवं आवास विभाग के मंत्री नीतीश मिश्रा ने मंगलवार को दोनों लाउंज का निरीक्षण कर वहां उपलब्ध सुविधाओं का जायजा लिया तथा गिग वर्कर्स से संवाद कर उनकी समस्याएं और सुझाव सुने। मंत्री ने कहा कि बदलती शहरी अर्थव्यवस्था में गिग वर्कर्स की भूमिका लगातार महत्वपूर्ण होती जा रही है। खाद्य सामग्री, आवश्यक वस्तुओं और अन्य सेवाओं की त्वरित डिलीवरी सुनिश्चित करने में उनकी अहम भागीदारी है। ऐसे कर्मियों के लिए बेहतर कार्य परिवेश और आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराना राज्य सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है। पटना स्मार्ट सिटी लिमिटेड द्वारा संचालित इन दोनों लाउंज का निर्माण लगभग 16-16 लाख रुपये की लागत से किया गया है। इनका उद्घाटन 19 जून को सम्राट चौधरी ने किया था। प्रत्येक लाउंज में एक समय में लगभग 15 लोगों के बैठने की व्यवस्था है। लाउंज में बैठने की सुविधा के साथ एसी, पेयजल, मोबाइल चार्जिंग प्वाइंट, सीसीटीवी निगरानी, 24 घंटे सुरक्षा गार्ड और नियमित सफाई की व्यवस्था की गई है। आधे घंटे के उपयोग के लिए मात्र दो रुपये का शुल्क निर्धारित किया गया है। विभाग की योजना जीविका दीदियों को भी इस पहल से जोड़ने की है। उनके माध्यम से छाछ, आम पन्ना और अन्य पारंपरिक ग्रीष्मकालीन पेय पदार्थ किफायती दरों पर उपलब्ध कराए जाएंगे, जिससे कामकाजी लोगों को अतिरिक्त राहत मिल सकेगी। गांधी मैदान और आयकर गोलंबर राजधानी के सबसे व्यस्त क्षेत्रों में शामिल हैं, जहां प्रतिदिन बड़ी संख्या में डिलीवरी बॉय, कूरियर कर्मी और बाइक राइडर्स आते-जाते हैं।

संक्षिप्त खबरें

दहेज उत्पीड़न मामले में वारंटी दो अभियुक्त गिरफ्तार

कोंच (जालौन)- थाना कैलिया पुलिस ने दहेज उत्पीड़न समेत अन्य धाराओं में दर्ज मामले में फरार चल रहे दो वारंटी अभियुक्तों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश कर दिया। थानाध्यक्ष कैलिया अवनीश कुमार व उपनिरीक्षक संतोष सिंह ने पुलिस टीम के साथ कार्रवाई करते हुए न्यायालय से जारी वारंट के आधार पर अभियुक्त चन्दन निवासी ग्राम धौरपुर थाना कैलिया और लक्ष्मी उर्फ राकेश कुशवाहा निवासी ग्राम धौरपुर को गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार दोनों अभियुक्तों के खिलाफ न्यायिक मजिस्ट्रेट कोंच न्यायालय से संबंधित मामले में वारंट जारी था।जिसमें आरोप दहेज उत्पीड़न, मारपीट, गाली-गलौज और धमकी देने की धाराओं में दर्ज किया गया था। गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने दोनों वारंटी अभियुक्तों को न्यायालय के समक्ष पेश किया।

बड़े मंगलवार पर केडीएस सर्विसेज प्रा. लि. ने किया विशाल भंडारे का आयोजन

श्रद्धालुओं को कराया प्रसाद वितरण, सेवा भाव और सामाजिक समरसता का दिया संदेश

ललितपुर। बड़े मंगलवार के पावन अवसर पर केडीएस सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड, लखनऊ द्वारा कंपनी के निदेशक श्रवण राय के निर्देशानुसार श्रद्धालुओं के लिए विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। भंडारे में बड़ी संख्या में लोगों ने पहुंचकर प्रसाद ग्रहण किया तथा आयोजन की सराहना की। कार्यक्रम के दौरान श्रद्धालुओं को श्रद्धापूर्वक भोजन एवं प्रसाद वितरित किया गया। आयोजकों ने बताया कि बड़े मंगलवार का धार्मिक एवं सामाजिक दृष्टि से विशेष महत्व है। इस अवसर पर जरूरतमंदों एवं आमजन की सेवा करना पुण्य का कार्य माना जाता है। भंडारे के माध्यम से सेवा, सद्भावना और सामाजिक एकता का संदेश भी दिया गया। आयोजन को सफल बनाने में कंपनी के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने सक्रिय सहयोग प्रदान किया। इस अवसर पर डिस्ट्रिक्ट मैनेजर विनोद पाठक, जितेंद्र सिंह सलूजा, संजय जैन, हन्नु खजुरिया, बद्री प्रसाद, राघवेंद्र, राजा, निक्की यादव, आकाश राजपूत एवं राजेश चौरसिया सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे। भंडारे में पूरे दिन श्रद्धालुओं का आवागमन बना रहा और सभी ने प्रसाद ग्रहण कर आयोजकों के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का समापन भक्तों के कल्याण एवं क्षेत्र की सुख-समृद्धि की कामना के साथ हुआ।

विश्व हिन्दू परिषद की मासिक बैठक संपन्न

संगठनात्मक विषयों पर हुई चर्चा

ललितपुर। विश्व हिन्दू परिषद की मासिक बैठक इलाइट चौराहा स्थित एक होटल में आयोजित की गई। मुख्य अतिथि विभाग मंत्री राहुल जैन उपस्थित रहे, जबकि अध्यक्षता जिलाध्यक्ष नवल किशोर सोनी ने की। बैठक में जिला कार्यकारिणी द्वारा सर्वसम्मति से बिरधा प्रखंड की कार्यकारिणी को भंग करने का निर्णय लिया गया। इस दौरान विभाग मंत्री राहुल जैन ने संगठन के आगामी कार्यक्रमों एवं गतिविधियों पर विस्तार से चर्चा करते हुए कार्यकर्ताओं को संगठन की मजबूती के लिए सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। बैठक के दौरान तालबेहट प्रखंड में नवीन दायित्वों की घोषणा भी की गई। इसके अंतर्गत लाखन सिंह को विहिप प्रखंड उपाध्यक्ष, चंद्रमणि समाधिया को मातृशक्ति संयोजिका, परी को दुर्गावाहिनी संयोजिका तथा नेहा राजपूत एवं दीपाली झां को दुर्गावाहिनी सह-संयोजिका का दायित्व सौंपा गया। बैठक में प्रमुख रूप से प्रांत बालोपासना प्रमुख एवं विभाग संयोजक विजय रैकवार, प्रांत सह सोशल मीडिया प्रमुख एवं जिला प्रचार-प्रसार प्रमुख जितेन्द्र परमार (डग्गी राजा), जिला उपाध्यक्ष भरत रिछारिया, अनिल पस्तोर, जिला कोषाध्यक्ष प्रमोद साहू, जिला सहमंत्री सियाराम राजपूत, जिला संगठन मंत्री अमन जी, जिला सह-प्रमुख विधि प्रकोष्ठ पुष्पेन्द्र सिंह चौहान, नगर अध्यक्ष संजय जैन (राजू सेठ), नगर उपाध्यक्ष नरेन्द्र पाठक, बजरंग दल जिला संयोजक संतोष कुमार ग्वाला, जिला सुरक्षा प्रमुख आलोक जैन, बार प्रखंड अध्यक्ष कृपाल सिंह बुन्देला, तालबेहट प्रखंड मंत्री उदयभान सिंह, जखौरा प्रखंड उपाध्यक्ष महेन्द्र झां, मातृशक्ति नगर संयोजिका प्रियंका पटैरिया, रेखा सोनी, राहुल कोरी तथा नगर बालोपासना प्रमुख शुभम कुशवाहा सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे। बैठक का संचालन जिला मंत्री ध्रुव साहू ने किया।

सड़क दुर्घटनाओं पर सख्त हुए डीएम

- दुर्घटना बाहुल्य मार्गों पर बढ़ेंगी रम्बल स्ट्रिप्स
- स्पीडोमीटर, सीसीटीवी और हाईमास्ट लाइट तत्काल दुरुस्त कराने के निर्देश अवैध कटों पर भी होगी कार्रवाई

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ललितपुर। जिले में बढ़ती सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए जिलाधिकारी सत्य प्रकाश ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभागार में सड़क सुरक्षा अभियान की समीक्षा बैठक कर संबंधित विभागों के अधिकारियों को कड़े निर्देश दिए। उन्होंने दुर्घटना संभावित क्षेत्रों में सुरक्षा उपायों को तत्काल प्रभाव से लागू करने तथा यातायात व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने के निर्देश दिए। बैठक में जिलाधिकारी ने पिछले माह हुई सड़क दुर्घटनाओं की बिंदुवार समीक्षा करते हुए कहा कि दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए सभी संबंधित विभाग समन्वय के साथ कार्य करें। उन्होंने एनएचएआई झांसी को निर्देशित किया कि रामनगर चौराहा एवं कैलगुवां ओवरब्रिज पर वाहनों की गति नियंत्रित करने के लिए तत्काल अतिरिक्त रम्बल स्ट्रिप्स लगाई जाएं। साथ ही सुरक्षित यातायात के लिए होल्डिंग एरिया विकसित कर उनका व्यापक प्रचार-प्रसार भी सुनिश्चित किया जाए। जिलाधिकारी ने राष्ट्रीय राजमार्गों पर स्थापित गति मापक उपकरण (स्पीडोमीटर) तत्काल दुरुस्त कर उन्हें नियमित रूप से संचालित रखने के निर्देश दिए। उन्होंने हाई तेरई फाटक चौराहे पर स्थापित हाईमास्ट लाइट को शीघ्र चालू कराने के निर्देश देते हुए कहा कि इससे क्षेत्र में रात्रिकालीन दृश्यता एवं सुरक्षा बेहतर होगी। बैठक में प्रोजेक्ट मैनेजर टोल प्लाजा बीघाखेत को ऐसे सभी वाहनों की सूची उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए, जो बिना नम्बर प्लेट के राजमार्ग से गुजर रहे हैं। वहीं अमझरा घाटी मंदिर चौकी के पास ओवरस्पीडिंग रोकने के लिए जिगजैक स्पीड ब्रेकर बनाने के निर्देश भी दिए गए। डीएम ने एआरटीओ को स्कूल वाहनों की फिटनेस की विशेष जांच कराने के निर्देश दिए। वहीं शहर में जाम और यातायात अव्यवस्था को नियंत्रित करने के लिए टीएसआई को ड्रिंक एंड ड्राइव के खिलाफ अभियान चलाते हुए ब्रीथ एनालाइजर से नियमित जांच करने को कहा। उन्होंने टैक्सी, टेम्पो और ई-रिक्शा जैसे सार्वजनिक वाहनों को निर्धारित रूट पर संचालित कराने पर भी जोर दिया। दुर्घटना संभावित क्षेत्रों की सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए एनएचएआई अधिकारियों को ब्लैक स्पॉट और हॉट स्पॉट चिन्हित कर वहां रिफ्लेक्टिव टेप, जीआई रिफ्लेक्टिव शीट, स्पीड ब्रेकर, टेबल टॉप तथा अन्य आवश्यक सुरक्षा उपाय स्थापित करने के निर्देश दिए गए। साथ ही नेशनल हाईवे-44 पर मौजूद सभी अवैध कटों को चिन्हित कर बंद कराने के निर्देश भी दिए गए। नगर पालिका परिषद के अधिशासी अधिकारी को शहर में अवैध होर्डिंग्स हटाने के लिए विशेष अभियान चलाने तथा सार्वजनिक उद्घोषणा प्रणाली (पीए सिस्टम) को दुरुस्त कराने के निर्देश दिए गए। बैठक में पुलिस अधीक्षक मो. मुश्ताक, डीडीओ अतिरंजन सिंह, एआरटीओ विपिन चौधरी, नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी दिनेश कुमार विश्वकर्मा, लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता विजय चन्द्रा, टीएसआई अब्दुल नफीस, पुलिस सीसी टीम तथा एनआईसी के आईरेड प्रभारी नरेन्द्र सिंह सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

विवाहिता से सरेराह छेड़छाड़, विरोध पर दी धमकी

महरौनी क्षेत्र के बम्हौरी घाट में हुई घटना, दो नामजद आरोपियों पर मुकदमा दर्ज

ललितपुर। कोतवाली महरौनी क्षेत्र के एक ग्राम में एक विवाहिता के साथ छेड़छाड़ और अभद्र व्यवहार का मामला सामने आया है। आरोप है कि बाइक से घर लौट रही महिला को रास्ते में रोककर दो युवकों ने अशोभनीय हरकत की। विरोध करने पर आरोपियों ने गाली-गलौज की तथा जान से मारने की धमकी देकर मौके से फरार हो गए। पुलिस ने तहरीर पर दोनों आरोपियों के विरुद्ध विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। महरौनी के एक गांव निवासी महिला ने बताया कि वह 18 जून को अपने मायके ग्राम बम्हौरी घाट आई थीं। दोपहर करीब 3.30 बजे वह अपने पति के साथ मोटर साइकिल से वापस घर लौट रही थीं। आरोप है कि बम्हौरी घाट स्थित देशी शराब दुकान के पास गांव के ही दो युवक रास्ते में खड़े मिले और उन्होंने मोटर साइकिल रुकवा ली। आरोपियों ने उसके साथ अभद्र व्यवहार करते हुए हाथ पकड़ लिया तथा अशोभनीय हरकतें कीं। जब उसने और उसके पति ने इसका विरोध किया तो दोनों युवक गाली-गलौज पर उतर आए और झगड़ा करने लगे। शोर-शराबा सुनकर पीछे से आ रहे महिला के परिजन तथा अन्य लोग मौके की ओर बढ़े, जिन्हें देखकर आरोपी भाग निकले। जाते समय उन्होंने शिकायत करने पर गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी भी दी। तहरीर के आधार पर पुलिस ने ग्राम बम्हौरी घाट निवासी सोनू पुत्र शीलचंद एवं पुष्पेंद्र पुत्र राजू के विरुद्ध बीएनएस की धारा 126(2), 74, 352, 131 एवं 351(3) के तहत मामला दर्ज किया है।

मोहर्रम की सातवीं तारीख पर अकीदत के साथ निकाला गया अलम का जुलूस

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कोंच (जालौन)- मोहर्रम की सातवीं तारीख पर मंगलवार को अलम-ए-मुबारक का जुलूस पूरी अकीदत के साथ निकाला गया। जुलूस में बड़ी संख्या में अकीदतमंद शामिल हुए और हजरत इमाम हुसैन तथा कर्बला के शहीदों को खिराज-ए-अकीदत पेश की गई। जुलूस में 'या हुसैन या अली' की सदाएं गूंजती रही। सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर पुलिस मुस्तैद रही और जुलूस मार्गों पर ड्रोन कैमरे से भी निगरानी रखी गई। सुबह करीब 9:30 बजे अलम-ए-मुबारक जुलूस का सिलसिला शुरू हुआ, जो देर शाम तक चलता रहा। मुख्य जुलूस चंदकुआं चौराहा स्थित इमाम चौक से आरंभ हुआ, जिसमें नगर के विभिन्न इमाम चौकों से निकाले गए अलम शामिल रहे। जुलूस निर्धारित मार्ग से होता हुए सागर तालाब, रामगंज, नई बस्ती तिराहा, लवली चौराहा, सब्जी मंडी, कटरा, स्टेट बैंक, बंगला, भगत सिंह नगर, अंसारी चौक, आराजीलेन, कसाई मंडी, जामा मस्जिद, खलीफा चौक, बजरिया, महते का चौक और सरवानो चौक से होकर पावर हाउस पहुंचा।

जुलूस में शामिल लोगों ने पैगंबर-ए-इस्लाम हजरत मोहम्मद साहब के नवासे हजरत इमाम हुसैन और उनके कुनबे के 72 शहीद साथियों की कुर्बानी को याद किया। जगह-जगह लोगों ने जुलूस का स्वागत किया और अकीदतमंदों के लिए पानी आदि के इंतजाम किए गए थे।पावर हाउस पर जुलूस मेले में परिवर्तित हो गया। यहां युवाओं द्वारा अखाड़ों के खेल और विभिन्न करतबों का प्रदर्शन किया गया। जुलूस में शहर काजी बशीरुद्दीन, चंदकुआं ताजिया कमेटी के अध्यक्ष मुस्तकीम बाबा, नायब सदर नईम मंसूरी, खजांची अली हसन, नायब खजांची बसीर आढ़तिया, आमिर लला, बली मुहम्मद पेंटर, जावेद मंसूरी, साजिद मंसूरी, सद्दाम महते आदि मौजूद रहे।

मौसम के बदले मिजाज से कृषि विभाग सतर्क

- किसानों के लिए विशेष एडवाइजरी जारी
- सूखा सहनशील फसलें अपनाने, जल संरक्षण और फसल बीमा कराने की सलाह

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ललितपुर। जिले में मौसम की अनिश्चितता, संभावित एल-नीनो प्रभाव, अनियमित वर्षा तथा बारिश के बीच लंबे शुष्क अंतराल की आशंका को देखते हुए कृषि विभाग ने किसानों के लिए विशेष कृषि परामर्श जारी किया है। जिला कृषि अधिकारी ने किसानों से वैज्ञानिक खेती अपनाकर खरीफ फसलों को संभावित नुकसान से बचाने और उत्पादन बनाए रखने की अपील की है। जिला कृषि अधिकारी ने बताया कि यदि मानसून की शुरुआत में देरी होती है तो किसानों को लंबी अवधि वाली फसलों के स्थान पर कम समय में तैयार होने वाली एवं सूखा सहनशील फसलें जैसे उड़द, मूंग, तिल, बाजरा और ज्वार की खेती को प्राथमिकता देनी चाहिए। साथ ही बुवाई के लिए केवल प्रमाणित एवं उन्नतशील बीजों का उपयोग किया जाए तथा आवश्यकता पड़ने पर कृषि विभाग द्वारा सुझाई गई वैकल्पिक फसलों का चयन किया जाए। उन्होंने कहा कि खेतों में नमी बनाए रखने के लिए मेड़बंदी, कंटूर बंडिंग तथा वर्षा जल संचयन जैसी तकनीकों को अपनाना जरूरी है। किसानों को रिज एवं फरो (मेड़ एवं नाली) पद्धति से बुवाई करने की सलाह दी गई है, जिससे जल संरक्षण के साथ-साथ अधिक वर्षा की स्थिति में जल निकासी भी सुगम हो सके। पानी की कमी होने पर उपलब्ध सिंचाई संसाधनों का उपयोग जीवन रक्षक सिंचाई के रूप में करने तथा ड्रिप एवं स्प्रिंकलर जैसी सूक्ष्म सिंचाई प्रणालियों को अपनाने पर जोर दिया गया है। कृषि विभाग ने किसानों को मृदा परीक्षण के आधार पर संतुलित उर्वरकों के उपयोग की सलाह देते हुए नैनो यूरिया और नैनो डीएपी के प्रयोग को बढ़ावा देने की बात कही है। इसके अलावा खेतों में फसल अवशेषों की मल्चिंग कर मिट्टी की नमी लंबे समय तक सुरक्षित रखी जा सकती है, जिससे सूखे की स्थिति में फसल को राहत मिलेगी। फसलों को कीट एवं रोगों से बचाने के लिए नियमित निगरानी रखने की सलाह दी गई है। किसी भी प्रकार के रोग या कीट प्रकोप के लक्षण दिखाई देने पर तत्काल कृषि विभाग अथवा निकटतम कृषि रक्षा इकाई से संपर्क करने को कहा गया है। किसानों को भारत सरकार के नेशनल पेस्ट सर्विलांस सिस्टम (एनपीएसएस) मोबाइल एप के माध्यम से भी विशेषज्ञ सलाह लेने की सुविधा उपलब्ध है। जिला कृषि अधिकारी ने लागत कम करने और खेती को अधिक लाभकारी बनाने के लिए प्राकृतिक खेती अपनाने तथा बाजरा, ज्वार सहित अन्य श्रीअन्न (मिलेट्स) फसलों के रकबे में वृद्धि करने का आह्वान किया है। साथ ही रिज-फरो प्लांटर, मल्चर और सुपर सीडर जैसे आधुनिक कृषि यंत्रों के उपयोग से खेती की लागत घटाने और उत्पादकता बढ़ाने पर बल दिया गया। उन्होंने किसानों से प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत खरीफ फसलों का बीमा कराने की भी अपील की है, ताकि प्राकृतिक आपदा, सूखा अथवा अन्य प्रतिकूल परिस्थितियों में होने वाले आर्थिक नुकसान की भरपाई की जा सके। फसल क्षति होने पर किसान हेल्पलाइन नंबर 14447 अथवा कृषि विभाग को तत्काल सूचना दे सकते हैं। जिला कृषि अधिकारी ने जनपद के सभी किसानों से मौसम आधारित कृषि सलाह का पालन करने और किसी भी तकनीकी सहायता के लिए निकटतम कृषि विभाग कार्यालय, कृषि रक्षा इकाई अथवा विकास खंड स्तर के कृषि अधिकारियों से संपर्क करने का अनुरोध किया है।

कार्यालय में बुलाकर गला घोंटने का प्रयास

- तीन लोगों के खिलाफ एसपी से शिकायत

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ललितपुर। जिला पंचायत कार्यालय परिसर में एक जिला पंचायत सदस्य के साथ मारपीट और गला घोंटकर जान से मारने के प्रयास का गंभीर मामला सामने आया है। जखलौन क्षेत्र से निर्वाचित जिला पंचायत सदस्य ने तीन लोगों पर जमीन विवाद को लेकर कार्यालय में बुलाकर हमला करने का आरोप लगाया है। मामले में पुलिस अधीक्षक को शिकायती पत्र देकर कार्रवाई की मांग की गई है। ग्राम घुटारी निवासी जाखलौन क्षेत्र से जिला पंचायत सदस्य अमरसिंह विश्वकर्मा पुत्र भगीरथ ने पुलिस अधीक्षक को दिए प्रार्थना पत्र में बताया कि 20 जून की शाम उन्हें फोन आया। फोन पर उन्हें जिला पंचायत कार्यालय में बुलाते हुए जमीन के हिस्से संबंधी बातचीत करने की बात कही गई। शिकायत के अनुसार वह निर्धारित समय पर जिला पंचायत कार्यालय पहुंच गए। पीड़ित का आरोप है कि कार्यालय पहुंचते ही उनके साथ अभद्र भाषा का प्रयोग करते हुए गाली-गलौज शुरू कर दी। इसी दौरान उनके साथ मारपीट की। आरोप है कि वहां मौजूद एक अन्य व्यक्ति ने उनके हाथ पकड़ लिए, जिससे वह अपना बचाव नहीं कर सके। इसके बाद उक्त लोगों ने उनके गले में तौलिया डालकर उसे कस दिया और जान से मारने का प्रयास किया। अमरसिंह विश्वकर्मा घुटारी अनुसार घटना के दौरान आरोपी यह कहते रहे कि उन्हें कोई जमीन नहीं दी जाएगी। कार्यालय में हुए हंगामे की आवाज सुनकर मौके पर मौजूद एक अन्य जिला पंचायत सदस्य, ठेकेदार और अधिवक्ताजन ने मौके पर पहुंचे और बीच-बचाव कर उन्हें चंगुल से छुड़ाया। पीड़ित ने शिकायत में कहा है कि हमलावर प्रभाव और दबंगई के कारण वह तत्काल पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराने नहीं जा सके। उन्होंने बताया कि गला दबाने के कारण उनके गले में दर्द है तथा सांस लेने में भी परेशानी हो रही है। साथ ही उक्त लोगों ने दोबारा जान से मारने की धमकी दिए जाने का भी उल्लेख किया गया है। जिला पंचायत सदस्य ने पुलिस अधीक्षक से मामले की निष्पक्ष जांच कर आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने, चिकित्सीय परीक्षण कराने तथा सुरक्षा उपलब्ध कराने की मांग की है।

जिला पंचायत कार्यालय में घटना से मचा हड़कंप

जिला पंचायत कार्यालय जैसे सार्वजनिक और प्रशासनिक परिसर में जनप्रतिनिधि के साथ कथित मारपीट और जानलेवा हमले के आरोप सामने आने से राजनीतिक और प्रशासनिक गलियारों में चर्चा का माहौल है। घटना को लेकर लोगों में भी तरह-तरह की चर्चाएं हैं। पुलिस द्वारा मामले की जांच के बाद ही घटना की वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

धोखाधड़ी और आईटी एक्ट के मुकदमे में वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कोंच(जालौन)- हिंदुस्तान पेट्रोलियम की डीलरशिप दिलाने के नाम पर एक व्यक्ति से बैंक खाते में जमा कराए गए 39 लाख सहित कुल 75 लाख रुपए की धोखाधड़ी किए जाने के दर्ज मामले में वांछित चल रहे एक अभियुक्त को कोतवाली पुलिस ने गिरफ्तार करने में सफलता पाई। मामले में एक अन्य इनामी अभियुक्त उमेश कुमार चौहान को पुलिस कुछ दिन पहले ही गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है। जिले की अपराध शाखा के निरीक्षक राजेश कुमार पांडेय ने कांस्टेबल सत्येंद्र और अनुज कुमार के साथ मिलकर मंगलवार को कोंच बस स्टैंड तिराहे से वांछित अभियुक्त शिव कुमार रविदास पुत्र रविंद्र निवासी ग्राम महमदपुर थाना ओंगारी जिला नालंदा बिहार को गिरफ्तार कर लिया। उक्त अभियुक्त धोखाधड़ी और आईटी एक्ट के 2020 में दर्ज कराए गए मुकदमे में वांछित था और करीब 6 वर्षों से फरार चल रहा था। गौरतलब हो कि कोंच कोतवाली क्षेत्र के ग्राम भदारी निवासी शैलेंद्र कुमार गौतम पुत्र कृष्णकुमार गौतम ने बीती 17 अगस्त 2020 को कोतवाली में दी अपनी तहरीर में बताया था कि हिंदुस्तान पेट्रोलियम की उसे डीलरशिप दिलाने के नाम पर उससे 39 लाख रुपए बैंक खाते में जमा करा लिए गए और इन 39 लाख रुपए सहित कुल 75 लाख रुपए की उसके साथ धोखाधड़ी की गई जबकि उसके नाम डीलरशिप नहीं की गई। तहरीर के आधार पर कोतवाली पुलिस ने उसी समय अभियुक्त आशीष मंडल सीनियर एसोशिएट हिंदुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन लिमिटेड निवासी कोलकाता और इसके साथी सुजीत शुक्ला व राहुल शर्मा सहित शाखा प्रबंधक स्टेट बैंक ऑफ इंडिया शाखा सिलीगुड़ी, शाखा प्रबंधक एडीबी पंडौला के अलावा कुछ अज्ञात लोगों के विरुद्ध संबंधित धाराओं में एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी थी। दर्ज मुकदमे की विवेचना क्राइम ब्रांच जालौन की टीम कर रही थी। विवेचना के दौरान शिव कुमार का नाम भी धोखाधड़ी के इस मामले में बतौर अभियुक्त शामिल होना पाया गया था। पहले से ही दर्ज धोखाधड़ी के इस मुकदमे में शिव कुमार का नाम शामिल कर पुलिस ने कोर्ट से इसके विरुद्ध वारंट हासिल किया था और तभी से पुलिस इसकी तलाश में थी।

कोचिंग जा रही छात्रा का रास्ता रोककर धमकाया

फोन पर बात करने का बनाया दबाव, इनकार करने पर बदनाम करने की दी धमकी

ललितपुर। शहर कोतवाली क्षेत्र में कोचिंग जा रही एक नाबालिग छात्रा का रास्ता रोककर उसे धमकाने का मामला सामने आया है। छात्रा के परिजनों की शिकायत पर पुलिस ने नामजद आरोपी के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी गई तहरीर में एक व्यक्ति ने बताया कि उनकी 17 वर्षीय पुत्री 20 जून की सुबह करीब 6.30 बजे कोचिंग के लिए घर से निकली थी। आरोप है कि पड़ोस के निवासी संजय सहरिया ने रास्ते में उसे रोक लिया और उससे बातचीत करने का दबाव बनाने लगा। आरोपी ने छात्रा से फोन पर बात करने के लिए कहा। छात्रा द्वारा मना किए जाने पर उसने कथित रूप से उसे बदनाम करने तथा गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दी। घटना से घबराई छात्रा ने इसकी जानकारी अपने परिजनों को दी। परिजनों ने तत्काल डायल-112 पर सूचना दी। सूचना मिलने पर पुलिस मौके की ओर रवाना हुई, लेकिन पुलिस वाहन को आता देख आरोपी वहां से भाग निकला। घटना के बाद छात्रा और उसके परिवार में भय का माहौल बना हुआ है। तहरीर के आधार पर कोतवाली पुलिस ने आरोपी संजय सहरिया के विरुद्ध बीएनएस की धारा 126(2) एवं 351(3) के तहत मुकदमा दर्ज किया है।

अधूरी पाइप लाइन और खुदी पड़ी सड़क से मोहल्ले के बाशिंदे परेशान

- शिकायतों के बाद भी नहीं हो रही कोई कार्रवाई

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कोंच (जालौन)- कस्बे के मोहल्ला नया गांधीनगर स्थित कुशवाहा ट्रांसपोर्ट वाली गली में आधी अधूरी डाली गई पेयजल पाइप लाइन और उखड़ी पड़ी सड़क की समस्या को लेकर यहां के बाशिंदे परेशान होने पर मजबूर हैं। प्रशासनिक अधिकारियों से मामले को लेकर शिकायत किए जाने के बाद भी समस्या का फिलहाल समाधान होता नजर नहीं आ रहा है।

केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी नमामि गंगे जल मिशन योजना के अंतर्गत बीते कुछ समय पहले इलाके में पेयजल पाइपलाइन बिछाने का कार्य कराया गया था, लेकिन पंचमुखी हनुमान मंदिर के ठीक सामने स्थित इस गली में पाइपलाइन का कार्य अधूरा ही छोड़ दिया गया। बताया जा रहा है कि पाइपलाइन सिर्फ आशीष खरे के मकान तक ही डाली गई, जबकि इसके आगे स्थित के मकानों तक पाइपलाइन नहीं डाली गई। इसके चलते गली में कई परिवार योजना के लाभ से वंचित हो रहे हैं और उन्हें पेयजल की सुविधा नहीं मिल पा रही है। यहां के बाशिंदों का कहना है कि उन्होंने इस संबंध में कई बार संबंधित विभाग और प्रशासनिक अधिकारियों

सेशिकायत की लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं की गई है। यहां के बाशिंदों का कहना है कि जब पूरे इलाके में पाइपलाइन बिछाई जा चुकी है तो उनकी गली को अधूरा छोड़ना समझ से परे है। उन्होंने मांग की है कि नमामि गंगे योजना के तहत शेष हिस्से में भी पाइपलाइन का विस्तार कराया जाए ताकि इस गली के सभी परिवारों को नियमित और स्वच्छ पेयजल उपलब्ध हो सके। वहीं इस गली के बाशिंदों की परेशानी केवल पेयजल समस्या तक ही सीमित नहीं है, गली में आधी अधूरी पाइपलाइन डाले जाने के बाद बीते करीब दो माह से सड़क खुदी पड़ी हुई है। आरोप है कि संबंधित विभाग द्वारा सड़क की मरम्मत नहीं कराई गई है जिससे लोगों को आवागमन में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। बरसात के मौसम में स्थिति और भी खराब हो सकती है, क्योंकि खुदी पड़ी सड़क पर जलभराव और कीचड़ से दुर्घटना का खतरा बढ़ सकता है।

नाबालिग से दुष्कर्म मामले में आरोपी किशोर गिरफ्तार

- पुलिस ने त्वरित कार्रवाई कर दर्ज किया मुकदमा
- आरोपी को न्यायालय में किया पेश

ललितपुर। कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत आने वाले एक ग्राम में एक नाबालिग बालिका के साथ दुष्कर्म का गंभीर मामला प्रकाश में आया है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए पीड़िता को चिकित्सीय परीक्षण के लिए भेजा है, वहीं आरोपी किशोर को गिरफ्तार कर लिया गया है। मामले की जानकारी देते हुए क्षेत्राधिकारी सदर ने बताया कि पुलिस को स्थानीय ग्राम में एक नाबालिग लड़की के साथ दुष्कर्म किए जाने की सूचना प्राप्त हुई थी। घटना की संवेदनशीलता को देखते हुए कोतवाली थाना पुलिस ने बिना किसी देरी के तत्काल मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया। पुलिस द्वारा मामले में सुसंगत व गंभीर धाराओं के तहत मुकदमा पंजीकृत कर लिया गया है। सीओ के मुताबिक, पीड़ित नाबालिग बालिका को तत्काल डॉक्टरी परीक्षण और उपचार के लिए जिला अस्पताल (मेडिकल हेतु) भेजा गया है। वहीं, तत्परता दिखाते हुए पुलिस ने वारदात को अंजाम देने वाले आरोपी, जिसकी उम्र करीब 16 वर्ष (किशोर) है, को नियमानुसार हिरासत में ले लिया है। पुलिस द्वारा विधिक प्रक्रिया पूरी करते हुए आरोपी को न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है। क्षेत्राधिकारी सदर ने बताया कि इस पूरे प्रकरण में कानून के मुताबिक आवश्यक वैधानिक कार्रवाई तेजी से प्रचलित है। क्षेत्र में शांति व्यवस्था कायम है और मामले की गहनता से जांच की जा रही है।

ललितपुर स्टेशन के पास ट्रेनों में चोरों का आतंक

- दो यात्रियों के लाखों रुपये के जेवरात और नकदी चोरी
- मराठा संपर्क क्रांति और तुलसी एक्सप्रेस में सो रहे यात्रियों को बनाया निशाना

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ललितपुर। रेलवे स्टेशनों पर सुरक्षा व्यवस्था के दावों के बीच ललितपुर रेलवे स्टेशन और उसके आसपास सक्रिय संदिग्ध बाहरी तत्वों तथा अवैध वेंडरों के कारण यात्रियों की सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। बीते दिनों दो अलग-अलग ट्रेनों में सो रहे यात्रियों के सामान चोरी होने की घटनाओं ने रेलवे सुरक्षा व्यवस्था की पोल खोल दी है। दोनों मामलों में जीआरपी ललितपुर ने अज्ञात चोरों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पहली घटना ट्रेन संख्या 12754 मराठा संपर्क क्रांति एक्सप्रेस की है। महाराष्ट्र के बीड निवासी 50 वर्षीय नंदकिशोर अपनी पत्नी राजा के साथ हजरत निजामुद्दीन से औरंगाबाद जा रहे थे। यात्रा के दौरान उनकी पत्नी ने अपना खाकी रंग का लेडीज पर्स सिर के नीचे रखकर सो गई थीं। 21 जून की सुबह करीब 5 बजे ललितपुर स्टेशन के निकट उनकी नींद खुली तो पर्स गायब था। चोरी गए पर्स में एक हजार रुपये नकद, लगभग 10 हजार रुपये कीमत का रेडमी नोट-12 मोबाइल फोन, दो चार्जर तथा दोनों के आधार कार्ड रखे थे। घटना की सूचना पीड़ित ने रेल मदद हेल्पलाइन 139 पर भी दर्ज कराई थी। दूसरी घटना ट्रेन संख्या 22130 तुलसी एक्सप्रेस की है। मुंबई के पालघर जनपद स्थित नालासोपारा ईस्ट निवासी 38 वर्षीय विनोद कुमार यादव प्रतापगढ़ से लोकमान्य तिलक टर्मिनस (मुंबई) की यात्रा कर रहे थे। उन्होंने अपना नीले रंग का ट्रॉली बैग सीट के नीचे रखा था और सो गए थे। 21 जून की सुबह करीब 4.30 बजे जब ट्रेन ललितपुर स्टेशन के पास पहुंच रही थी, तब उनकी आंख खुली तो सीट के नीचे रखा ट्रॉली बैग गायब मिला। बैग में पांच हजार रुपये नकद, 10 तोला चांदी की पायल, पांच ग्राम सोने के कान के झाले तथा कीमती कपड़े रखे थे। चोरी गए सामान की कुल कीमत करीब 1.15 लाख रुपये बताई गई है। जीआरपी ललितपुर ने दोनों मामलों में बीएनएस की धारा 305(सी) के तहत मुकदमा दर्ज किया है।

बाहरी तत्वों और अवैध वेंडरों पर उठे सवाल

लगातार सामने आ रही ऐसी घटनाओं के बाद यात्रियों और स्थानीय लोगों ने रेलवे स्टेशन पर सुरक्षा व्यवस्था को लेकर चिंता जताई है। उनका कहना है कि स्टेशन परिसर और ट्रेनों में बाहरी संदिग्ध व्यक्तियों तथा अवैध वेंडरों की आवाजाही बढ़ गई है। ट्रेनों के रुकने या धीमा होने पर ये लोग बोगियों में प्रवेश कर यात्रियों की गतिविधियों पर नजर रखते हैं और मौका मिलते ही चोरी की वारदातों को अंजाम देकर फरार हो जाते हैं।

संक्षिप्त खबरें

पुलिस उपायुक्त यातायात रवीन्द्र कुमार ने रामादेवी पुल के रैम्प के निर्माण का किया स्थलीय निरीक्षण

निर्माण के दौरान यातायात को सुचारू रूप से चलाने के दिये निर्देश

कानपुर। कानपुर के प्रमुख चौराहा रामादेवी के पुल पर रैम्प का निर्माण कार्य चल रहा है। इसको लेकर यातायात का डायवर्सन किया गया है। आज दिनांक 23.06.2026 को पुलिस उपायुक्त यातायात रवीन्द्र कुमार द्वारा रामादेवी रैंप एवं बीमा चौराहा का स्थलीय निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान एनएचएआई द्वारा रामादेवी रैंप पर कराए जा रहे सड़क निर्माण कार्य एवं यातायात व्यवस्था का जायजा लिया गया, ताकि यातायात व्यवस्था सुचारू रूप से चलती रहे। पुलिस उपायुक्त यातायात रवीन्द्र कुमार द्वारा सम्बन्धित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्माण कार्य के दौरान यातायात के सुगम, सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित संचालन को सुनिश्चित करने तथा आमजन को किसी प्रकार की असुविधा न होने देने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए। साथ ही निर्माण स्थल पर पर्याप्त संकेतक बोर्ड, बैरिकेडिंग, पीए (PA) सिस्टम के प्रभावी प्रयोग एवं यातायात कर्मियों की समुचित तैनाती सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए। इस दौरान मौके पर प्रभारी निरीक्षक जाजमऊ, यातायात निरीक्षक पूर्वी जोन प्रथम, एनएचएआई के अधिकारी, थाना चकेरी की टीम एवं अन्य संबंधित अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित रहे।

टावर पर चढ़ी युवती को सकुशल उतारा और की गई विधिक कार्यवाही

प्रतापगढ़। मंगलवार को समय लगभग साढ़े दस बजे थाना हथिगवां पुलिस को सूचना मिली कि ग्राम मलाका रज्जाकपुर में स्थित बीएसएनएल टावर पर एक युवती चढ़ गई है। सूचना प्राप्त होते ही थाना हथिगवां की महिला उप-निरीक्षक (म0उ0नि0) राखी सिंह, म0रि0का0 प्रिया मौर्या एवं म0रि0का0 सीमा गुप्ता के साथ तत्काल घटनास्थल पर पहुंची।घटनास्थल पर पहुंचते ही पुलिस टीम ने सबसे पहले स्थिति का जायजा लिया। युवती की मानसिक स्थिति को भाँपते हुए पुलिस टीम ने अत्यंत धैर्य का परिचय दिया। म0उ0नि0 राखी सिंह ने स्वयं कमान संभालते हुए युवती से निरंतर संवाद स्थापित किया। पुलिस ने न केवल युवती को शांत करने का प्रयास किया, बल्कि स्थानीय निवासियों की मदद से उसे भावनात्मक रूप से विश्वास में लिया। काफी देर तक चली बातचीत और समझाने के बाद पुलिस टीम और ग्रामीणों के संयुक्त प्रयासों से युवती को सकुशल नीचे उतार लिया गया।उक्त युवती की पहचान मीनू निर्मल पुत्री स्व0 इंद्रजीत, उम्र लगभग 20 वर्ष, निवासी नरसिंहपुर थाना हथिगवां जनपद प्रतापगढ़ के रूप में हुई है। घटना के संबंध में म0 उ0नि0 राखी सिंह की तहरीर के आधार पर थाना पर धारा 221 बीएनएस के तहत अभियोग पंजीकृत किया गया है।

डीजे पर नाचने के लिए घराती और बारातियों में मारपीट, केस दर्ज

सिद्धार्थनगर। जिले के चिल्हिया थाना क्षेत्र के निविहवां गांव में सोमवार की रात एक शादी समारोह में डीजे पर नाचने को लेकर घराती और बरातियों में विवाद हो गया। यह मामूली कहासुनी देखते ही देखते धक्का-मुक्की और मारपीट में बदल गई। घटना का एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है जिसमें कई लोग एक-दूसरे से मारपीट करते दिख रहे हैं। हालांकि वायरल वीडियो की सत्यता की पुष्टि 'स्वतंत्र प्रभात' अखबार नहीं करता है। बारात मोहाना थाना क्षेत्र के गोसाईंगंज गांव से निविहवां गांव गई थी। शादी की रस्म पूरा हो रहा था की दौरान डीजे पर नृत्य चल रहा था, तभी नाचने को लेकर दोनों पक्षों के कुछ युवकों में विवाद शुरू हो गया। शुरुआती बहस जल्द ही धक्का-मुक्की में बदल गई। इस दौरान शादी समारोह में मौजूद महिलाओं, बच्चों और अन्य मेहमानों में अफरा-तफरी मच गई। बाद में स्थानीय लोगों और जिम्मेदार व्यक्तियों के हस्तक्षेप से मामला शांत कराया गया। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस ने मामले को संज्ञान लिया। चिल्हिया थाना प्रभारी निरीक्षक राजेश गुप्ता ने बताया कि बराती पक्ष के रामशंकर गोसाई की तहरीर पर घराती पक्ष के कुछ लोगों के खिलाफ केस दर्ज कार्रवाई की गई है। उन्होंने यह भी बताया कि मामले की जांच की जा रही है और जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

घर में घुसकर हमला, लूट और तोड़फोड़ का आरोप; घायल परिवार न्याय के लिए भटक रहा ,एसपी से लगाई गुहार

● गोरखपुर मेडिकल कॉलेज में भर्ती है घायल, एफआईआर न दर्ज होने पर पीड़ित परिवार ने उठाए सवाल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिले के गोल्हौरा थाना क्षेत्र के भैंसठ गांव में पुरानी रंजिश को लेकर घर में घुसकर मारपीट, लूटपाट और तोड़फोड़ किए जाने का गंभीर मामला सामने आया है। गांव निवासी राजन ओझा ने पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थनगर को शिकायती पत्र देकर कई नामजद लोगों पर हमला करने, कीमती सामान लूटने तथा परिवार को जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। पीड़ित ने आरोपितों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर कठोर कार्रवाई की मांग की है।

शिकायती पत्र के अनुसार, 21 जून की शाम करीब पांच बजे पुरानी रंजिश के चलते गांव के कुछ लोग उनके घर पहुंचे और गाली-गलौज करने लगे। विरोध करने पर आरोपितों ने कथित रूप से घर में घुसकर लाठी-डंडों, धारदार हथियारों तथा अन्य असलहों से हमला कर दिया। शोर सुनकर बचाव के लिए पहुंचे परिवार के अन्य सदस्यों को भी पीटा गया, जिससे कई लोग घायल हो गए।

पीड़ित का आरोप है कि मारपीट के दौरान हमलावर उसके गले से करीब पांच लाख रुपये कीमत की सोने की चेन और मोबाइल फोन छीन ले गए। इसके अलावा घर में रखे लगभग एक लाख रुपये नकद, बहन का सोने का लॉकेट, मां के कान के झुमके सहित अन्य सामान भी उठा ले गए। आरोप है कि हमलावरों ने घर में खड़ी मोटरसाइकिल और अन्य सामान को भी क्षतिग्रस्त कर दिया। घटना के बाद डायल-112 और एम्बुलेंस की सहायता से घायलों को जिला अस्पताल पहुंचाया गया। गंभीर रूप से घायल पीड़ित के पिता को बेहतर उपचार के लिए गोरखपुर मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। परिवार का कहना है कि घायल अब भी जीवन-मृत्यु के बीच संघर्ष कर रहा है।

पीड़ित परिवार का आरोप है कि घटना की सूचना तत्काल पुलिस को दिए जाने के बावजूद अब तक उनकी एफआईआर दर्ज नहीं की गई है। इतना ही नहीं, परिवार का कहना है कि उन्हें ही आरोपी बनाने का प्रयास किया जा रहा है, जिससे वे भय और असुरक्षा के माहौल में जीने को मजबूर हैं। मामले को लेकर मुख्यमंत्री जनसुनवाई पोर्टल (आईजीआरएस) पर भी शिकायत दर्ज कराई गई है। इस संबंध में थानाध्यक्ष गोल्हौरा रामदेव ने बताया कि उन्हें कोई लिखित तहरीर प्राप्त नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि यदि पीड़ित पक्ष लिखित शिकायत देगा तो नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

अभियुक्त दो अवैध जिन्दा बम के साथ गिरफ्तार

प्रतापगढ़। थाना पट्टी प्रभारी निरीक्षक आनन्द पाल सिंह के नेतृत्व में उ0नि0 शुभम सिंह मय हमराह द्वारा मुखबिर की सूचना पर थाना पट्टी क्षेत्रान्तर्गत नहर पुलिया बहद ग्राम कोहराव के पास से अभियुक्त अभियुक्त ऋषभ शुक्ला पुत्र सच्चेलाल शुक्ला उम्र करीब 21 वर्ष निवासी ग्राम सैफाबाद थाना आसपुर देवसरा जनपद प्रतापगढ को 02 जिन्दा अवैध देशी बम के साथ गिरफ्तार किया गया। अभियुक्त ऋषभ शुक्ला के पास से 02 जिन्दा अवैध देशी बम की बरामदगी के संबंध में थाना पट्टी में धारा 4/5 विस्फोटक पदार्थ अधि0 का अभियोग पंजीकृत किया गया है।

ज्येष्ठ के अंतिम बड़े मंगलवार को चिलबिला हनुमान मंदिर पर भक्तों की उमड़ी भीड़

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रतापगढ़। श्री हनुमान मंदिर चिलबिला तालाब पर ज्येष्ठ माह के अन्तिम बड़े मंगलवार को हनुमान भक्तों की भीड़ उमड़ पड़ी थी। सुबह से ही भक्तों ने पवन पुत्र हनुमान जी महाराज का पूजन अर्चन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। मंदिर को फूल मालाओं से भव्य सजावट की गई थी। हनुमान जी महाराज, राम दरबार, माता जी, भगवान भोलेनाथ का भव्य श्रृंगार किया गया था। सुंदरकांड का पाठ होने के बाद प्रसाद वितरण भक्तों द्वारा किया गया।

मंदिर समिति के महासचिव समाजसेवी रोशनलाल उमरवैश्य ने प्रभु श्री राम के अनंत भक्त श्री हनुमान जी महाराज का विधिवत पूजन अर्चन कर आरती उतारी। मंदिर में सुबह से ही भक्तों के द्वारा प्रसाद, शरबत का वितरण किया जा रहा था। समाजसेवी रोशनलाल उमरवैश्य ने प्रभु श्री राम भक्त हनुमान जी महाराज से प्रार्थना की अपने भक्तों पर कृपा बनाए रखें एवं विश्व का कल्याण करें। इस अवसर पर विवेक कुमार उमरवैश्य, सोनू महाराज, शनि महाराज, रामगोपाल, देवी प्रसाद, सुरेश अग्रवाल, छेदीलाल, सूरज उमरवैश्य, अवधेश कुमार, आदर्श कुमार, देवानंद, संतोष कुमार, राकेश कुमार, छोटेलाल सोनी, अमन गुप्ता, विवेक कुमार, सुरेश माली, सनी गुप्ता, सचिन यादव आदि भक्तगण उपस्थित रहे।

शहर में नो पार्किंग जोन में खड़े वाहनों को पहुंचाया गया थाने, दी गई चेतावनी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर। आज दिनांक 23.06.2026 को पुलिस उपायुक्त यातायात रवीन्द्र कुमार के निर्देशन में सुगम यातायात योजना 'Reducing Traffic Congestion (RTC) Scheme' के अंतर्गत शहर में यातायात व्यवस्था को सुगम, सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित बनाए रखने हेतु विशेष अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान शहर के विभिन्न प्रमुख मार्गों पर सड़क किनारे नो पार्किंग जोन में खड़े वाहनों के विरुद्ध कार्यवाही की गई।

यातायात पुलिस कर्मियों द्वारा लाउड हेलर के माध्यम से वाहन स्वामियों/चालकों को सूचित करते हुए अपने वाहनों को तत्काल नो पार्किंग क्षेत्र से हटाने हेतु निर्देशित किया गया। इसके बावजूद भी जिन वाहन स्वामियों द्वारा अपने वाहन नहीं हटाए गए, उनके वाहनों को क्रेन के माध्यम से कुल 9 चार पहिया वाहनों को सम्बन्धित थाने में भेजा गया। वाहन स्वामियों को यातायात नियमों का पालन करने हेतु अंतिम चेतावनी देते हुए नियमानुसार उनके वाहन सुपुर्द किए गए।

यातायात पुलिस कानपुर नगर द्वारा आमजन से अपील की है कि वे अपने वाहन निर्धारित पार्किंग स्थलों पर ही खड़े करें तथा नो पार्किंग जोन में वाहन खड़ा कर यातायात व्यवस्था बाधित न करें। यातायात नियमों का पालन कर शहर की यातायात व्यवस्था को सुगम एवं सुरक्षित बनाए रखने में सहयोग प्रदान करें। यातायात पुलिस ने सभी नागरिकों से अपील की है कि वे यातायात नियमों का पालन करें एवं किसी भी असुविधा की स्थिति में ट्रैफिक कण्ट्रोल/हेल्पलाइन नंबर पर संपर्क करें।

बीज भंडार संचालक की लाश नहर किनारे मिली, हत्या की आशंका

प्रतापगढ़। आसपुर देवसरा थाना के दयालगंज बाजार में बीज भंडार की दुकान चलाने वाले अकारीपुर तिवरान निवासी 45 वर्षीय ओमप्रकाश पटेल की लाश मंगलवार की सुबह दयालगंज से आगे नहर के किनारे मिलने से हड़कंप मच गया।वह सोमवार शाम दुकान से कुछ लोगों के साथ निकले थे लेकिन रात में घर नहीं पहुंचे थे।सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।मृतक के चेहरे और शरीर पर चोट के निशान पाए गए।मृतक के बेटे शिवम यादव ने एक व्यक्ति को नामजद करते हुए पिता की हत्या का आरोप लगाकर थाने में तहरीर दी है।पुलिस मामले की जांच में जुटी है।घटना से परिवार में कोहराम मचा हुआ है और मातम छा गया है।

महानगर में जारी रक्तदान, नारायणा हॉस्पिटल में किया 375 यूनिट

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर। यह महानगर किसी दुर्घटना या बीमारी का शिकार होने पर असमय मृत्यु के खिलाफ जीवन के पक्ष में विश्व के सबसे बड़े दान रक्तदान के आयोजन में भी अव्वल चल रहा है। इसके प्रमुख श्रेय धारकों में अनगिनत अन्य के साथ सर्वोत्तम और सस्ती चिकित्सा के रूप में भी समाज सेवा में अग्रणी नारायणा मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल भी शामिल है। अपने दो दिवसीय स्वैच्छिक रक्तदान अभियान के तहत 375 यूनिट रक्तदान करने कराने वाले नारायणा मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल का उद्देश्य आमजन को रक्तदान के प्रति जागरूक करना तथा अधिक से अधिक लोगों को इस महादान के लिए प्रेरित करना है।

इसके लिए मुख्य अतिथि के रूप में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आर एस एस) के प्रचारक भवानी तिवारी की मौजूदगी में रक्तदाता दिवस के अवसर पर आयोजित इस कार्यक्रम में चिकित्सा के क्षेत्र में हर दृष्टिकोण से जनहित में अव्वल नारायणा मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल के प्रबंध निदेशक (एम डी) उदित नारायणा तथा पैथोलॉजी विभागाध्यक्ष डॉ. एम. पी. मिश्रा ने रक्तदान के महत्व पर प्रकाश डालते हुए लोगों को नियमित रूप से रक्तदान करने के लिए प्रेरित किया।

उन्होंने बताया कि एक यूनिट रक्तदान से तीन लोगों का जीवन बचाया जा सकता है तथा रक्तदान करने से रक्तदाता के स्वास्थ्य पर कोई प्रतिकूल प्रभाव भी नहीं पड़ता, बल्कि यह एक सुरक्षित एवं मानवीय सेवा है। इस मौके पर नारायणा ब्लड सेंटर की प्रभारी डॉ. रोहिणी श्रीवास्तव ने उपस्थित लोगों को रक्तदान के प्रति जागरूक करते हुए कहा कि रक्त का कोई कृत्रिम विकल्प उपलब्ध नहीं है, इसलिए प्रत्येक स्वस्थ व्यक्ति को समय-समय पर स्वैच्छिक रक्तदान अवश्य करना चाहिए। उन्होंने सभी इच्छुक नागरिकों से रक्तदान के आयोजनों में बढ़-चढ़कर भाग लेने की भी अपील की। रक्तदान शिविर के सफल आयोजन में सहयोग प्रदान के लिए इस अवसर पर डॉ. दीक्षा, डॉ. देवेश एवं डॉ. अभिलाष सहित अन्य चिकित्सक एवं स्वास्थ्यकर्मी भी मौजूद रहे।

बिजली की आंख मिचौली से आमजन परेशान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लोटन (सिद्धार्थनगर)। क्षेत्र स्थित विद्युत उपकेंद्र छेरियाकाछा से बिजली सप्लाई को लेकर क्षेत्रीय उपभोक्ता काफी परेशान है। जबकि जिम्मेदार लोगों को कोई फर्क नहीं पड़ने वाला है। उल्लेखनीय है कि इस समय भयंकर गर्मी व उमस पड़ रहा है। लोगों की रात की नींद एवं दिन का चैन गायब हो गया है। उपभोक्ता बिजली सप्लाई को लेकर रात-दिन टकटकी लगाए हुए हैं।हालत यह है कि छोटे बच्चों को सबसे अधिक परेशानी हो रही है। चारों तरफ उमसभरी गर्मी के कारण लोग बेहाल हैं। जिम्मेदार लोगों की उदासीनता व लापरवाही उपभोक्ताओं को रास नहीं आ रहा है। इतना ही नहीं दिन,रात मिलाकर बिजली विभाग द्वारा दर्जनों बार ट्रिप किया जा रहा है।इससे कई उपभोक्ताओं के पंखे,टीवी,बल्व आदि भी जल जा रहें हैं। जिसमें उपभोक्ताओं का काफी नुकसान हो रहा है। जिससे उपभोक्ताओं का गुस्सा चरम पर है। क्षेत्रीय उपभोक्ता मारु प्रसाद, दुर्गेश कुमार, रामप्रसाद, कोमल, पूर्णमासी, किसान कुमार, राज, विरेंद्र कुमार आदि ने सम्बंधित लोगों का ध्यान आकृष्ट कराते हुए छेरियाकाछा उपकेंद्र की सप्लाई व्यवस्था में सुधार कराने की मांग की है।

इस सम्बन्ध में उपकेंद्र छेरियाकाछा के अवर अभियंता ने दूरभाष पर बताया कि क्षेत्र के अधिकांश तार व पोल पुराने हो चुके हैं। जिसके कारण हल्का, फुल्का आंधी,पानी आने पर उसको ठीक करने में समय लग रहा है।जब तक पुराने तार व पोल नहीं बदले जाएंगे।तब तक समस्या बनी रहेगी।

स्पोर्ट्स स्टेडियम में अर्शमान और सनी का किया गया सम्मान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रतापगढ़। स्पोर्ट्स स्टेडियम में पिछले 5 वर्षों से पूर्व रणजी ट्रॉफी खिलाड़ी और क्रिकेट प्रशिक्षक आदित्य शुक्ला से क्रिकेट के गुण सीख रहे सनी यादव पुत्र श्याम बाबू निवासी मोहल्ला बलीपुर, कोतवाली नगर, जनपद प्रतापगढ़ का चयन राज्य क्रीड़ा छात्रावास देवरिया में हुआ है और खिलाड़ी अर्शमान खान पुत्र शमीम खान निवासी चौखड़ा सराय गनई प्रतापगढ़ भी उत्तर प्रदेश की टीम से तीन वर्षों से लगातार अपने जनपद का नाम रोशन कर रहे हैं ।इसी उपलक्ष्य में स्पोर्ट्स स्टेडियम में दोनों ही खिलाड़ियों और उनके अभिभावकों का उप क्रीड़ाधिकारी रंजीत यादव द्वारा माला पहना कर और मुंह मीठा कराकर सम्मानित किया गया। उप क्रीड़ाधिकारी ने दोनों ही खिलाड़ियों के उज्जवल भविष्य की कामना के साथ जल्द से जल्द भारतीय टीम में खेलने की शुभकामनाएं दी।इस अवसर पर ओमबीर सिंह, श्याम बाबू यादव पूर्व रणजी ट्रॉफी खिलाड़ी और प्रशिक्षक आदित्य शुक्ला, पूर्व अंतरराष्ट्रीय हैंडबॉल खिलाड़ी और प्रशिक्षक सचिन शुक्ला, एथलेटिक्स प्रशिक्षक शोभनाथ यादव, फुटबॉल प्रशिक्षक बुद्ध प्रकाश, कुश्ती प्रशिक्षक अरविंद कुमार,खेलो इंडिया हॉकी प्रशिक्षक आशुतोष सिंह,तलवार बाजी प्रशिक्षक लवली मिश्रा, जिला क्रिकेट संघ के आयोजन सचिव दुर्गेश तिवारी उर्फ मुन्ना, निखिल राणा, जिम ट्रेनर विक्रम प्रताप सिंह रहे।

सातवीं मोहर्रम पर निकला जुलूस

सिद्धार्थनगर। नगर पंचायत बिस्कोहर में मंगलवार को सातवीं का मोहर्रम जुलूस आलम के साथ पारंपरिक ढंग से निकाला गया जो तीन बजे वार्ड नंबर 12 स्थित अकरम मियां के घर से शुरू हुआ जुलूस बाबू पोखरा, मुख्य कस्बा, चौकरोड,शाहमोहल्ला, और कसेरा मोहल्ला होते हुए अटल नगर वार्ड नंबर 5 पश्चिम टोला स्थित कर्बला पर जा पहुंचा। कर्बला पहुंचने पर अकीदतमंदों ने फातिहा पढ़कर शहीद ए कर्बला को खिराज ए अकीदत पेश किया। कर्बला परिसर में लगे मेले में महिलाओं ओर बच्चों की काफी भीड़ रहीं तथा लोगों ने खरीदारी की जुलूस मार्ग में जगह जगह पर बतासा और खुरमा वितरित किया गया।सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर पुलिस बल पूरे मार्ग पर तैनात रहे। इस अवसर पर रमजान, नगीना, कल्लू, पप्पू, राजा, आदि लोग शामिल रहें।

लखनऊ में हुए हादसे में मृत छात्रों को लोगों ने दी श्रद्धांजलि

सिद्धार्थनगर। नगर पंचायत बिस्कोहर कार्यालय पर मंगलवार को कल एनिमेशन सेन्टर में कोचिंग और पेट क्लीनिक में सोमवार दोपहर को लगी भीषण आग में हृदय विदारक हादसे में जिन छात्रों की आकस्मिक मृत्यु हुई है। उनकी आत्मा की शांति हेतु नगर पंचायत बिस्कोहर कार्यालय के सभागार में बिस्कोहर मंडल के पदाधिकारी एवं सभासदों ने ईश्वर से प्रार्थना कर श्रद्धांजलि अर्पित किया एवं शोकाकुल परिजनों के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त किया गया। इस मौके पर नगर पंचायत अध्यक्ष अजय गुप्ता सभासद निपेंद्र प्रताप सिंह,अमित पांडे,लाल जायसवाल, राम नरेश पासवान, जिला अनुसूचित जाति मोर्चा, जितेन्द्र मौर्य, माया चौधरी, पिंकू मोदनवाल, लालू, डाक्टर राम सूरत शर्मा मोनू गुप्ता, शिव पति उपाध्याय, अमन चौरसिया, तोलन गुप्ता, आदि लोग उपस्थित रहे।

प्रतापगढ़ में दोस्त की मां के उलाहने से नाराज युवती क्ष्स्हरु टॉवर पर चढ़ी, आधा घंटे हंगामे के बाद नीचे उतरी

● हथिगवां थाना क्षेत्र के किलहनापुर गांव में हुई घटना

कुंडा तहसील क्षेत्र में टॉवर पर चढ़ने की यह चौथा वाकया

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कुंडा (प्रतापगढ़)। मोबाइल टॉवर पर चढ़ने की घटनाएं नहीं रुक रही हैं। कुंडा तहसील क्षेत्र में हाल के दिनों में सामने आई कई घटनाओं के बाद मंगलवार को हथिगवां थाना क्षेत्र के किलहनापुर गांव में एक युवती बीएसएनएल टॉवर पर चढ़ गई। इससे इलाके में हड़कंप मच गया और मौके पर भारी भीड़ जुट गई। करीब आधे घंटे तक चले हाई वोल्टेज ड्रामा के बाद पुलिस उसे नीचे उतारनरे में कामयाब हो सकी। सूचना पर प्रभारी निरीक्षक हथिगवां पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस और स्थानीय लोगों ने युवती से बातचीत कर उसे सुरक्षित नीचे उतारने का प्रयास शुरू किया। करीब आधे घंटे तक चले प्रयास के बाद पुलिस ने युवती को सुरक्षित नीचे उतार लिया।

प्रभारी निरीक्षक ने कहा कि सार्वजनिक व्यवस्था प्रभावित करने और जान जोखिम में डालने जैसी घटनाओं को गंभीरता से लिया जाएगा तथा आवश्यकतानुसार विधिक कार्रवाई भी की जाएगी। एसएचओ सत्येंद्र सिंह ने बताया कि मुकदमा दर्ज कर विधिक कार्रवाई की जा रही है। इससे पहले 19 मार्च को कुंडा तहसील क्षेत्र के फरेदूपुर स्थित बीएसएनएल टॉवर पर एक युवती प्रेम-प्रसंग से नाराज होकर चढ़ गई थी। इसके बाद 17 जून को कुंडा नगर की एक किशोरी भी प्रेमी के साथ नहीं रहने देने से आक्रोशित होकर टॉवर पर चढ़ गई थी। वहीं 18 जून को किल्हानपुर में ब्याज का पैसा नहीं मिलने से नाराज एक युवक टॉवर पर चढ़ गया था। मंगलवार को सामने आई यह चौथी घटना है।

नरसिंह टिकुरी दशरथपुर निवासी 20 वर्षीय मीनू निर्मल पुत्री स्वर्गीय इंद्रजीत मंगलवार सुबह किसी बात से नाराज होकर गांव में स्थित बीएसएनएल के टॉवर पर चढ़ गई। बताया जा रहा है कि अपनी सहेली की मां द्वारा उलाहना दिए जाने से आहत होकर उसने यह कदम उठाया। उसे टॉवर पर चढ़ा देख ग्रामीणों ने नीचे उतरने के लिए आवाज लगाई, लेकिन वह काफी ऊंचाई पर पहुंच चुकी थी।

नशेड़ी पिता ने 2.5 लाख में गरीब किशोरी का सौदा किया

● उम्रदराज व्यक्ति से तय की शादी; रैकेट के चार लोग पुलिस हिरासत में

● प्रतापगढ़ के व्यक्ति को मध्य प्रदेश के रैकेट ने दिया था रुपये का लालच

● चाइल्ड लाइन की सूचना पर प्रतापगढ़ जिले की पुलिस ने किशोरी बरामद की

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

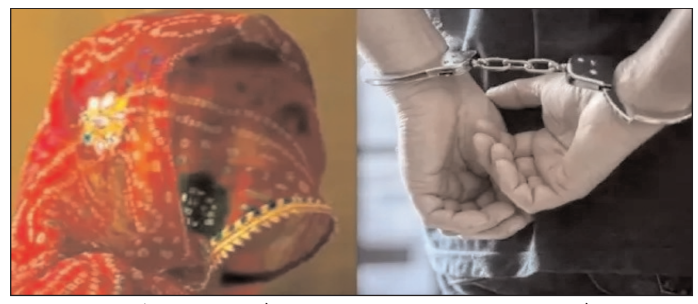

प्रतापगढ़। जिले में सनसनीखेज मामला सामने आया है। गरीब परिवार की 14 वर्षीय बेटी का सौदा कर दिया गया। उसकी शादी ढाई लाख रुपये में एक उम्रदराज व्यक्ति से तय कर दी गई। चाइल्ड लाइन, नगर कोतवाली पुलिस की सक्रियता से शादी नहीं हो पाई। मध्य प्रदेश के चार संदिग्ध व्यक्ति हिरासत में लिए गए हैं।

कंधई थाना क्षेत्र का मामला

यह मामला कंधई थाना क्षेत्र के एक गांव की लड़की से जुड़ा है। उसकी मां का कुछ वर्ष पूर्व निधन हो गया है। बताया गया है कि उसका पिता नशे का आदी है। इस वजह से घर की माली हालत अच्छी नहीं है। इस बीच मध्य प्रदेश का रैकेट एक बिचौलिए के जरिए लड़की के पिता के संपर्क में आया। उसने मध्य प्रदेश के एक व्यक्ति से उसकी शादी का सौदा ढाई लाख रुपये में कर दिया।

पुलिस तक ऐसे पहुंचा मामला और पकड़े गए आरोपित

सोमवार यानी 22 जून को शादी होनी थी। इसी बीच किसी ने चाइल्ड लाइन को सूचना दे दी। बात पुलिस तक भी पहुंची तो मामला खुल गया। इधर, कार्रवाई से पहले ही किशोरी को उसके एक रिश्तेदार के घर में छिपा दिया गया। सोमवार देर रात पुलिस टीम वहां पहुंची और लड़की को सकुशल बरामद कर लिया। उसे वन स्टाप सेंटर पर रखा गया है।

पुलिस किशोरी के पिता पर भी करेगी कार्रवाई

किशोरी कक्षा आठ की छात्रा है। उसकी एक बड़ी बहन भी है, जिसकी शादी अभी नहीं हुई है। पिता को नशे के लिए पैसे की जरूरत थी तो उसने बेटी के सौदे में हामी भर दी। पुलिस आरोपित पिता पर भी कार्रवाई करेगी। इस मामले में मध्य प्रदेश के दो पुरुष और दो महिलाओं को हिरासत में लिया गया है। पुलिस द्वारा उनसे पूछताछ की जा रही है।

मोबाइल में कई लड़कियों की फोटो

यह भी पता चला है कि आरोपितों के मोबाइल में कई लड़कियों की फोटो मिली है। इससे आशंका जताई जा रही है कि यह रैकेट काफी समय से लड़कियों की सौदेबाजी और उम्रदराज लोगों से शादी कराकर पैसे वसूलने का काला धंधा कर रहा था।

चाइल्ड लाइन की सूचना पर पुलिस गई थी। चार संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। रैकेट है या आपसी समझौता, अभी यह स्पष्ट नहीं है। जांच के बाद स्पष्ट होगा। - सुभाष यादव, शहर कोतवाल।

प्रतापगढ़ में बीज भंडार संचालक की नहर में मिली लाश, हत्या की आशंका; पास ही बीज कंपनी एजेंट घायल मिला

प्रतापगढ़। जनपद में आसपुर देवसरा थाना क्षेत्र के लाखीपुर गांव के निवासी 45 वर्षीय ओम प्रकाश वर्मा की सोमवार रात संदिग्ध दशा में मौत हो गई। उनकी लाश मंगलवार सुबह दयालगंज बाजार के नजदीक नहर में लोगों ने देखी। इससे खलबली मच गई। यह भी बताया गया कि घटनास्थल के निकट ही एक बीज कंपनी के एजेंट धरौली गांव के बृजेश यादव घायल दशा में पाया गया। बताया जाता है कि ओम प्रकाश वर्मा और बृजेश यादव सोमवार की रात में साथ में ही बाइक से कहीं जाने के लिए घरों से निकले थे। जब काफी रात होने के बाद भी वापस नहीं लौटे तो दोनों को उनके घरवाले पूरी रात खोजते रहे। सुबह ओम प्रकाश वर्मा की लाश मिली, जबकि बृजेश यादव घायल अवस्था में पाया गया। ओमप्रकाश वर्मा उर्फ ओपी गुरू की संदिग्ध मौत पर परिवार के सदस्य हत्या की आशंका जता रहे हैं। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल की जांच-पड़ताल की। वहां जिस बाइक से दोनों गए थे, नहीं मिली। अभी स्थिति बहुत साफ नहीं हुई है। इस संबंध में सीओ पट्टी मनोज रघुवंशी का कहना है कि घायल को उपचार के लिए प्रयागराज के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं ओमप्रकाश की लाश को पुलिस ने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा

संक्षिप्त खबरें

चंडीगढ़ के विकास कार्यों को लेकर नगर निगम कमिश्नर से महत्वपूर्ण बैठक

चंडीगढ़- आज आम आदमी पार्टी चंडीगढ़ के प्रदेश अध्यक्ष विजय पाल सिंह जी एवं नेता प्रतिपक्ष हरदीप बुतरेला जी के नेतृत्व में पार्टी के पार्षदों के प्रतिनिधिमंडल ने नगर निगम कमिश्नर से मुलाकात कर शहर के विभिन्न वार्डों में लंबित विकास कार्यों को जल्द पूरा करने की मांग उठाई। बैठक के दौरान सड़कों की मरम्मत, सीवरेज, सफाई व्यवस्था, स्ट्रीट लाइट्स, पार्कों के रखरखाव तथा अन्य जनहित से जुड़े मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की गई। प्रतिनिधिमंडल ने वार्डों से संबंधित लंबित विकास कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर समयबद्ध तरीके से पूरा करने का आग्रह किया। इस अवसर पर काउंसलर योगेश ढींगरा जी, काउंसलर मुनव्वर जी, काउंसलर जसविंदर कौर जी, पूर्व मेयर कुलदीप कुमार जी सहित आम आदमी पार्टी के कई पार्षद एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे। अध्यक्ष विजय पाल सिंह ने कहाआम आदमी पार्टी जनता की समस्याओं के समाधान और चंडीगढ़ के विकास के लिए निरंतर संघर्षरत है तथा जनहित के मुद्दों को मजबूती से उठाती रहेगी।

दिल्ली में ट्रैफिक पुलिस का महा-अभियान,12 हजार से गाड़ियों ज्यादा का चालान; 110 पर की एफआईआर

दिल्ली। दिल्ली में ट्रैफिक जाम की समस्या से निपटने, सड़क सुरक्षा को बेहतर बनाने और आम जनता से जुड़ाव बढ़ाने के लिए ट्रैफिक पुलिस ने राजधानी में एक हफ्ते के लिए विशेष अभियान चलाया। इस अभियान के तहत जिला पुलिस और ट्रैफिक पुलिस की टीमों ने संयुक्त रूप से सड़कों पर उतरकर सघन गश्त की। अधिकारियों ने खुद मौके पर मौजूद रहकर यातायात व्यवस्था की निगरानी की। नियमों का उल्लंघन करने वालों पर कार्रवाई की और स्थानीय समस्याओं को समझने के लिए जनता से संवाद किया। अभियान के दौरान विभिन्न यातायात नियमों के उल्लंघन के लिए 12,617 वाहनों के चालान काटे गए, सड़कों को ब्लॉक करने वाले और जाम का कारण बनने वाले 1,596 अवैध रेहड़ी-पटरी व अतिक्रमण को हटाया गया। एडिशनल पुलिस कमिश्नर ट्रैफिक विजयंता गोयल आर्या का कहना है कि इस दौरान कानूनी प्रावधानों का पालन न करने पर 81 वाहनों को जब्त भी किया गया। उल्टी दिशा में गाड़ी चलाने वालों के खिलाफ सख्त रुख अपनाते हुए 110 एफआईआर दर्ज की गई और 15,000 वाहन चालकों के खिलाफ कार्रवाई की गई। गाड़ियों पर अनधिकृत रूप से टिंटेड ग्लास (काले शीशे) लगाने के लिए 955 वाहन मालिकों को चालान जारी किए गए, जबकि शराब पीकर गाड़ी चलाने वाले 567 चालकों पर कार्रवाई की गई। गलत पार्किंग को लेकर सबसे बड़ी कार्रवाई की गई, जिसके तहत 48,472 चालान काटे गए और 3,922 वाहनों को क्रेन से टो किया गया।

अरविंद केजरीवाल अयोध्या राम मंदिर में चंदा चोरी को लेकर चंपत राय पर बरसे

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक एवं दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने अयोध्या राम मंदिर में चंदा चोरी मामले में एक बड़ा सवाल उठाया है। केजरीवाल ने राम मंदिर ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय पर को लेकर पूछा है कि मंदिर का पूरा प्रबंधन और अधिकार उनके पास है, फिर भी इतनी बड़ी चोरी होने के बावजूद उन्हें पद से हटाया क्यों नहीं गया। एक्स पर वीडियो जारी कर आरोप लगाते हुए केजरीवाल ने कहा है कि मंदिर से करोड़ों रुपये के चढ़ावे चोरी हो गए हैं। केजरीवाल ने दावा किया कि सिर्फ नकदी ही करीब 200 करोड़ रुपये चोरी हुई है और इसके अलावा आभूषणों से भरे कई बॉक्स भी गायब हैं। उन्होंने कहा कि हर राम भक्त इस घटना से बेहद दुखी और आहत है। केजरीवाल ने राम मंदिर ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि मंदिर का पूरा प्रबंधन और अधिकार उनके पास है, फिर भी इतनी बड़ी चोरी होने के बावजूद उन्हें हटाया नहीं गया है। केजरीवाल ने पूछा कि क्या उन्हें सबूत मिटाने और गवाहों को प्रभावित करने का समय दिया जा रहा है और उन्हें कौन बचा रहा है। केजरीवाल ने कहा कि उन्होंने कई लोगों से बात की है और सभी इस मामले में जवाब मांग रहे हैं। यह बयान सोशल मीडिया पर तेजी से चर्चा में है। राम मंदिर ट्रस्ट की ओर से अभी तक केजरीवाल के इन आरोपों पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है। बता दें कि अयोध्या के श्रीरामलला मंदिर में चढ़ावा चोरी विवाद के बीच केजरीवाल शुक्रवार को श्री राम जन्मभूमि मंदिर में दर्शन करने जाएंगे। केजरीवाल ने सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए लिखा था, 'अयोध्या श्रीराम मंदिर में चढ़ावा चोरी से हर सनातनी बेहद दुखी है।

बहुत प्यार करती हूं, वापस आ जा..मंगेतर की हत्या के बाद सिया का ढोंग

● मंगेतर की हत्या करने के बाद सिया ने सोशल मीडिया पर इमोशनल पोस्ट किया. सिया ने लिखा कि वो केतन से बहुत प्यार करती है।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पुणे के केतन अग्रवाल मर्डर केस ने सबको हैरान कर दिया है. केतन की मंगेतर सिया गोयल ने पहले उसे बर्थडे सरप्राइज के बहाने से लोहगढ़ किले पर बुलाया और फिर 400 फीट गहरी खाई में धक्का दे दिया. इस वारदात में सिया का प्रेमी चेतन चौधरी भी साथ था। सिया और केतन की फरवरी में सगाई हुई थी और दोनों नवंबर में शादी करने वाले थे. शादी के लिए उदयपुर में महल और प्राइवेट जेट बुक किया था. अपने मंगेतर की हत्या करने के बाद सिया ने पुलिस और परिवार को गुमराह किया. उसने सबसे झूठ बोला. इतना ही नहीं सिया ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर केतन के लिए पोस्ट भी किया. इस पोस्ट में उसने लिखा कि जब मैं तुमसे इतना प्यार करती थी तो तुमने मुझे क्यों छोड़ दिया. वापस लौट आओ।

सिया ने इंस्टाग्राम पर किया इमोशनल पोस्ट

केतन के पिता ने बताया कि सिया ने प्री-बर्थडे सरप्राइज का बहाना देकर उसे किले पर बुलाया था. 19 जून को सिया का जन्मदिन था. इससे एक दिन पहले यानी 18 जून को सिया ने केतन को खाई में धक्का दे दिया. केतन की मौत के बाद सिया ने शोक जताने के लिए इंस्टाग्राम पर इमोशनल स्टोरी शेयर की. इस पोस्ट में सिया ने लिखा कि अचानक कैसे चले गए. अब इस इंस्टाग्राम स्टोरी का स्क्रीनशॉट जांच का हिस्सा बन गया है। इस पोस्ट में एक वीडियो क्लिप भी शामिल थी जिसमें केतन कार की अगली सीट पर पीछे मुड़कर किसी से बात करते हुए दिखाई दे रहे थे और उसके बाद एक रोमांटिक गाने पर दोनों को डांस करते हुए दिखाया गया था। **'इस स्टोरी में सिया ने लिखा, 'मेरे दिल को पता है कि तू यहीं है. वापस आ जा'**

सिया ने पुलिस को फोन करते दी थी घटना की जानकारी

न्यूज एंजेसी IANS के अनुसार, एसपी पुणे ग्रामीण संदीप सिंह गिल ने कहा कि 18 जून को सिया गोयल और केतन अग्रवाल, लोहागढ़ किले में घूमने के लिए गए थे. वहां से तकरीबन 10:30 या 10:45 बजे के आसपास सिया गोयल ने फोन करके बताया कि केतन अग्रवाल फिसल के गिर गया और उसकी लोहगढ़ किले से नीचे गिरने से मृत्यु हो गई है। उन्होंने बताया कि सूचना प्राप्त होते ही वहां के सिक्योरिटी गार्ड, पुलिस, लड़की और मृतक के घर वाले घटनास्थल पर पहुंचे और पुलिस स्टेशन में उसी दिन केस दर्ज किया गया. मामला दाखिल करने के बाद आगे जो जांच की गई, उसमें कुछ ऐसी बातें हमारे सामने आईं, जिससे घटना को लेकर संशय पैदा हो गया. मृतक के रिश्तेदारों और दोस्तों से हुई बातें एवं पुलिस जांच में समझ आया कि इस तरह की घटना अचानक से होना बहुत ज्यादा संभावित नहीं है, खासकर उस लड़के के साथ जो अक्सर ट्रेकिंग करता था. पुलिस ने बताया कि लड़के ने काफी ट्रेकिंग की थी. जांच के इन सभी पहलुओं के आधार पर मामले की संदिग्धता और बढ़ गई।

तन के साथ मिलकर दिया केतन को धक्का

उन्होंने बताया कि इसके बाद हमें अपने कुछ गोपनीय सूत्र और मामले को लेकर की गई आगे की जांच में पता चला कि सिया गोयल का चेतन चौधरी नाम का एक दोस्त है. पुलिस ने बताया कि सिया के परिवार का काम मार्केट यार्ड में है, उधर ही चेतन की भी दुकान है। उन्होंने आगे बताया कि इन दोनों के बीच आपस में कुछ एक साल के आसपास से पहचान थी. इन दोनों ने ही केतन अग्रवाल की हत्या को लेकर योजना बनाई थी और उसी के तहत इस घटना को अंजाम दिया. पुलिस ने बताया कि लोहागढ़ किले पर इन्होंने केतन अग्रवाल को धक्का दिया, जिससे वह नीचे गिरा और उसकी मौत हो गई. उन्होंने बताया कि इस केस हत्या का मुकदमा दर्ज कर सिया और चेतन को हिरासत में लिया गया. दोनों ने पूछताछ के दौरान अपना गुनाह कबूल कर लिया है। पुलिस आगे की जांच कर रही है।

बिंद्रा कॉलोनी में अवैध बिल्डिंग निर्माण को लेकर नगर निगम की कार्यवाही एक बार फिर से सवालों के घेरे में

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लुधियाना- बिंद्रा कॉलोनी में बनी इल्लीगल बिल्डिंग जिसका न तो निगम से नक्शा पास है और इतना ही नहीं इस बिल्डिंग की मालिकी भी सवालों के घेरे में है, इसके बावजूद इस बिल्डिंग पर जहां निगम का सीधे डिमोलिशन का एक्शन लेना बनता था, वहीं दूसरी ओर नगर निगम की ओर से उक्त बिल्डिंग मालिक को डिमोलिशन का नोटिस जारी कर दिया है। लेकिन निगम की ओर से नोटिस जारी होने के बाद ये चर्चा छिड़ गई है कि नगर निगम अब इस नोटिस के तहत अपना एक्शन पहले लगा था या अवैध बिल्डिंग मालिक इस डिमोलिशन के खिलाफ हाई कोर्ट से स्टे लेकर आता है। अक्सर ऐसे मामलों में ये सामने आया है कि जब भी किसी इल्लीगल बिल्डिंग पर कार्यवाही के तौर पर निगम की ओर से डिमोलिशन नोटिस जारी किया गया है तो वह बिल्डिंग मालिक इस नोटिस के एवज में हाई कोर्ट से स्टे लेकर मामले को कानूनी पचड़े में डाल देता है। इस बार भी नगर निगम के अधिकारियों की भी जानकारी रही है लेकिन ये निर्माण राजनीतिक संरक्षण प्राप्त है, इसलिए ऐसा यह कदम गलत नहीं होगा कि नगर निगम ही उक्त बिल्डिंग मालिक को हाई कोर्ट जाने का मौका दे रही है, ताकि वह स्टे ले सके। नगर निगम ज़ोन बी बिल्डिंग ब्रांच के एटीपी, इंस्पेक्टर और अब पूरी बिल्डिंग जांच पहले से इस बिल्डिंग को लेकर सवालों के घेरे में आ चुकी है। बिंद्रा कॉलोनी के निवासियों ने रविवार पिछले 40 दिनों से रोज़ाना रात को लेकिन इसी बीच यहां पर शटरिंग हुई, लैंटर डालने की सूचना दी और अब बीती रविवार देर रात लैंटर भी डाल दिया गया।

वरिष्ठ पत्रकार मुकेश गोयल राष्ट्रीय गौरव सम्मान से सम्मानित

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्ली: देहरादून। नेशनल वीआईपी प्रेस क्लब द्वारा नगर निगम,टाउन हाल, देहरादून, उत्तराखंड में आयोजित राष्ट्रीय गौरव सम्मान समारोह एवं स्थापना दिवस समारोह में उत्तराखंड सहित विभिन्न राज्यों से आए लगभग 300 पत्रकारों, साहित्यकारों,समाजसेवियों, चिकित्सकों एवं गणमान्य नागरिकों ने शिरकत की।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री डा.रमेश पोखरियाल 'निशंक' रहे। अति विशिष्ट अतिथि के रूप में बंशीधर तिवारी (महानिदेशक सूचना लोक जनसंपर्क विभाग उत्तराखंड सरकार),संरक्षक मोहतरम राव, कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथियों में जन अधिकार पार्टी (जनशक्ति) के राष्ट्रीय अध्यक्ष आजाद अली,मेरठ से दैनिक हिंदू के संपादक मुकेश गोयल तथा एवं वरिष्ठ पत्रकार अरशद राणा मंचासीन रहे। मेरठ से आये वरिष्ठ पत्रकार एवं दैनिक हिन्दू के सम्पादक मुकेश गोयल ने 'राष्ट्रीय गौरव सम्मान' से सम्मानित किये जाने के बाद अपने उद्बोधन में पत्रकारों को अपनी लेखनी पर संयम बरतने का अनुरोध किया।उन्होंने कहा कि हमारा समाचार चाहें कितना भी प्रमाणिक हो लेकिन भाषा शैली में संयम का परिचय दिया जाना चाहिए।मुकेश गोयल एक लंबे समय से पत्रकारिता के माध्यम से समाज की कुरीतियों, समस्याओं उत्पीड़न, अत्याचार आदि मुद्दे को गंभीरता से उठते रहे है। यही कारण है कि पत्रकारिता क्षेत्र में उनकी एक खास पहचान है तथा इसके पहले भी पत्रकारिता क्षेत्र में उनकी निष्ठा एवं कर्तव्य परायणता के कारण उन्हें कई बार सम्मानित होने का गौरव प्राप्त हुआ हैं।

दिल्ली में बस एक कॉल पर होगी नालों की सफाई, CM रेखा गुप्ता का सख्त निर्देश

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि दिल्ली सरकार राजधानी को जलभराव मुक्त बनाने के लिए युद्धस्तर पर नालों की डी-सिल्टिंग का कार्य कर रही है। अब तक 3.4 मिलियन टन से अधिक गाद निकाली जा चुकी है। साथ ही 311 एप के माध्यम से नागरिकों को भी इस अभियान का भागीदार बनाया गया है, ताकि किसी भी नाले की सफाई से जुड़ी शिकायत पर तुरंत कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके। उन्होंने कहा कि किसी भी नागरिक को अपने आसपास नालों की सफाई को लेकर कोई शिकायत हो तो इस एप पर शिकायत कर सकते हैं। पिछले वर्ष नालों की सही तरह से सफाई होने के कारण मिंटो ब्रिज नहीं डूबा था। इस वर्ष भी मिंटो ब्रिज में जल भराव नहीं होगा अन्य स्थानों का भी ध्यान रखा जाएगा। उन्होंने कहा कि यह पहल स्वच्छ, सुरक्षित और बेहतर मानसून प्रबंधन वाली दिल्ली के निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

जिले में पीएसपीसीएल द्वारा बिजली बुनियादी ढांचे के अपग्रेडेशन और सौंदर्यीकरण का कार्य शुरू

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कपूरथला- नीचे लटकती बिजली की तारों को ऊंचा करना, खराब खंभों और मीटरों को बदलना, नए ट्रांसफार्मर लगाना तथा शहरी क्षेत्रों में वितरण प्रणाली को मजबूत करना शाम बिजली नेटवर्क को मजबूत करने, जन सुरक्षा में सुधार लाने और शहरी सौंदर्य को बढ़ावा देने के उद्देश्य से पंजाब स्टेट पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड (पीएसपीसीएल) द्वारा जिले भर में बिजली बुनियादी ढांचे के अपग्रेडेशन और सौंदर्यीकरण के विभिन्न प्रोजेक्ट शुरू किए गए हैं। इस संबंध में जानकारी देते हुए डिप्टी कमिश्नर आकाश बंसल ने बताया कि सौंदर्यीकरण योजना और अर्बन लोकल बॉडीज (यूएलबी) प्रोग्राम के तहत किए जा रहे इन कार्यों में नीचे लटकती बिजली की तारों की ऊंचाई बढ़ाना, क्षतिग्रस्त खंभों और मीटरों को बदलना, नए ट्रांसफार्मर लगाना तथा बिजली वितरण प्रणाली को अपग्रेड करना शामिल है। डिप्टी कमिश्नर ने बताया कि जिले भर में सौंदर्यीकरण योजना के अंतर्गत पुराने और असुरक्षित खंभों को बदलने, नए खंभे लगाने, पुराने मीटर बॉक्स बदलने, नई बिजली केबल बिछाने तथा यातायात में बाधा बनने वाले खंभों को अन्य स्थानों पर स्थानांतरित करने का कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इन कदमों से न केवल बिजली स्पलाई की विश्वसनीयता में सुधार होगा, बल्कि लटकती तारों और खराब खंभों को हटाकर शहर के सौंदर्यीकरण में भी महत्वपूर्ण योगदान मिलेगा। उन्होंने बताया कि इसी प्रकार यूएलबी योजना के तहत बेगोवाल, भुलत्थ, नडाला, सुल्तानपुर लोधी और ढिलवां में भी बुनियादी ढांचे के विकास कार्य शुरू हो चुके हैं। कपूरथला जिले में कुल 52 नए वितरण ट्रांसफार्मर लगाए जा रहे हैं, जिनमें से 47 ट्रांसफार्मर पहले ही स्थापित किए जा चुके हैं। इनमें भुलत्थ और बेगोवाल में 7, नडाला में 4, सुल्तानपुर लोधी में 5 तथा ढिलवां कस्बे में 4 ट्रांसफार्मर शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, 41

मौजूदा ट्रांसफार्मरों की क्षमता बढ़ाई जा चुकी है तथा कंडक्टरों सहित अन्य वितरण उपकरणों को भी उन्नत किया जा रहा है। डिप्टी कमिश्नर ने आगे बताया कि नगर निगम ने कपूरथला शहर में रिहायशी मकानों के ऊपर से गुजर रही बिजली लाइनों को बदलने के लिए पीएसपीसीएल के पास आवश्यक धनराशि जमा करवा दी है और यह कार्य युद्धस्तर पर जारी है। डिप्टी कमिश्नर ने लोगों से अपील की कि किसी भी प्रकार की सहायता के लिए वे प्रशासन के हेल्पलाइन नंबर 01822-233777 पर संपर्क कर सकते हैं।

S.S.P. डॉ. दर्पण अहलूवलिया की कड़ी कार्रवाई को लोगों का समर्थन

● खन्ना, लुधियाना- रेलवे स्टेशन के पास टूटे क्वार्टर, युद्ध नशे के खिलाफ अभियान के तहत की गई कार्यवाही

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पंजाब सरकार के 'ड्रग्स पर जंग' अभियान को जमीनी स्तर पर सफल बनाने के लिए खन्ना पुलिस की लगातार कार्यवाही का लोगों द्वारा जोरदार स्वागत किया जा रहा है। जिला पुलिस प्रमुख डॉ. दर्पण अहलूवलिया के नेतृत्व में रेलवे स्टेशन के निकट निर्जन खंडहर व खाली इमारतों पर पीला पंजा कराया गया। ये वे स्थान थे जिसमें लगातार शिकायत थी कि ड्रग्स और असामाजिक गानों का यातायात था। पुलिस और सिविल प्रशासन के बीच संयुक्त कार्रवाई के दौरान, इन खंडहरों को साफ किया गया और कई क्षेत्रों को निशाना बनाया गया जो जनता के लिए चिंता का विषय थे। अधिकारियों का मानना है कि तस्करों के खिलाफ कार्रवाई न केवल दवाओं को समाप्त करने के लिए पर्याप्त है, बल्कि उन जगहों को खत्म करना भी आवश्यक है जहां नशीली दवाओं के आदी इकट्ठा होते हैं और अवैध गतिविधियों में संलग्न होते हैं डीएसपी विनोद कुमार के नेतृत्व में इस कार्रवाई के बाद शहर के लोगों में खुशी का माहौल देखा गया। कई लोगों का कहना है कि काफी समय से ये निर्जन इमारतें और खंडहर नशे की लत बन चुकी थीं। पुलिस की इस कड़ी कार्रवाई से अब लोग सुरक्षित महसूस कर रहे हैं। लोगों का यह भी कहना है कि डॉ. दर्पण अहलूवालिया द्वारा जिले में धनुष उठाने के बाद नशे के खिलाफ अभियान को नई गति मिली है। लगातार न केवल ड्रग तस्करों पर केस दर्ज हो रहे हैं, बल्कि ड्रग सेंटरों को भी खत्म किया जा रहा है। यह कारण ड्रग ट्रैप को तोड़ने में मदद कर रहा है। पुलिस अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि 'वॉर ऑन ड्रग्स' अभियान सिर्फ एक अभियान नहीं है, बल्कि समाज को नशा मुक्त बनाने के लिए एक बड़ा जन आंदोलन है।

इसके तहत शहरों और गांवों के अन्य स्थानों की भी पहचान की गई है जहां नशेड़ियों के जमा होने की संभावना है। खन्ना वासियों ने पुलिस और प्रशासन की इस पहल की प्रशंसा की है और उम्मीद जतायी है कि आगे भी ऐसी कार्यवाही जारी रहेगी। लोगों का मानना है कि अगर ड्रग स्टेशनों को जड़ से खत्म किया जाए तो पंजाब की युवा पीढ़ी इस बुराई से बच सकती है। खन्ना पुलिस की इस कार्रवाई से न केवल कानून-व्यवस्था मजबूत होगी, बल्कि नशा मुक्त समाज के निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगी।

शकील अहमद बने दक्षिणी दिल्ली जिला सहकार भारती के वरिष्ठ उपाध्यक्ष

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्ली। दक्षिणी दिल्ली जिला सहकार भारती(RSS) के संगठन विस्तार का कार्य तेजी से चल रहा है। इसी क्रम में जिला अध्यक्ष यादवेंद्र सिंह ने शकील अहमद को जिले की टीम में वरिष्ठ उपाध्यक्ष बनाया है।जिला अध्यक्ष श्री सिंह ने कहा कि शकील अहमद एक ऊर्जावान सामाजिक कार्यकर्ता है, जो सहकार भारती की नीतियों, कार्यों एवं उद्देश्यों को जन जन तक पहुंचाने का काम करेंगे। जिले की टीम में वरिष्ठ उपाध्यक्ष बनाए जाने पर शकील अहमद ने आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वह अपनी जिम्मेवारियों का हर संभव निर्वाह करेंगे।श्री अहमद ने सहकार भारती दिल्ली प्रदेश के अध्यक्ष धर्मवीर सिंह को एक समर्पित समाजसेवी बताते हुए कहा कि सहकारिता के मूल्यों,संस्कारों एवं उद्देश्यों को वह जन-जन तक पहुंचने की योजना पर काम कर रहे हैं।सहकार भारती एक बहु

आयामी संगठन है इसके बारे में आम लोगों को अवगत कराना बेहद जरूरी है।उन्होंने दक्षिण दिल्ली जिला अध्यक्ष यादवेंद्र सिंह द्वारा अपनी टीम में वरिष्ठ उपाध्यक्ष बनाए जाने पर उनका आभार व्यक्त किया तथा कहा कि वह हमेशा संगठन के साथ कम से कदम मिलाकर चलेंगे और संगठन के प्रचार प्रसार एवं विस्तार के लिए दिन-रात काम करेंगे। उन्होंने कहा कि यादवेंद्र सिंह एक समर्पित ऊर्जावान सामाजिक कार्यकर्ता है उनमें जिला का नेतृत्व करने की भरपूर क्षमता है और उनके नेतृत्व में जिले में यह संगठन तेजी से अपना जनाधार विस्तार करेंगा।

दिल्ली में मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज के पास झुग्गियों में लगी भीषण आग

नई दिल्ली। सोमवार रात करीब 11:32 बजे तकिया काले खां गद्दा इलाके में पुरानी फर्नीचर, लकड़ी और अन्य ज्वलनशील सामग्री में अचानक भीषण आग लग गई। आग की सूचना मिलते ही पुलिस की टीम तुरंत मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों को सुरक्षित निकालने में जुट गई। पीसीआर कॉल मिलने के तुरंत बाद थाना प्रभारी इंस्पेक्टर नरेश कुमार, इंस्पेक्टर ईश्वर सिंह, एसीपी जता शंकर और अन्य पुलिसकर्मियों की टीम मौके पर पहुंची। आग फैलने की आशंका को देखते हुए पुलिस ने पूरे इलाके को खाली कराने का अभियान शुरू किया। कुछ स्थानीय लोगों के विरोध के बावजूद पुलिस टीम ने निरंतर प्रयासों से परिवार समेत 12 व्यक्तियों को सुरक्षित बाहर निकाला। पुलिस ने तुरंत फायर विभाग, बीएसईएस और डीडीएमए को सूचित किया। मौके पर 20 फायर टेंडर और 9 कैट्स एंबुलेंस पहुंचीं। तीन घंटे की लगातार मशक्कत के बाद आग पर पूरी तरह काबू पा लिया गया। पुलिस और अन्य एजेंसियों की समन्वित और त्वरित कार्रवाई के कारण इस घटना में कोई जानमाल का नुकसान नहीं हुआ।

इमरान हाशमी की 5 साल बाद हॉरर फिल्म में वापसी

● इमरान हाशमी अपनी आने वाली फिल्म रूह को लेकर खासे एक्साइटेड हैं क्योंकि इस जॉनर में वो पूरे पांच साल बाद वापसी कर रहे हैं. पढ़ें इस फिल्म में क्या है खास.

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्ली: इमरान हाशमी अपने पसंदीदा और हिट जॉनर यानी कि हॉरर में वापसी कर रहे हैं. रूह नाम से इस फिल्म की एक झलक शेयर कर दी है और इमरान हाशमी एक जबरदस्त हॉरर फिल्म का वादा करते नजर आ रहे हैं. भारतीय सिनेमा में हॉरर जॉनर को एक नई पहचान देने और इस जॉनर के सबसे जाने-माने चेहरों में से एक बनने के बाद इमरान हाशमी की 'रूह' में वापसी एक दर्शकों के लिए किसी विजुअल ट्रीट से कम नहीं है. यह एक हाई-कॉन्सेप्ट म्यूजिकल-हॉरर फिल्म है जिसे खास तौर पर थिएटर एक्सपीरियंस के लिए बनाया गया है। यह फिल्म 2027 में हिंदी, तमिल और तेलुगु भाषाओं में सिनेमाघरों में रिलीज होगी. प्राइम वीडियो की मशहूर 'ब्रीद' फ्रैंचाइजी के क्रिएटर-डायरेक्टर मयंक शर्मा के डायरेक्शन में बनी 'रूह' नए जमाने के हॉरर, म्यूजिक और फीलिंग्स का एक अनोखा मिक्स है, जिसे एक रोंगटे खड़े कर देने वाले सिनेमाई एक्सपीरियंस के तौर पर तैयार किया गया है. साइकोलॉजिकल गहराई, माहौल बनाने और किरदारों पर आधारित कहानी कहने में माहिर मयंक, बड़े पर्दे के लिए बनी इस फिल्म में अपनी खास सोच और विजन लेकर आ रहे हैं। 'रूह' इमरान हाशमी को एक ऐसी दुनिया में ले जाती है जो उनके दिल के करीब है और उस तरह के सिनेमा से गहराई से जुड़ी है जिसके लिए दर्शक हमेशा उन्हें पसंद करते रहे हैं. फिल्म को मयंक शर्मा और विशाल कपूर (जो 'लपाछपी' और 'छोरी' के लिए जाने जाते हैं) ने लिखा है और इसे विक्रम खाखर और सनी खन्ना (विक्ड फिल्म्स प्रोडक्शंस) ने प्रोड्यूस किया है। फिल्म के बारे में बात करते हुए इमरान हाशमी कहते हैं, ''रूह' एक ऐसी फिल्म है जिसने मुझे तुरंत अपनी ओर खींचा क्योंकि इसमें नए जमाने का हॉरर, फीलिंग्स और संगीत बहुत ही दमदार तरीके से एक साथ आते हैं. यह एक ऐसा जॉनर है जिससे दर्शक हमेशा मुझे

जोड़कर देखते रहे हैं, और मयंक जिस दुनिया को बना रहे हैं, वह बहुत गहरी, भावनात्मक और सिनेमाई लगती है. 'रूह' के बारे में इसी बात ने मुझे सबसे ज्यादा एक्साइट किया और मैं सच में चाहता हूं कि दर्शक बड़े पर्दे पर इसको एक्सपीरियंस करें। ' फिल्म के बारे में बात करते हुए डायरेक्टर मयंक शर्मा कहते हैं, 'एक ऐसे व्यक्ति के तौर पर जिसे हमेशा से हॉरर जॉनर पसंद रहा है 'रूह' एक ऐसी फिल्म बनाने की मेरी कोशिश है जो डर से कहीं आगे की चीज है. इसमें फीलिंग्स की कई परतें हैं, एक बेचैन कर देने वाला माहौल है और इसे आज के दौर के सिनेमाई अंदाज में पेश किया गया है. मैं इस गहरे और कई परतों वाले किरदार के लिए इमरान के साथ काम करने को लेकर बहुत एक्साइटेड हूं. मेरी पूरी टीम और मुझे उम्मीद है कि हम दर्शकों को हॉरर का एक सच में अनोखा और कभी न भूलने वाला अनुभव दे पाएंगे।'

वैभव सूर्यवंशी ने क्यों चुना टीम इंडिया की जर्सी पर नंबर-3 ? किसके कहने पर लिया यह फैसला

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

वैभव सूर्यवंशी जल्द ही भारतीय टीम के लिए खेलते हुए नजर आने वाले हैं. भारतीय टीम आयरलैं के खिलाफ दो मैचों की टी-20 सीरीज खेलेगी, भारतीय टीम आयरलैंड-इंग्लैंड दौरे के लिए भी रवाना हो गई है. टीम के साथ वैभव सूर्यवंशी भी नजर आए. बता दें कि इससे पहले वैभव सूर्यवंशी को भारतीय टीम की जर्सी भी दी गई जिसका वीडियो बीसीसीआई ने शेयर किया है. वीडियो में वैभव अपनी जर्सी को याद करके काफी भावुक नजर आए हैं।

थ्रोडाउन रघु के छुए पैर

वीडियो में देखा जा सकता है कि भारत के थ्रोडाउन स्पेशलिस्ट रघु अपने साथ वैभव सूर्यवंशी के लिए टीम की जर्सी लेकर आए. दरवाजे पर जैसे ही वैभव ने थ्रोडाउन रघु को देखा तो उन्होंने उनके पैर छूए और आशिर्वाद लिया . इसके बाद 15 साल के वैभव ने टीम इंडिया की जर्सी बक्से से निकाली. टीम इंडिया की जर्सी पर अपना नाम देखकर वैभव इमोशनल नजर आए. लेकिन एक बात ने सभी का ध्यान अपनी ओर खींचा. दरअसल, वैभव की टीम इंडिया वाली जर्सी का नंबर 3 था. ऐसे में सभी फैन्स यह जानने को लेकर उत्सुक हो गए कि आखिर वैभव की जर्सी का का नंबर 3 कनेक्शन क्या है। बता दें कि वैभव एक ऐसे खिलाड़ी हैं जो आने वाले समय में इतिहास बनाएंगे. वह भी उन खिलाड़ियों की कतार में शामिल हो सकते हैं जिस कतार में कपिल देव, सचिन तेंदुलकर और विराट जैसे दिग्गज मौजूद हैं. इन खिलाड़ियों की जर्सी का नंबर आज भी फैन्स को याद है. सचिन तेंदुलकर के नंबर 10, विराट के 18 और रोहित के 45 की तरह वैभव का 3 भी अब प्रशंसक याद रखेंगे।

वैभव सूर्यवंशी की टीम इंडिया की जर्सी पर नंबर-3 क्यों!

दरसअल, जब वैभव ने अपने प्रोफेशनल करियर की शुरुआत की थी तो उनकी जर्सी का नंबर 12 था. रिपोर्ट्स के अनुसार वैभव की मां ने ही वैभव को नंबर 3 जर्सी पर रखने की सलाह दी है. दरअसल, उनकी मां ने यह सुझाव दिया कि 12 के अंकों (1 + 2) को जोड़ने पर 3 आता है. ऐसे में सीधे सिंगल डिजिट 3 वाली जर्सी पहनने की सलाह दी, जिसे उन्होंने अपना लिया और इसे अपना लकी नंबर बना लिया. बता दें कि वैभव ने ये बात राइजिंग स्टार्स एशिया कप के दौरान जर्सी नंबर-3 के बारे में जब उनसे सवाल पूछा गया था, तो उन्होंने मुस्कुराते हुए इस सवाल का जवाब दिया था.

आईपीएल में पहनते हैं 12 नंबर की जर्सी

बता दें कि राजस्थान रॉयल्स के लिए वैभव 12 नंबर की जर्सी पहनते हैं, दोनों अंकों को जोड़ने पर 3 बनता है. ऐसे में जब भारत के लिए जर्सी पहनने की बात आई तो वैभव ने अपनी जर्सी पर नंबर 3 लिखवाया.

18 नंबर की जर्सी भी पहन चुके हैं

साल 2025 में वैभव ने जब भारत अंडर 19 टीम के साथ इंग्लैंड दौरे पर गए थे तो वहां, होव के काउंटी ग्राउंड पर इंग्लैंड 19 के खिलाफ यूथ वनडे मैच में भारत 19 के लिए अपना डेब्यू करते हुए वैभव सूर्यवंशी ने 18 नंबर की जर्सी पहनी थी. जिसकी काफी चर्चा हुई थी. उस मैच में उनकी जर्सी के पीछे नंबर 18 लिखा था, 18 नंबर की जर्सी कोहली भी पहनते हैं इसलिए यह चर्चा जोर पकड़ी थी।